प्रकाशन का सफलतम 17 वां वर्ष

सुविचार

जब इंसान अपने
काम में आनंद खोज
लेते हैं तब वे पूर्णता प्राप्त करते है!!!

श्रीमद् भगवद् गीता

www.purvanchalsurya.com

पूर्वांचल सूर्य

आवाज आज की, नज़र कल पर

रांची ➤दिल्ली➤देवघर से प्रकाशित

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

वर्ष - 17 | अंक 247 | दैनिक | रांची | रविवार 21 अप्रैल 2024 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 4.00

मोदी सरकार के तीन 'आपराधिक' कानूनों से खुश हो गए सीजेआई

बोले डीवाई चन्द्रचूड़-भारत बदल रहा है, नए युग की शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को देश में तीन नए आपराधिक कानून बनाए जाने की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह भारत के बदलने का स्पष्ट संकेत है। सीजेआई के अनुसार, नए कानूनों ने क्रिमिनल जस्टिस को लेकर भारत के कानूनी ढांचे को एक नए युग में बदल दिया है। उन्होंने 'आपराधिक न्याय प्रणाली के प्रशासन में भारत का प्रगतिशील पथ' विषय पर यहां आयोजित एक सम्मेलन में कहा कि नए कानून तभी सफल होंगे यदि ''हम नागरिकों के रूप में उन्हें अपनाएं।'' प्रधान न्यायाधीश ने नए आपराधिक न्याय कानूनों के लागू होने को समाज के लिए ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि भारत अपनी आपराधिक न्याय प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव के लिए तैयार है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि नए अधिनियमित कानूनों ने आपराधिक न्याय पर भारत के कानूनी ढांचे को एक नए युग में बदल दिया है। उन्होंने कहा कि पीड़ितों के हितों की रक्षा करने और अपराधों की जांच एवं अभियोजन में कुशलता के लिए अत्यावश्यक सुधार किए गए हैं। सीजेआई ने कहा, ''संसद द्वारा इन कानूनों को पास किया जाना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भारत बदल रहा है एवं आगे बढ़ रहा है और मौजूदा चुनौतियों से निपटने के लिए नए कानूनी उपकरणों की जरूरत है।''

धमकाने की कोशिश मत करो, जेल जाने से नहीं डरते

केरल सीएम पिनराई विजयन ने राहुल गांधी को खूब सुनाया

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर शुक्रवार को पलटवार किया। उन्होंने कहा कि ऐसा क्यों है कि केंद्रीय जांच एजेंसियों ने उनसे पूछताछ या गिरफ्तारी नहीं की। इससे एक दिन पहले, राहुल ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता विजयन पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा कि जब वह भाजपा के खिलाफ लड़ रहे हैं तो केरल के मुख्यमंत्री उन पर हमले क्यों कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि ईडी ने उनसे 55 घंटे तक पूछताछ की, उनकी लोकसभा सदस्यता और उनका आधिकारिक आवास छीन लिया गया। साथ ही, वर्तमान में विपक्ष से जुड़े दो मुख्यमंत्री जेल में हैं, लेकिन केरल के मुख्यमंत्री के साथ ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। सीएम विजयन ने कोझिकोड की एक चुनावी जनसभा में उन पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि राहुल की दादी और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल के दौरान कितनों को जेल में डाल दिया था।

शरद पवार बोले-लोग जानते हैं एनसीपी किसने बनाई

भाजपा ने ईडी व सीबीआई का इस्तेमाल करके पार्टी तोड़ी

एनसीपी चीफ बोले-मोदी का करिश्मा पहले जैसा नहीं रहा

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी शरदचंद्र पवार के चीफ शरद पवार का कहना है कि उनकी पार्टी ही असली एनसीपी है। इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि कोई भी कह सकता है असली एनसीपी हम हैं लेकिन लोगों को पता है कि एनसीपी किसने बनाई, किसने इन्हें मंत्री बनाया। लोग इन पर हंस रहे हैं। हम बीजेपी के खिलाफ लड़े और जीते, अब वे (अजित पवार) बीजेपी के साथ खड़े हैं। शरद पवार ने आगे कहा कि कुछ अवसरवादी लोग अब वो बीजेपी के साथ खड़े हैं। ये लोग मुझे कहते थे कि अगर हम नहीं जाएंगे तो हम पर ईडी एक्शन लेगा।

उन्होंने लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर कहा कि मोदी का जो करिश्मा पहले था, अब वैसा नहीं रहा। महाराष्ट्र में कम से कम 50 प्रतिशत सीटें हम जीतेंगे। शरद पवार का कहना है कि भाजपा ने ईडी का इस्तेमाल करके कुछ ऐसे कदम उठाए जिसकी वजह से हमारे साथी उनके कहने पर चले गए। बीजेपी को मालूम था कि महाराष्ट्र में वो नहीं जीत सकते इसलिए ईडी, सीबीआई का इस्तेमाल कर ये कदम उठाए गए। महाराष्ट्र में जो हुआ है, लोगों को ये बिलकुल पसंद नहीं आ रहा है। लोगों को डराकर साथ में लाना पसंद नहीं किया जा रहा है।

अब डीडी न्यूज के लोगो का रंग लाल से हुआ नारंगी

टीएमसी ने कहा-दूरदर्शन का भगवाकरण हुआ, ये प्रसार भारती नहीं, प्रचार भारती है

नई दिल्ली (एजेंसी)। पब्लिक ब्रॉडकास्टर दूरदर्शन ने अंग्रेजी चैनल डीडी न्यूज के लोगो का रंग लाल से बदलकर नारंगी कर दिया है। इस पर तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और प्रसार भारती के पूर्व सीईओ जवाहर सरकार ने कहा कि दूरदर्शन का भगवाकरण हो गया है। अब ये प्रसार भारती नहीं, प्रचार भारती हो गया है। 16 अप्रैल को दूरदर्शन ने सोशल मीडिया एक्स पर नया प्रमोशनल वीडियो शेयर किया। इसके कैप्शन में लिखा- हालांकि हमारे मूल्य वही हैं, अब हम एक नए अवतार में उपलब्ध हैं। ऐसी समाचार यात्रा के लिए तैयार हो जाएं जो पहले कभी नहीं देखी गई। बिल्कुल नए डीडी न्यूज का अनुभव करें। डीडी न्यूज - भरोसा सच का। वहीं यूपीए सरकार में सूचना एवं प्रसारण मंत्री रह चुके कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा- दूरदर्शन के लोगो का रंग बदलना सरकारी संस्थानों पर कब्जा करने का सरकार का प्रयास है। ऐसे कदम देश के पब्लिक ब्रॉडकास्टर की विश्वसनीयता को कमजोर करते हैं। जवाहर सरकार ने एक वीडियो जारी कर कहा- चुनाव से ठीक पहले प्रसार भारती के पूर्व एमडी के रूप में दूरदर्शन के लोगो का भगवाकरण देखकर दुख होता है। एक तटस्थ पब्लिक ब्रॉडकास्टर अब पक्षपाती सरकार के साथ एक धर्म और संघ परिवार के रंग को शामिल करके मतदाताओं को प्रभावित करेगा। सरकार ने कहा- मैं यह महसूस कर रहा हूं कि यह अब प्रसार भारती नहीं है, यह प्रचार भारती है। सरकार ने इसे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन भी बताया है। सरकार साल 2012 से साल 2016 तक दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो की देखरेख करने वाली संस्था प्रसार भारती के सीईओ रह चुके हैं। प्रसार भारती के वर्तमान सीईओ गौरव द्विवेदी ने बातचीत में कहा- लोगो का रंग नारंगी है न कि भगवा। सिर्फ लोगो में ही बदलाव नहीं हुआ है, बल्कि हमने डीडी के पूरे लुक और फील को अपग्रेड किया गया है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि लोग इस बारे में अनर्गल टिप्पणी कर रहे हैं। हम पिछले छह-आठ महीने से डीडी के लुक और फील को बदलने पर काम कर रहे थे। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा- भगवा से इतनी नफरत है इन लोगों को। भगवा रंग का आनंद ये लोग नहीं ले सकते। ये लोग सिर्फ तुष्टिकरण करने वाले लोग है। वहीं आंध्र प्रदेश भाजपा के उपाध्यक्ष ने कहा-जब दूरदर्शन 1959 में लॉन्च किया गया था, तो इसका लोगो भगवा था। सरकार ने मूल लोगो को ही अपनाया है, तो लिबरल्स और कांग्रेस नाराजगी जता रहे हैं।

न आरक्षण हटाएंगे, न सेक्युलर शब्द और न हटाने देंगे

संविधान बदलने के आरोपों पर भड़के गृहमंत्री अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा चुनाव के पहले दिन दो टूक कहा कि उनकी पार्टी और भाजपा की सरकार न तो आरक्षण हटाएगी और न ही संविधान से सेक्युलर शब्द हटाएगी। गुजरात के गांधीनगर सीट पर नामांकन दाखिल करने के बाद एक इंटरव्यू में अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस ऐसे आरोप लगाकर देशवासियों को गुमराह कर रही है। उन्होंने दो टूक लहजे में कहा कि अगर भाजपा को संविधान बदलना होता तो पिछले 10 सालों से उसके पास बहुमत है, वह दस सालों में ऐसा कभी भी कर सकती थी लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने बहुमत का इस्तेमाल अनुच्छेद 370 हटाने में, नागरिकता संशोधन कानून लाने में, तीन तलाक समाप्त करने में किया है। संविधान से पंथनिरपेक्ष (सेक्युलर) शब्द हटाने के आरोपों पर उन्होंने कहा, सेक्युलर शब्द हटाने की हमें कोई जरूरत नहीं है। इस देश को पंथनिरपेक्ष बनाने का सबसे बड़ा आग्रह बीजेपी का है, इसीलिए हम यूसीसी ला रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा, वो (कांग्रेस) देश को शरिया के नाम पर चलाना चाहती है, इसलिए उन्हें सेक्युलर बनने की जरूरत है, हमें नहीं। शाह ने कहा कि हम तो कह रहे हैं कि इस देश का संविधान धर्म के आधार पर होना चाहिए। शाह ने राहुल पर भी भड़ास निकाली और कहा कि जिस तरह से वह कहते फिर रहे हैं कि भाजपा आरक्षण हटा देगी तो ये बात स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि भाजपा ना तो आरक्षण हटाएगी और ना ही हटाने देगी।

मोदी सरकार के मुरीद हुए अजमेर दरगाह के दीवान

राम मंदिर से लेकर सीएए तक का किया जिक्र, की तारीफ

जयपुर (एजेंसी)। अजमेर शरीफ दरगाह के दीवान भी अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा के मुरीद हो गए हैं। उन्होंने राम मंदिर से लेकर सीएए तक जैसे कई मुद्दों पर खुलकर भाजपा के कामों का समर्थन करते हुए विपक्ष पर निशाना भी साधा है। उन्होंने कहा कि देश प्रगति कर रहा है और आज दुनिया में भारत का जो मुकाम है वह भाजपा सरकार की बदौलत है। लोकसभा चुनावों के बीच अजमेर शरीफ दरगाह के दीवान इस तरह के बयानों को काफी अहम माना जा रहा है। वहीं, विपक्ष के इस आरोप पर कि भाजपा संविधान बदलना चाहती है। इस पर अजमेर दरगाह के दीवान सैयद जैनुल आबेदीन अली खान ने कहा कि एक गलत भ्रम पैदा किया जा रहा है। संशोधन करना अलग बात है। इसे संविधान बदलने से नहीं जोड़ा जा सकता है। दरगाह के दीवान ने शनिवार को एक इंटरव्यू में कहा कि संविधान 1950 में बनाया गया था, तब से लेकर अब तक संसद में इसमें कितने संशोधन किए गए हैं। राष्ट्रहित और जनहित में यदि संशोधन की जरूरत होगी तो किए ही जाएंगे। झूठा भ्रम पैदा किया जा रहा है। क्या 1975 में इंदिरा गांधी द्वारा लगाया गया आपातकाल एक संशोधन नहीं था। संशोधन करने को संविधान बदलने से नहीं जोड़ा जा सकता है। सैयद जैनुल ने आगे भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि देश पिछले 10 वर्षों में प्रगति कर रहा है और दुनिया में देश ने जो मुकाम हासिल किया है वह मौजूदा सरकार की देन है।

कर्नाटक में कांग्रेस पार्षद की बेटी की हत्या को लेकर संग्राम

- ***लड़की के पिता और बीजेपी ने लव जिहाद बताया, सिद्धारमैया बोले-हत्या निजी कारणों से की गई***

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के हुबली में कांग्रेस पार्षद निरंजन हिरेमथ की बेटी के मर्डर केस को भाजपा ने लव जिहाद का मामला बताया है। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि इस घटना के पीछे लव जिहाद का एंगल है। कांग्रेस के शासन में कानून व्यवस्था पूरी तरह से खराब हो गई है। उधर, लड़की के पिता ने भी घटना को लव जिहाद का मामला बताया। उन्होंने दावा किया कि आरोपी ने उनकी बेटी को फंसाने की योजना बनाई थी। वे उसे धमकी दे रहे थे, लेकिन हमारी लड़की ने इस पर ध्यान नहीं दिया। इस बीच राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने लव जिहाद के दावों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह हत्या निजी कारणों से की गई है और राज्य में कानून व्यवस्था बिल्कुल दुरुस्त है। दरअसल, कर्नाटक के हुबली स्थित बीवीबी कॉलेज कैंपस में गुरुवार को 23 साल की नेहा हिरेमथ की हत्या कर दी गई।

अमरीका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बढ़ी मुश्किलें

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। न्यूयॉर्क की एक अपीली अदालत ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एक एडल्ट स्टार को गुप्त रूप से धन देने संबंधी मामले की सुनवाई रोके जाने की आखिरी समय में की गई कोशिश को शुक्रवार को खारिज कर दिया। ट्रंप ने जूरी के चयन में अनुचित जल्दबाजी की बचाव पक्ष की शिकायतों के मद्देनजर यह अनुरोध किया था। न्यायमूर्ति मार्शा माइकल ने संक्षिप्त सुनवाई के कुछ ही मिनट बाद फैसला सुनाया। सुनवाई रोके जाने के अनुरोध पर मध्य-स्तरीय अपीली अदालत में दलीलें उस समय पेश की गई जब कुछ ही घंटों पहले इस मामले की सुनवाई के लिए जूरी चयन प्रक्रिया पूरी हुई थी। अदालत के इस फैसले के बाद ट्रंप के खिलाफ बहस शुरू हो सकेगी।

सलमान केस में अब अनमोल बिश्नोई भी आरोपी, केस दर्ज

पुलिस ने बताया-होली पर ट्रेनिंग के लिए बिहार गए थे शूटर्स

मुंबई (एजेंसी)। सलमान खान केस में मुंबई क्राइम ब्रांच ने अब तक दो शूटरों- विक्की गुप्ता और सागर पाल को आरोपी बनाया था जिन्हें मंगलवार को गिरफ्तार भी कर लिया गया। इस केस में अब आरोपी के रूप में अनमोल बिश्नोई का भी नाम जोड़ा गया है, जो जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई का भाई है। मुंबई पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बातचीत में इस खबर की पुष्टि की। अधिकारी के अनुसार, अनमोल के खिलाफ मुंबई में यह पहला केस दर्ज है। मंगलवार को विक्की और सागर की रिमांड अप्लीकेशन में मुंबई क्राइम ब्रांच ने एक वॉन्टेड आरोपी का जिक्र किया था, लेकिन उसका नाम नहीं लिखा था। रिमांड अप्लीकेशन में एक केस डायरी का जिक्र किया गया था और कहा गया था कि एक आरोपी ने फेसबुक पर इस शूटआउट की जिम्मेदारी ली है। क्राइम ब्रांच सूत्रों के अनुसार, इस फेसबुक अकाउंट को वेरीफाई किया गया है। इसके बाद अनमोल को आरोपी बनाया गया है।

कांग्रेस के शहजादे को वायनाड में भी अब दिखने लगा है संकट

नांदेड़ की रैली में राहुल गांधी को लेकर बोले पीएम मोदी

कहा-जैसे अमेठी छोड़ना पड़ा, वैसे ही अब वायनाड भी छोड़ेंगे

नांदेड़ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के नांदेड़ में शनिवार को चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस के शहजादे को भी वायनाड में संकट दिख रहा है। शहजादे और उनकी टोली 26 अप्रैल को वायनाड में वोटिंग का इंतजार कर रही है। जैसे ही वहां 26 अप्रैल को वहां वोटिंग पूरी हो जाएगी। ये शहजादे के लिए एक और सुरक्षित सीट घोषित कर देंगे। जैसे इन्हें अमेठी छोड़ना पड़ा मान कर चलिए वे अब वायनाड भी छोड़ेंगे। परभणी में जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 2024 का चुनाव केवल सरकार बनाने के लिए नहीं हो रहा है। इस चुनाव का लक्ष्य है भारत को विकसित बनाना, भारत को आत्मनिर्भर बनाना। इसलिए 2024 के चुनाव के मुद्दे सामान्य मुद्दे नहीं हैं, हर मुद्दा महत्वपूर्ण है, हर कदम महत्वपूर्ण है, हर संकल्प महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का ये परिवार आजादी के बाद पहली बार खुद कांग्रेस को ही वोट नहीं देगा। क्योंकि जहां वो रहते हैं, वहां कांग्रेस का उम्मीदवार ही नहीं है। जिस परिवार के भरोसे कांग्रेस चलती है, वो परिवार खुद कांग्रेस को वोट नहीं दे पाएगा।

हरमू हाउसिंग कॉलोनी (एच आई 1 से 100) में अनियमित विद्युत आपूर्ति से परेशान निवासियों ने विभाग को लिखा पत्र

पुराने ट्रांसफार्मर बदलकर उच्च क्षमता वाले ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की

वरीय संवाददाता ,रांची। हरमू हाउसिंग कॉलोनी के एचआई-1-100 कॉलोनी निवासियों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को पत्र प्रेषित कर उच्च क्षमता वाले ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है। इस संबंध में कल्याण एवं विकास समिति की ओर से विद्युत विभाग के सहायक विद्युत अभियंता को पत्र प्रेषित किया गया है। समिति के सचिव एसएल बख्शी ने पत्र में कहा है कि हरमू हाउसिंग कॉलोनी के एचआई कॉलोनी स्थित ईडब्ल्यूएस (इकोनॉमिकली वीकर सेक्शन) क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति हमेशा बाधित रहती है। कॉलोनी की आबादी पिछले दस वर्षों में काफी बढ़ी है। पूर्व में इस कॉलोनी में 200 केवीए क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाया गया था, जो वर्तमान में आबादी बढ़ जाने पर लोड लेने में सक्षम नहीं है। उन्होंने विद्युत विभाग से 500 केवीए का ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है। पत्र की प्रतिलिपि विद्युत कार्यपालक अभियंता को भी प्रेषित की गई है।

मांग करने वालों में एनपी सिंह, शिवकुमार सिंह, गीता प्रसाद सिंह, अनिल कुमार सिन्हा, संजय सहित अन्य शामिल हैं।

राहुल बोले-हिंदुस्तान को 2 तरह के शहीद नहीं चाहिए

कहा-इंडिया सरकार बनी तो जल्द ही खत्म कर देंगे अग्निवीर योजना

महिलाओं को देंगे एक लाख, राहुल गांधी ने भागलपुर में किए कई वादे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भागलपुर में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस राहुल गांधी ने कहा की बीजेपी 150 सीटों से ज्यादा नही जीतेगी। उन्होंने कहा कि वे लोग अपने लिये खुद ही बढ़ा चढ़ाकर बता रहे हैं, लेकिन जनता उनको इस बात मौका नहीं देगी। राहुल गांधी ने कहा कि इंडिया गुट की सरकार बनीं तो वे पांच तरह की गारंटी फौरन देंगे। ये योजना युवा, किसान, महिला, मजदूर, आशा वर्कर्स और सेना जुड़ा है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार आते ही गरीबों की लिस्ट बनाई जाएगी और हर परिवार की एक महिला के खाते में आठ हजार से ज्यादा रुपये हर महीने डाले जाएंगे। बिहार के भागलपुर में अपनी पहली चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''देश के गरीबों, दलितों और आदिवासियों को जो कुछ भी मिला है, वह संविधान के कारण है। अगर संविधान को खत्म कर दिया गया, तो सभी चीजें खत्म हो जाएंगी।'' केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा पर संविधान को ''खत्म'' करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

श्री श्री चैत्र रामनवमी स्वागत समिति राम भक्तों का स्वागत पुष्प वर्षा कर किया

राम भक्तों का जोश और उमंग पिछले वर्ष के अपेक्षा ज्यादा- टोनी जैन

प्रतिनिधि,हज़ारीबाग। श्री श्री चैत्र रामनवमी स्वागत समिति दसवीं की रात से एकादशी तक राम भक्तों सहित सभी अखाड़ा धारीयो का स्वागत परंपरागत ढंग जोरदार पुष्प वर्षा कर किया, दशमी के शाम 7-00 बजे मंच का शुभारंभ उद्घाटन वैदिक मंत्रोचार के साथ हजारीबाग बड़ा अखाड़ा के महंत विजयानंद दास ने किया स्वागत समिति के अध्यक्ष टोनी जैन ने महंत जी को अंग वस्त्र और तलवार भेंट कर स्वागत किया। महंत जी ने टोनी जैन के सर पर साफा बांधकर आशीर्वाद दिया,महंत जी ने अपने उद्बोधन में कहा की स्वागत समिति पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी राम भक्तों का स्वागत जोरदार करेगी,हमारा पूरा विश्वास है की समिति के जितने नए सदस्य हैं सभी सहयोग करेंगे, एकादशी की सुबह राम भक्तों के बीच विशेष कर महिला और बच्चों को

बिस्किट का पैकेट देकर अपना कुछ योगदान साझा किया,हजारीबाग की विधायक भाजपा लोकसभा प्रत्याशी मनीष जायसवाल एवं आरएसएस जिला प्रमुख श्रद्धानंद सिंह अपने सहयोगी के साथ मंच पर पधारे स्वागत समिति अध्यक्ष टोनी जैन ने विधायक मनीष जायसवाल और आरएसएस प्रमुख श्रद्धानंद सिंह को तलवार भेंट कर एवं अंग वस्त्र देखकर स्वागत किया ,विधायक ने अपने उद्बोधन में कहा की लगभग 525 साल बाद राम भगवान अपने महल में विराजमान हो गए हैं ,तमाम राम भक्तों को वहीं से आशीर्वाद दे रहे हैं, इसीलिए इस वर्ष भी हजारीबाग रामनवमी काफी धूमधाम से मनाएगी, पिछले वर्ष की भांति स्वागत समिति राम भक्तों का स्वागत जोरदार करेगी, टोनी जैन ने विधायक और आरएसएस जिला प्रमुख के स्वागत में कहा विधायक जी का मार्गदर्शन हम लोगों को लगातार मिलता रहता है, पिछले वर्ष की भांति विधायक जी राम भक्तों का उत्साह वर्धन कर रहे हैं, आज से लेकर एकादशी के दिन तक लगातर राम भक्त मंच पर आशीर्वाद देने आते रहे ,स्वागत समिति ने सभी का स्वागत जोरदार किया, हजारीबाग के पूर्व सांसद यदुनाथ पांडेय,मांडू के विधायक कांग्रेस लोकसभा प्रत्याशी जयप्रकाश भाई पटेल और बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद,कांग्रेसी नेता मुन्ना सिंह, हजारीबाग सांसद जयंत सिन्हा के सुपुत्र आशीर सिन्हा सभी ने मंच पर आकर मंच का सम्मान बढ़ाया टोनी जैन और उनकी टीम ने सभी अतिथियों का तलवार और अंगवस्त्र देखकर सम्मान किया, रात से लेकर दिन तक आने वाले अतिथियों में मुख्य रूप से उमेश राणा,भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक यादव, ज्योत्सना देवी, शेफाली गुप्ता, पूनम मिश्रा हिंदू प्रचारक अमन कुमार, अजय दास मनोज गोयल, चंदन गुप्ता, विशाल वाल्मीकि, मुनींद्र शर्मा, अनिल सिंहा अजय साव,हिमांशु कुमार ,पूर्व उप महापौर आनंद देव सहित सैकड़ो की संख्या में शहर के गणमान्य लोगों ने स्वागत समिति के मंच पर आकर मंच की शोभा बढ़ाई ,स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से सोनू गुप्ता, अमित पांडे, शेखर गुप्ता, निशिकांत सिंह,

मयंक जैन सहित समिति के सारे पदाधिकारी ने स्वागत करने में अपनी भूमिका निभाई है।

जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन बधाई के पात्र -निसार खान

पुसू प्रतिनिधि,हजारीबाग। जिला 15 सुत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के सदस्य निसार खान ने जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन द्वारा रात और दिन के कड़ी परिश्रम के बाद हजारीबाग का ऐतिहासिक मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जी का जन्मोत्सव रामनवमी को आपसी एकता, शांति, हर्षोल्लास तथा साम्प्रदायिक सौहार्द के वातावरण में संपन्न कराए जाने पर जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन कि सराहना करते हुए बधाई के पात्र बताया है।

श्री खान ने एक बयान जारी कर कहा है कि हजारीबाग का अंतरराष्ट्रीय रामनवमी सफलतापूर्वक समापन को लेकर जहां एक ओर रामनवमी महासमिति के द्वारा विशेष तैयारी की गई थी वहीं दुसरी ओर रामनवमी संचालन समिति ने रामनवमी के सफल संचालन को लेकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इधर समाजिक संगठन के कार्यकर्ताओं की सक्रियता देखी गई तो उधर जिला शांति समिति के सदस्यों का भी बहुमूल्य योगदान रहा है।सबसे बड़ी बात जिस तरह से रामभक्तों ने अपनी अच्छी सूझबूझ का परिचय दिया है जो काबिल ए तारीफ है।उसके लिए सभी का हृदय से आभार व्यक्त किया है।

लायंस क्लब ऑफ हजारीबाग की ओर से लगाया गया सेवा शिविर

पुसू प्रतिनिधि,हजारीबाग। लायंस क्लब ऑफ हजारीबाग रोअरिंग की ओर से प्रत्येक वर्ष की बिहारी दुर्गा मंडप के समीप रामनवमी पर सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न क्लब के रामभक्तों को प्राथमिक उपचार किया गया। करीब 500 से अधिक लोगों का प्राथमिक उपचार हुआ। शिविर में मुख्य रूप से रीजन चेयरपर्सन राजीव आनंद, जोन चेयरपर्सन राजमोहन वर्मा, अध्यक्ष हीरो महतो, सचिव राजेश प्रजापति समेत रामचंद्र यादव, अमित कुमार सिन्हा, बिनोद रजक, तुलसी विश्वकर्मा, मोहम्मद अली, राहुल दास, सतीश कुमार, इचाक क्लब के रामकुमार अशोक कुमार, चंदन कुमार, अभय कुमार, किशोर कुमार का मुख्य योगदान रहा। शिविर में चिकित्सा कर्मी सीता देवी एवं सहयोगी अभिमान सिन्हा का मुख्य रूप से योगदान रहा। क्लब ने समाज के सभी प्रबुद्ध लोगों को सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए आभार प्रकट किया। भविष्य में पुनः सहयोग की अपील की।

अमेजन फैशन ने पेश किया स्प्रिंग समर 24 कलेक्शन

प्रतिनिधि,रांची। अमेजन फैशन भी अपने बहुप्रतीक्षित स्प्रिंग समर 24 कलेक्शन के साथ वापस आ गया है। नया कलेक्शन बेहतरीन रंगों, आकर्षक डिजाइन जैसी खूबियों के साथ बसंत और गर्मियों के मौसम की झलक पेश करता है। अमेजन के इस खास स्टोर में 200 से अधिक टॉप फैशन और ब्यूटी ब्रांडों के 1000 से अधिक स्टाइल उपलब्ध कराए गए हैं। यहां फन फ्लोरल, ग्राफिक एडिट, स्टाइलाइज्ड बॉटम्स और समर मिडिस से लेकर वर्कआउट एसेंशियल, स्ट्रैपी स्टाइल और ओवरसाइज्ड एडिट जैसी स्टाइल्स शामिल हैं, जो हर किसी की पर्सनेलिटी से मेल खाती हैं। इस साल गर्मियों के मौसम में आप समर ऑफ लव, इंडी समर, हेरिटेज गेटअवे बीच ड्रीम, एक्सप्लोरर क्लब और लास्ट रिज़ॉर्ट जैसे कलेक्शन के साथ अपनी खास स्टाइल के जलवे बिखेरिए। यहां आप चिक कट्स, बोल्ड फ्लोरल, फिट और फ्लेयर ड्रेस, मैक्सी स्कर्ट, समर ब्रैलेट, डेनिम ड्रेस, बेहतरीन एक्सेसरीज़, आकर्षक घड़ियाँ, ट्रेंडी हैंडबैग, कलर-पॉप टी-शर्ट, कैजुअल शर्ट, फ़ैशनेबल स्नीकर्स, ट्रैवल एक्सेसरीज़, फेस एवं हेयर केयर, कलरफुल आई पैलेट जैसे प्रोडक्ट में से अपने लिए शॉपिंग कर सकते हैं। यहां आपके लिए टॉमी हिलफिगर, ओनली, एल्डो, बीबा, डब्ल्यू, वेरो मोडा, मैडम, ऑरेलिया, गेस, कैसियो, वैन ह्यूसेन, लेविस, स्केचर्स, क्लार्क्स, प्यूमा, टाइटन, रे बैन, रैंगलर, द सॉल्ड स्टोर, लेंसकार्ट, लैमेल, हाईडिज़ाइन, मिनिमलिस्ट जैसे टॉप फैशन और ब्यूटी ब्रांडों के लेटेस्ट कलेक्शन पेश किए गए हैं।

एपेक्स कैरियर इंस्टीट्यूट का रिजल्ट शत प्रतिशत रहा

वरीय संवाददाता ,रांची। जैक की मैट्रिक की परिक्षा 2024 का परिणाम घोषित जिसमे एपेक्स कैरियर इंस्टीट्यूट कर्बला चौक कोनका रोड रांची के छात्र छात्रओं रिजल्ट शत प्रतिशत रहा। जिसमे आयशा फिजा 88.6प्रतिशत प्राप्त किया। सुनदुस जमील 86.4प्रतिशत प्राप्त किया। वहाब नैय्यर 85.8प्रतिशत, शगूफा परवीन 84.4.प्रतिशत, निश्फत परवीन फिरदौस 82.8 प्रतिशत, मन्ताशा परवीन 82.8प्रतिशत, जहां आरा 70.8 प्रतिशत, आर्यन कश्यप 64.8प्रतिशत, नाजिश परवीन 63.2प्रतिशत, नीलोफर फिरदौस 63.2 प्रतिशत, इस्मत परवीन 62.8 प्रतिशत प्राप्त किया। इस वर्ष इस अपेक्स कैरियर इंस्टीट्यूट से 38 छतराओ ने एग्जाम दिया। जिसमे सभी का रिजल्ट शत प्रतिशत रहा। एपेक्स कैरियर इंस्टीट्यूट के निदेशक सेराज अमन ने कहा की यह इंस्टीट्यूट 23 वर्षो से शिक्षा के क्षेत्र में काम करते आ रही है। हमारा उद्देश्य है की ड्राप आउट बच्चों को एजुकेशन से जोड़ना। वह बच्चे जो रेगुलर क्लास नहीं कर सकते वैसे बच्चों को हमारे इंस्टीट्यूट में मैट्रिक कराया जाता है। उन्होंने कहा कि स्कूल के सभी शिक्षक, शिक्षिकाओं की मेहनत और छात्राओं की मेहनत रंग लाई। हम अपने इंस्टिट्यूट के सभी शिक्षक काशिफ अख्तर, मो अखलाक, शिक्षिकाएं मिद्दत कौसर, और मैनेजमेंट समेत छात्र-छात्राओं को मुबारकबाद देते हैं कि उनकी यह मेहनत से बेहतर रिजल्ट रहा।

शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने स्कूलों के संचालन समय में किया बदलाव

पुसू प्रतिनिध,बड़कागांव। झारखंड में बढ़ती गर्मी और लू को देखते हुए शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने सभी श्रेणी के स्कूलों के संचालन के समय में बदलाव कर दिया है। इसको लेकर विभाग की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है, जो सोमवार 22 अप्रैल से लागू होगा। शिक्षा सचिव उमा शंकर सिंह की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि क्लास केजी से आठवीं तक की कक्षा सुबह 7 से 11-30 तक और क्लास 9वीं से ऊपर की कक्षाएं सुबह 7 से 12 तक संचालित होगी।

हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में भंडारा आयोजित

प्रतिनिधि,रांची। श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में प्रत्येक शनिवार को होने वाला 108 वां श्री श्याम भंडारा भक्तिमय रंग में सम्पन्न हुआ।

श्री श्याम मित्र मंडल के उपमंत्री अनिल नारनोली के नेतृत्व में एवं गिरिश अग्रवाल सरिता अग्रवाल एवम परिवार ने श्री श्याम मंदिर में विराजमान खाटूनरेश रिद्धि सिद्धि शिव परिवार बजरंगबली लड्डू गोपाल शालिग्रामजी गरुडजी व गुरुजनों को भंडारे का प्रसाद अर्पित किया। आओ आओ भोग लगाओ बाबा श्याम जी के लोकप्रिय भजन का गायन करके यजमानश्री अग्रवाल परिवार ने खाटूनरेश की मनोहर की । भोग अर्पित करने के समय पूरा मंदिर श्रध्दा में डूबा हुआ था। भोग लगे प्रसाद को अग्रवाल परिवार ने विशाल वृहद भंडारे में मिश्रित करके सर्वप्रथम मंदिर के आचार्यों को प्रसाद खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद श्री गणेश जी महाराज की जय जयकारों के साथ मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी के नेतृत्व में यजमानश्री परिवार के गिरिश अग्रवाल सरिता अग्रवाल महेंद्र अग्रवाल ज्योति अग्रवाल रोहित अग्रवाल रेणु अग्रवाल रामचंद्र अग्रवाल स्वेता अग्रवाल ने श्री श्याम भंडारे का प्रसाद का वितरण प्रारंभ किया।108 वे श्री श्याम भंडारा का समय होते-होते मंदिर परिसर भक्तों से अट गया एवं हरमू रोड में लंबी-लंबी कतारे लग गई। खाटू नरेश की जय जयकारों से पूरा हरमू रोड गूंज रहा था ।

आज के श्री श्याम भंडारे में पुलाव पूड़ी पंचमेला मिक्स सब्जी खीर चूरमा केसरिया जलेबी आम का शरबत का प्रसाद मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी के दिशा निर्देश में श्री श्याम मंदिर में निर्मित किया गया था। लगभग 2500 से ज्यादा भक्त जनों ने भंडारे का महाप्रसाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी श्रवण ढानढनिया प्रदीप राजगढ़िया अनिल नारनौली पूर्व सांसद अजय मारू वेद भूषण जैन पप्पू रंजना जैन अभिषेक सरावगी कौशल चौधरी रतन शर्मा अनुज मोदी अमित सरावगी कमलेश सावा कमल बिश्नोई अंकित सिंह मनोज खेतावत उपेंद्र पांडे मनीष वर्मा श्याम सुंदर जोशी सहित 50 से ज्यादा स्वयं सेवकों ने भंडारा वितरण में सहयोग किया।

मंगलवार को श्री सुंदरकांड पाठ : श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा मंगलवार 23 अप्रैल को संध्या 4-30 बजे से हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में 98 वा श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का सामूहिक संगीतमय पाठ का आयोजन होगा। मनीष सारस्वत ओम शर्मा व अन्य द्वारा पाठ करवाया जाएगा। प्रमोद पोद्दार पूनम पोद्दार अपने परिजनों के साथ बजरंगबली की पावन अखंड ज्योति प्रज्वलित करेंगे मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू ने सभी भक्तों को आमंत्रित किया है।

ट्रैक्टर ने युवक को लिया चपेट में युवक की मौत

बालू का अवैध रूप से खनन व परिवहन के दौरान युवक को कुचला

प्रतिनिधि,केरेडारी। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बेंगवरी गांव निवासी यशवंत कुमार पिता अमृत साव उम्र 26 वर्ष की मौत ट्रैक्टर के चपेट में आने से हो गई। घटना 20 अप्रैल लगभग 11 बजे दिन की है। इस संदर्भ में मिली जानकारी के अनुसार मृत युवक एनटीपीसी के चट्टी बरियातू कोल माइंस में साइट इंजीनियर के पद पर कार्यरत था।युवक एनटीपीसी के कार्य को लेकर केरेडारी टंडवा मुख्य सड़क से होकर पगार गांव अपने साइट पर जा रहा था। इसी दौरान टंडवा केरेडारी मुख्य सड़क के बसीर चौक के समीप एक ट्रैक्टर जो बालू खाली कर वापस जा रहा था जाने के क्रम में युवक को पूरी तरह अपने चपेट में ले लिया! जिस कारण युवक बुरी तरह से घायल हो गया। स्थानीय लोगों के सहयोग से गंभीर अवस्था में घायल युवक को

केरेडारी स्वास्थ उपकेंद्र ले जाया गया जहां युवक की मौत हो गई। घटना के उपरांत परिजनों ने शव को केरेडारी टंडवा मुख्य सड़क पर रखकर विलाप करने लगे। जिस कारण सड़क जाम की स्थिति बन गई। समाचार लिखे जाने तक सड़क जाम लगी हुई थी।

केरेडारी में बालू घाटों के बगैर नीलामी के बालू के अवैध खनन और परिवहन पर उठ रहे हैं सवाल : ट्रैक्टर द्वारा बालू अनलोड कर वापसी के क्रम में ट्रैक्टर के चपेट में आने से युवक की मौत पर लोगों ने गंभीर सवाल उठाएं है । लोगों का कहना है कि अगर केरेडारी प्रखंड में भी बालू की नीलामी हुई रहती तो ट्रैक्टर चालक चूपा चोरी बालू का अवैध रूप से खनन और परिवहन नही करते। क्योंकि बालू के अवैध रूप से खनन कर परिवहन करने के दौरान ट्रैक्टर चालक संबंधित विभाग की करवाई से बचने के लिए ट्रैक्टर को पूरी रफ्तार में चलाते हैं जिस कारण घटना दुर्घटना होने की प्रबल संभावना बनी रहती है। घटित घटना में पुलिस द्वारा पकड़े गए ट्रैक्टर के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार बालू के खनन और परिवहन पर रोक होने के बावजूद बगैर चालान के बालू का कारोबार संचालित होना स्वालों के घेरे में है। ज्ञात हो कि नौवा खाप नदी सायल गांव के बड़की नदी बुंडू पताल में दामोदर नदी गरी कलां पतरा कलां और मनातू क्षेत्र के नदियों से बालू का अवैध खनन और परिवहन बड़े पैमाने पर हो रहा है।

रामनवमी के सफलतापूर्ण आयोजन के लिए हजारीबाग वासियों को बहुत बहुत धन्यवाद : जीतू यादव

प्रतिनिधि, हज़ारीबाग। रामनवमी महासमिति अध्यक्ष जीतू यादव ने रामनवमी के सफलतापूर्ण आयोजन के लिए हजारीबागवासियो के साथ साथ जिला प्रशासन व पूर्व महासमिति के अध्यक्षों का धन्यवाद दिया ।वहीं कहा कि विभिन्न सामाजिक संगठन जिन्होंने भी इस रामनवमी को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभाई है उन सब को दिल से धन्यवाद देता हूं। महासमिति अध्यक्ष जीतू यादव ने डीआईजी, उपायुक्त और जिले के कप्तान पुलिस अधीक्षक को तलवार व अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया ।वहीं मौके पर उपस्थित पूर्व महासमिति अध्यक्ष व रामनवमी संरक्षण समिति के अध्यक्ष प्रशांत प्रधान को भी जिला प्रशासन के मंच पर तलवार व अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया ।वहीं जय श्री राम के नारों के साथ महासमिति के सदस्यों के उत्साह को बढ़ाया ।वहीं कहा कि हमारे टीम के सदस्यों ने जिस तरह से कदम से कदम मिला कर हमारा साथ दिया वह काफी सराहनीय है ।मैं सभी को धन्यवाद देता हूं ।उनके अथक परिश्रम व प्रयास से यह रामनवमी का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया । रामनवमी के सफल आयोजन के लिए उनका योगदान बहुमूल्य है ।हजारीबाग का अंतर्राष्ट्रीय रामनवमी सफलतापूर्वक आयोजन को लेकर रामनवमी महासमिति के द्वारा विशेष तैयारी की गई थी ।सभी सदस्यों को दायित्व दिया गया था ।जिसका सभी ने अनुपालन कर बखूबी से निभाया । अन्य कई समितियां ने भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जो बधाई के पात्र हैं ।इस बार नशामुक्त रामनवमी मानने का जो संकल्प था वह बीते वर्षों के भांति काफी सफल रहा । इस बार की रामनवमी में अस्त्र शस्त्र परिचालन में घायलों की संख्या में भी काफी गिरावट आई। सभी के सहयोग से शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में रामनवमी संपन्न हुई ।जिला प्रशासन,पुलिस प्रशासन,प्रेस, मीडिया और सोशल मीडिया से जुड़े लोग,हजारीबाग रामनवमी में शामिल सभी अखाड़ा के अध्यक्ष और सचिव के साथ साथ जुलुश में शामिल सभी लोग , हजारीबाग की तमाम जनता , सभी जनप्रतिनिधि ,रामनवमी संरक्षण समिति,सद्भावना समिति, रामनवमी संचालन समिति , रामनवमी संरक्षण व समन्वय समिति अन्य कई सामाजिक संगठन जो भी रामनवमी के सफल आयोजन हेतु पूरी तरह से प्रतिबद्ध थे उन सभी के प्रति हृदय से आभार प्रकट किया ।

सीसीएल मुख्यालय में आईएसटीडी का दो दिवसीय पूर्वी क्षेत्रीय सम्मेलन का समापन

वरीय संवाददाता

रांची। सीसीएल मुख्यालय, रांची के कन्वेंशन सेंटर में विषय पर इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट (आईएसटीडी) का दो दिवसीय (19 और 20 अप्रैल, 2024 को) पूर्वी क्षेत्रीय सम्मेलन का आज समापन हुआ।

कांफ्रेंस तीन सत्रों में आयोजित हुआ। प्रथम सत्र में प्रतिभा प्रबंधन के माध्यम से मानव संसाधन उत्कृष्टता का प्रबंधन पर चर्चा हुई। निदेशक (कार्मिक), बीसीसीएल मुरली कृष्ण रमैया ने इस सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में मानव संसाधन में प्रतिभा प्रबंधन पर प्रकाश डाला। प्रथम सत्र में निदेशक (कार्मिक), एनएचपीसी संजीव शेखर ने विषय विशेष पर व्याख्यान दिया वहीं प्रोफेसर वैष्णवी जगदीश साहू ने सबके सम्मुख रिसर्च पेपर प्रस्तुत किया। इस सत्र के समन्वयक पूर्व महाप्रबंधक, सेल, डॉ. हरिहरन थे।

द्वितीय सत्र की अध्यक्षता निदेशक (तकनीकी), मेकॉन अमित राज ने की। इस सत्र में मानव संसाधन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्रौद्योगिकी के नए आयाम पर चर्चा हुई। इस सत्र में सुजुकी के मानव संसाधन के प्रमुख श्री मुशर्रत हुसैन एवं टाटा कंसल्टेंसी के श्री शरत चंद्रा ने उपरोक्त विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत की। डॉ. कुमार मोहित स्प्रिंग ने विषय विशेष रिसर्च पेपर प्रस्तुत किया।

तृतीय सत्र की अध्यक्षता पूर्व सीएमडी, हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड अरुण कुमार शुक्ला ने की। इस सत्र का विषय इस सत्र में कार्यकारी निदेशक, आईआईसीएम, डॉ. कामाक्षी रमन एवं डॉ. रोहित कुमार ने सम्बंधित विषय पर व्याख्यान दी।

कार्यक्रम के अंत में समापन समारोह में झारखण्ड टेक्निकल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डी. के. सिंह, राष्ट्रीय ट्रेजरर, आईएसटीडी, श्री एन. पाणी एवं निदेशक (कार्मिक), सीसीएल श्री हर्ष नाथ मिश्र उपस्थित थे।

श्री हर्ष नाथ मिश्र ने सभी वक्ताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस सम्मेलन का आयोजन का उद्देश्य मानव संसाधन विकास एवं प्रबंधन के क्षेत्र में आ रहे तकनीकी परिवर्तनों से प्रतिभागियों को अवगत कराना था। सभी प्रतिभागियों को इस दो दिवसीय सम्मेलन के व्याख्यान एवं रिसर्च पेपर प्रस्तुतीकरण से निश्चित रूप से लाभ होगा। उन्होंने आगे कहा कि तकनीकों के इस्तेमाल के बावजूद भी सफलता हेतु ह्यूमन टच जरूरी है।

इस सम्मेलन में विभिन्न कंपनियों के प्रतिभागियों एवं राँची के शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों ने शिरकत की। व्याख्यान के दौरान सीसीएल के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षगण एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में टीम सीसीएल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सुपरस्टार सिंगर 3 में, प्रतीक गांधी ने कलाकारों को सराहा

वरीय संवाददाता ,रांची। सोनी के होमग्रोन सिंगिंग रियलिटी शो, 'सुपरस्टार सिंगर 3' में युवाओं ने शानदार प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीत लिया है। इस वीकेंड, 'श्रीमती स्पेशल' एपिसोड में, प्रतियोगी कालबेलिया लोक नर्तकी और पद्मश्री गुलाबो सपेरा, निर्मला पापड़ वाली और भारतीय नौसेना की सेवानिवृत्त, कमांडर प्रभा लाल सहित विभिन्न क्षेत्रों की दिग्गज महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। शो में 'दो और दो प्यार' की शानदार स्टार कास्ट- विद्या बालन और प्रतीक गांधी भी शामिल होंगे।

विद्या बालन ने कहा, ÷शानदार परफॉर्मेंस, मेरी कामना है कि ईश्वर की आप पर कृपा बनी रहे। यह वाकई प्रभावशाली है। सुपर जज नेहा कक्कड़ ने कहा, ÷वाकई यह पल ऐतिहासिक है! दानिश, वाह, मैं आपकी टीम के अद्भुत परफॉर्मेंस का बेसब्री से इंतज़ार कर रही थी, और आज, आप लोग सभी उम्मीदों को खरे उतरे हैं।

समाजसेवी स्व.अनिल साहू की पुण्यतिथि मनाई गई

प्रतिनिधि,रांची। छात्र क्लब ग्रुप के वरीय संरक्षक एवं प्रसिद्ध समाजसेवी स्व.अनिल कु साहू (पिस्कामोड़ साहु गली निवासी) की पुण्यतिथि छात्र क्लब बाल गोपाल मंच की संयोजिका कुमारी श्राव्या सांची (परी) की अध्यक्षता में मनाई।इस मौके पर क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा,वरीय संरक्षक सुमित कुमार,समाजसेविका देयमंती देवी मौजूद थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ स्व.अनिल कुमार साहू के तस्वीर पर पुष्प अर्पित एवं माल्यार्पण कर उनके सामाजिक विचारों को याद कर जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लेकर उन्हें नमन कर किया गया एवं मधुकम,साहु मुहल्ले के स्कूली बच्चों के बीच पाठ्य सामग्री एवं टॉफी बिस्कुट आदि वितरण किया गया। मौके पर समाजसेविका देयमंती देवी ने कहा जन्म दिन,पुण्यतिथि,शादी की सालगिरह,गृह प्रवेश समारोह पर बेवजह फालतू खर्च न करे,लोगों के तंदुरुस्ती के लिए निःशुल्क चिकित्सा कैंप लगाए,क्षेत्र में स्वच्छ जलवायु एवं हरियाली के लिए पौधारोपण करें एवं गरीबों जरूरतमंदों की खुशहाली के लिए उनके बीच आवश्यक सामग्री का वितरण करें।श्राव्या सांची ने कहा हमारे दादा स्व.अनिल साहू टोले मुहल्ले के बच्चों को बेहद प्यार करते थे साथ ही जरूरतमंद बच्चों के पढ़ाई लिखाई में हर संभव मदद करते थे। उनकी कमी हम सभी को महसूस हो रही है। क्लब के सह प्रवक्ता कुमारी नीतू साहु के भक्तिमय संगीत के बाद कार्यक्रम की समापन हुई।

कार्यक्रम को सफल बनाने मे मुख्य रूप से संरक्षक अमित कुमार,प्रवक्ता कुमारी अनुजा,कुमारी शीला,कुमारी अनिता सहित गुनगुन कुमारी,ब्रजेश भारती,कृष्णा साहू,दिव्यज्योत,अभिनव कुमार, अस्मित कुमार ने महत्तवपूर्ण भूमिका निभाई।

स्किल सेंटर रंका में स्वीप कार्यक्रम के तहत नए मतदाताओं के बिच चलाया गया जागरूकता अभियान

प्रतिनिधि,गढ़वा। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के मद्देनजर यूनिवर्सल आइडियल सेवा समिति, स्किल सेंटर रंका में स्वीप कार्यक्रम के तहत 18 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के वैसे बच्चें जो पहली बार मतदान करेंगे, उनके बीच मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाकर मतदान करने के लिए प्रति किया गया। इस दौरान मुख्य रूप से जिला नियोजन पदाधिकारी नीरज कुमार के द्वारा बच्चों को EVM VVPAT की जानकारी दी गई। मतदान की विशेषता बताते हुए सभी को मतदाता प्रतिज्ञा भी दिलाई गई, साथ हीं स्वीप कार्यक्रम की विशेषता बताते हुए 13 मई को पलामू लोकसभा क्षेत्र में होने वाले मतदान के दिन अपने मतदान केंद्रों पर पहुंचे नैतिक रूप से मतदान करने की बात कही गई। इस दौरान यूएनडीपी प्रकाश कुमार एवं यंग प्रोफेशनल हिमांशु कुमार मौके पर उपस्थित रहे।

प्राप्त शिकायत के विरुद्ध श्री बंशीधर नगर के एसडीओ द्वारा प्रखंड समन्वयक को भवनाथपुर से भंडरिया प्रखंड में किया स्थानांतरण

प्रतिनिधि,गढ़वा। वरूण बिहारी, भाकपा माले के MLA प्रत्याशी द्वारा DCC-1950 के टॉल फ्री दूरभाष पर प्राप्त शिकायत के विरुद्ध अनुमंडल पदाधिकारी श्री बंशीधर नगर के द्वारा उपलब्ध कराए गए जांच प्रतिवेदन के आलोक में आलोक कुमार, प्रखंड समन्वयक (पंचायत राज स्वशासन परिषद) प्रखंड भवनाथपुर का स्थानांतरण 81 भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से अन्यत्र भंडरिया प्रखंड में कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि इनके रिश्तेदार राजनीतिक दल से संबंधित हैं एवं बतौर प्रखंड समन्वयक यह पिछले सात वर्ष से उक्त कार्यालय में पदस्थापित थे, इसी परिप्रेक्ष्य में प्राप्त शिकायत के आलोक में इनका स्थानांतरण किया गया है।

न्याय आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शिविर का आयोजन

प्रतिनिधि,मनिका (लातेहार)। प्रखंड मुख्यालय के नामुदाग पंचायत में जिला विधिक सेवा अधिकार के तत्वाधान मे न्याय आपके द्वार कार्यक्रम के तहत जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उपस्थित अधिवक्ता अरविंद गुप्ता के द्वारा सरूता एवं सुलभ न्याय प्रतिक्रिया के संबंध में विशेष रूप से जानकारी दी गई। एवं कम से कम खर्चे में सुलभ रूप से मिलने वाले न्यायिक कार्यो के बारे में जानकारी दी गई।

जामबाद के ग्रामीणों ने धूमधाम से की ग्राम रक्षा काली माता की पूजा

प्रतिनिधि,पाकुड़। हिरणपुर प्रखंड के बड़तल्ला पंचायत अंतर्गत जामबाद गांव में शनिवार को परंपरागत रूप से चली आ रही ग्राम रक्षा काली माता की पूजा अर्चना बड़ी धूमधाम से की गई। भीषण गर्मी एवं लू के बावजूद भी मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ पूजा होने तक जमी रही।पुजारी राजेंद्र भंडारी एवं शिवपूजन भंडारी ने बताया कि ग्राम रक्षा काली माता की पूजा लगभग 300 वर्षों से अधिक समय से हमारे पुरखों द्वारा करती आ रही है। माता की पूजा प्रत्येक वर्ष चैत्र या वैशाख महीने में की जाती है। माता की पूजा करने से ग्रामीण कष्ट, विपत्तियों और आपदा से मुक्त रहते है। श्रद्धालुओं की मनोकामना पूरी होने पर माता के दरबार में बकरे की बलि भी दी जाती है। ग्राम रक्षा काली माता के पूजा होने से पूरे गांव के ग्रामीण बहुत खुश रहते हैं। इस अवसर पर संजीव भंडारी,जयदेव साहा,मनोहर भंडारी, विजय साहा,चंद्रमोहन साहा सहित दर्जनों भक्त व ग्रामीण उपस्थित थे।

वनांचल डेंटल कॉलेज में नैतिक मतदान सह मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

प्रतिनिधि,गढ़वा। 20 अप्रैल शनिवार को वनांचल डेंटल कॉलेज में नैतिक मतदान सह मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सहायक परियोजना पदाधिकारी सिया जानकी सिंह ने छात्रों से नैतिक मतदान सह मतदाता जागरूकता विषय पर विशेष रूप से सक्रिय संवाद किया तथा मतदान क्यों जरूरी है, विषय पर परिचर्चा भी किया। जिसमें छात्रों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं अपने विचार रखें। सिया जानकी सिंह ने बताया कि मतदान से ही मजबूत लोकतंत्र की नींव रखी जा सकती है। मतदान से ही तय होता है कि हमारे क्षेत्र के नागरिक देश के प्रति कितने जिम्मेवार एवं जागरूक हैं। यदि हम खुद मतदान नहीं करते तो हमारा कोई अधिकार नहीं बनता कि हम किसी के कार्यकलाप पर उंगली उठाएं। कार्यक्रम में उपस्थित मास्टर ट्रेनर नितिन कुमार के द्वारा ईवीएम एवं वीवीपीएटी के बारे में मुख्य रूप

से बताया गया कि कैसे ईवीएम द्वारा मतदान करने से एवं वीवीपीएटी के आ जाने से हमारी मतदान की प्रक्रिया पूर्णतः सहज़, पारदर्शी एवं विश्वसनीय हो गयी है। नैतिक मतदान ही मजबूत लोकतंत्र की धुरी है। अतः उपस्थित सभी मतदाताओं से आग्रह किया गया कि किसी भी प्रकार के प्रलोभन में आए बगैर बिना किसी भय अथवा दबाव के नैतिक रूप से 13 मई 2024 को मतदान कर अपने देश के प्रति एक जिम्मेवार नागरिक होने का कर्तव्य अवश्य निभाएं। उपस्थित सभी मतदाताओं को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न तरह के एप्पस जो निर्वाचन प्रक्रिया को और भी अधिक सुलभ एवं पारदर्शी बनाने में सहायक हैं, के बारे में जानकारी भी विस्तृत रूप से दी गई। खासकर सी-विजिल एप्प जो निर्वाचन आयोग के द्वारा जारी किया गया है, किसी भी प्रकार से आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले पर करवाई करने में काफी सहायक है। अगर आपके क्षेत्र में कोई भी राजनितिक व्यक्ति किसी भी प्रकार का भय किसी मतदाता को दिखाता है या किसी भी प्रकार का प्रलोभन देता है तो ऐसे में सी-विजिल एप्प के माध्यम से उक्त व्यक्ति का वीडियो बनाकर तुरंत अपलोड करना है। यहाँ महत्वपूर्ण बात यह है कि सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम पूर्ण रूप से गोपनीय रखा जाएगा। साथ ही सक्षम एप्प एक ऐसा एप्प है कि अगर कोई पूर्णतः दिव्यांग या बुजुर्ग व्यक्ति है एवं वह मतदान केंद्र पर आकर मतदान करने की स्थिति में नहीं है, तो ऐसी परिस्थिति में सक्षम एप्प के माध्यम से ऐसे व्यक्तियों की पूर्ण जानकारी अपलोड कर देने से उनके मतदान की व्यवस्था बूथ लेवल कर्मचारियों के द्वारा कर दी जाएगी। एक और एप्प वोटर हेल्पलाइन एप्प है जो मतदाताओं को मतदान सूची में अपना क्रम संख्या देखने में सहायक है। जिससे मतदाता लम्बी लाइन लगाकर मतदाता सूची में अपना नाम एवं क्रम खोजने के परेशानी से निजात पा सकते हैं। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित सभी मतदाताओं को मतदाता शपथ पत्र के माध्यम से 13 मई 2024 को होने वाले मतदान में अवश्य हिस्सा लेने एवं नैतिक रूप से मतदान कर जिम्मेवार नागरिक की भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। मतदाताओं को मतदान करने हेतु जागरूक करने एवं 13 मई 2024 को मतदान केंद्र तक लाने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से स्वीप कोषांग गढ़वा की ओर से जिले में विभिन्न कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में सभी सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थान बढ़-चढ़कर अपना योगदान दे रहे हैं। इसी क्रम में कल दिनांक- 19-04-2024 को भी सूरत पांडेय डिग्री कॉलेज में भी स्वीप के तहत कार्यशाला आयोजित कर लोगों को मतदान करने हेतु प्रेरित किया गया। मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से गढ़वा जिले के पदुमलाल पुरुषोत्तम कुमार कपड़ा दुकान द्वारा भी सराहनीय पहल की गई है। उन्होंने अपने झोले पर ÷मतदान का पर्व देश का गर्व÷, %%मतदान अवश्य करें%% आदि स्लोगन छपवाया है। इसी प्रकार की छपाई वाले झोले में वे अपने ग्राहकों को सामान दे रहे हैं। पूछे जाने पर उनके द्वारा बताया गया कि लोकसभा आम चुनाव 2024 हेतु मतदाताओं को जागरूक करने तथा मतदान प्रतिशत बढ़ाने में जिला प्रशासन का सहयोग करने हेतु उनके द्वारा यह कार्य किया जा रहा है। उक्त मौके पर मास्टर ट्रेनर नीतीन कुमार तिवारी, प्रेम कुमार तिवारी, सुनील कुमार तिवारी एवं प्रदीप कुमार श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

पाकुड़ पॉलिटेक्निक में लेटरल एंट्री डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में हुआ नामांकन शुरू

प्रतिनिधि,पाकुड़। सदर प्रखंड के कोलाजोड़ा में स्थित पाकुड़ पॉलिटेक्निक कॉलेज में डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के लिए लेटरल एंट्री के माध्यम से प्रवेश शुरू हो गया है। यह उन छात्रों के लिए एक सुनहरा अवसर है जिन्होंने गणित के साथ इंटरमीडिएट उत्तीर्ण किया है या मान्यता प्राप्त संस्थान से आईटीआई (ITI) पूरा किया है और इंजीनियरिंग में डिप्लोमा करने में रुचि रखते हैं, वे सीधे पाकुड़ पॉलिटेक्निक में डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष में प्रवेश ले कर केवल दो वर्ष में कनिष्ठ अभियंता बनने की पात्रता पा सकते। आज के तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी परिदृश्य में, इंजीनियरिंग का क्षेत्र रोजगार की अपार संभावनाएं प्रदान करता है, और पाकुड़ पॉलिटेक्निक इच्छुक छात्रों को उनके करियर में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सुलभ अवसर प्रदान करने के लिए समर्पित है। इच्छुक छात्र-छात्राएं को गणित विषय के साथ इंटरमीडिएट या आईटीआई न्यूनतम 45त्न मार्क्स से उत्तीर्ण होना चाहिए। नामांकन की प्रक्रिया 20 अप्रैल से शुरू होकर 15 मई तक चलेगी। पाकुड़ पॉलिटेक्निक में दी जा रही कौशल योजना एवं उज्ज्वला मासिक योजना का लाभ भी चयनित योग्य उम्मीदवारों को दिया जायेगा। एआईसीटीई (AICTE), नई दिल्ली और झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (JUT), राँची द्वारा मान्यता प्राप्त पाकुड़ पॉलिटेक्निक इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने वाली संस्थान है। संस्थान से उतीर्ण छात्र-छात्राओं को प्लेसमेंट सेल के द्वारा देश की नामी-गिरामी कंपनियों में रोजगार का अवसर प्रदान किया जाता है। साथ ही वैसे छात्र जो डिप्लोमा इंजीनियरिंग के बाद उच्च तकनीकी शिक्षा हेतु बी.टेक. में नामांकन ले कर डिग्री प्राप्त करना चाहते हैं उनका उचित मार्गदर्शन किया जाता है। ज्ञात हो कि डिप्लोमा इंजीनियरिंग/ पॉलिटेक्निक करने के बी.टेक. डिग्री कोर्स में छात्रों को सीधे द्वितीय वर्ष में नामांकन की सुविधा मिलती है जिससे छात्रों का एक वर्ष का समय और खर्च बचता है। संस्थान का लक्ष्य छात्रों को इंजीनियरिंग के गतिशील क्षेत्र में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करना है।

एनटीपीसी प्लांट के अंदर लगी भीषण आग, काले धूऐं के गुबार से मचा रहा अफरातफरी

भेल कंपनी के स्टोर रूम में आज ने मचाई तबाही करोड़ों रुपए के नुकसान की संभावना

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो

टंडवा (चतरा)। शुक्रवार दोपहर लगभग डेढ़ बजे एनटीपीसी टंडवा ईकाई के परिसर के अंदर लगे भयानक आग की लपटों व काले धूऐं का जहरीला गुबार देखते हीं देखते विकराल रूप लेकर बड़े क्षेत्र में फैल गया। जिससे आसपास के लोगों में घंटों ऊहापोह की स्थिति बनी रही। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्लांट के अंदर कार्य करने वाली भेल कंपनी के 7 नंबर यार्ड में रखे केबल व अन्य मेटेरियल में लगी आग तेज़ी से फैलने लगा।जिसकी सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मी जोरदार मशक्कत करते रहे। स्थिति की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि देर शाम तक आग पर पूरी तरह से काबू नहीं

पाया जा सका था।

भयावहता से आसपास के गांवो व प्लांट के अंदर भी घंटों मची रही अफरातफरी : देखते हीं देखते फैले आग व धूऐं के भयानक गुबार से प्लांट के अंदर व आसपास रहने वाले ग्रामीणों के बीच काफी देर तक अफरातफरी का माहौल बना रहा। लोग आगलगी की घटना को लेकर जहां जानने के लिए उत्सुक थे वहीं इस बावत कोई भी अधिकारी कुछ भी बोलने से साफ़ परहेज़ करते रहे।

सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही बरतने का आरोप, लोगों ने उच्चस्तरीय केंद्रीय जांच की मांग की : हजारों करोड़ रुपए की लागत से बनी परियोजना के अंदर आगलगी वाली घटना से आसपास रहने वाले ग्रामीण स्तब्ध व भयाक्रांत हैं। परियोजना से सटे गांवों में रहने वाले ग्रामीणों को तेजी से हवा के झोंको के साथ पहुंचे ज़हरीले धूऐं का गुबार से उन्हें सांस लेने में काफ़ी मशक्कत होने लगी। बता दें, पूर्व में हीं कुछ इसी तरह की घटना 21 जनवरी 2021 को हुई थी जिससे प्लांट के अंदर लगी आग से करोड़ों रुपए मूल्य के सामानों की क्षति होने का अनुमान लगाया गया था। वहीं, पिछले दिनों हीं 29 मार्च 2024 को देर शाम टीपी साइट के कन्वेयर बेल्ट में आग लगने से लगभग 15-20 फीट बेल्ट जलकर राख हो गया था। बताया जाता है कि सुरक्षा मानकों की लापरवाही को दरकिनार करना प्रबंधन के साथ-साथ ग्रामीणों को भी भारी पड़ सकता है। घटना के पीछे महज संयोग है या गहरी साजिश इसकी उच्चस्तरीय स्तरीय जांच केंद्रीय एजेंसी से कराने की मांग अब होने लगी है।ट्ठ

प्रबंधन ने जारी की प्रेस विज्ञप्ति : मामले को लेकर रात 8 बजे भेल कंपनी प्रबंधक जयंता घोष ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि घटना दोपहर डेढ़ बजे की है। कोई हताहत नहीं हुआ है। त्वरित संज्ञान लेते हुवे सीआइएसएफ व आपदा प्रबंधन की टीम ने स्थितियों को संभाला। वही, क्षति का आकलन किया जा रहा है।

मैट्रिक में पुनम प्रथम,पुजा द्वितीय एवं हेना तृतीय स्थान लाकर बालूमाथ का किया नाम रौशन

बालूमाथ प्रखंड के मैट्रिक परिणाम में बेटियों का रहा कब्जा

प्रतिनिधि, लातेहार। झारखंड अधिविध परिषद रांची द्वारा शुक्रवार को जारी मैट्रिक के परिणाम में बालूमाथ प्रखण्ड टॉपर रहे प्रोजेक्ट इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय बालूमाथ की छात्रा बालूमाथ निवासी पप्पू कुमार शाह की पुत्री पूनम कुमारी 478 अंक 95.60 प्रतिशत प्रथम,गणेशपुर उच्च विद्यालय की छात्रा गणेशपुर निवासी लिलधारी महतो की पुत्री पूजा कुमारी 470 अंक 94 प्रतिशत लाकर दुसरे एवं मूरपा उच्च विद्यालय की छात्रा मूरपा मारंगलोइया निवासी सेराज अंसारी की पुत्री हेना हासमीन ने 468 अंक 93.60 प्रतिशत लाकर तीसरे स्थान प्राप्त की। जबकि बालूमाथ प्रखंड निवासी कैलाश गंझू की पुत्री शारधा कुमारी भी तृतीय स्थान प्राप्त कर बालूमाथ प्रखंड का नाम रौशन की तथा प्रखंड में चौथा स्थान हर्ष कुमार चौथ व पल्लव शहदेव पांचवा स्थान लाकर नाम रौशन किया। छात्रों के सफलता के बाद प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय के शिक्षक निर्मल सिन्हा,मूरपा उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक जसीम अंसारी, गणेशपुर उच्च विद्यालय के प्राचार्य रविंद्र कुमार सिंह,बालूमाथ उच्च विद्यालय की प्राचार्य रूबी बानो, सरस्वती विद्या मंदिर के प्राचार्य अवनिकांत पाठक ने सभी टॉपर विद्यार्थियों का उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए संयुक्त रूप से कहा कि इस बार बालूमाथ प्रखंड में बेटियों ने बाजी मारी है लेकिन बेटे भी कम नहीं है।आगे शिक्षकों ने कहा कि बालूमाथ जैसे सुदूरवर्ती गांव मे भी कई पूनम कुमारी छुपी है जिनहें निकाले की अवश्यकता है। विद्यार्थियों के सफलता पर बालूमाथ के अभिभावक अपने आप में गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता सैयद नासिर हुसैन से रांची का प्रतिनिधिमंडल मिला

कहा, रांची सीट को होल्ड पर रखना और झारखंड में एक भी मुस्लिम उम्मीदवार नहीं देना निराशा जनक

वरीय संवाददाता ,रांची। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिका अर्जुन खड़गे के राजनीतिक सलाहकार सांसद सैयद नासिर हुसैन से रांची के होटल रेडिसन ब्लू में एक प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात हुई। जिसमें कांग्रेस लीडर मंजूर अहमद अंसारी, फुरकान अंसारी, खुर्शीद हसन रूमी आदि शामिल थे। जिसमें सीएलपी लीडर आलमगीर आलम, सुबोधकांत सहाय, विनय सिंन्हा दीपू, शांतनु मिश्रा, रियाज अंसारी, आदि शामिल थे। मंजूर अहमद अंसारी ने कहा कि झारखंड में 7 सीटों पर एक भी मुस्लिम उम्मीदवार नहीं देने से झारखंड के मुसलमान में काफी मायूसी है। और वह विकल्प की तलाश में है। अभी भी मौका है गोड्डा में 22 फीसद मुसलमान है। एक उम्मीदवार वहां से दिया जा सकता है। आप अपने आला कमान को झारखंड के मुसलमानो का संदेश दीजिए। और एक टिकट यहां से मुसलमान को देने का फैसला कराये। प्रतिनिधिमंडल ने इस बात पर भी अपनी नाराजगी जताई के रांची जैसे सीट को अभी तक होल्ड पर रखा गया है। जबकि दूसरे पार्टी जिससे हमको लड़ाई लड़नी है वह युद्ध स्तर पर वोटिंग का कम्पेन कर रहा है। मोदी को हटाने के लिए उक्त बातों पर आपको और आला कमान को संजीदगी से विचार करना चाहिए और फैसला जल्द से जल्द लेना चाहिए।

निर्वाचन कार्य मे लापरवाही व उदासीनता बरतने पर कड़ी कार्रवाई का निदेश

प्रतिनिधि,गढ़वा। समाहरणालय गढ़वा स्थित सभागार में आज जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त शेखर जमुआर के द्वारा लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के तहत गठित सभी कोषांगों द्वारा किये जा रहे कार्यों एवं अबतक की गई कार्रवाईयों के निमित कार्यों की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा लोकसभा आम निर्वाचन 2024 को लेकर गठित सभी कोषांगो के नोडल पदाधिकारियों से एक-एक कर उनके सेल अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली गई। इनमें मुख्य रूप से पर्सोनेल सेल, कंप्यूटराइजेशन सेल, इलेक्टोरल सेल एवं श्रद्धरू मैनेजमेंट सेल, ट्रेनिंग सेल, स्वष्ट, लॉ एंड ऑर्डर सेल, कंप्लेन मॉनिटरिंग सेल, इलेक्शन एक्सपेंडिचर मॉनिटरिंग सेल, स्वीप सेल, आईटी सेल, पोस्टल बैलट, श्वष्ठष्ट सेल, मीडिया एवं पब्लिसिटी सेल, मेटेरियल

डिस्ट्रीब्यूशन सेल, कंट्रोल रूम एवं हॉटलाइन सेल, ऑब्जर्वर सेल, ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सेल, स्ट्रॉन्ग रूम सेल, एसएमएस मॉनिटरिंग एवं कम्यूनिकेशन प्लान सेल, जिला डॉक्यूमेंटेशन सेल, नॉमिनेशन एवं रिसीविंग सेल, एमसीएमसी सेल, वेलफेयर सेल एवं डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन सेल की बारी-बारी कर बिंदुवार समीक्षा की गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने उक्त कोषांगों के संबंधित नोडल ऑफिसर से किए जा रहे कार्यों की जानकारी लिया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा जारी सभी एसओपी का अनिवार्य रूप से सभी कोषांग के नोडल पदाधिकारी एवं अपने अधीनस्थ पदाधिकारी/कर्मियों को अनुपालन कराना सुनिश्चित करें। साथ ही सभी को सक्रिय भूमिका निभाते हुए सभी निर्देशों का अनुपालन करना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। चुनाव कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही न बरतने की बात कही गई। चुनाव कार्य मे लापरवाही बरतने वाले पदाधिकारियों/कर्मियों पर उचित कार्रवाई करने की बात कही गई। मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर भी जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा स्वीप नोडल पदाधिकारी को स्वीप एक्टिविटी के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कराने हेतु निदेशित किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा जिले के विभिन्न स्थानों पर बैनर-पोस्टर आदि के माध्यम से भी अधिक से अधिक मतदाताओं को जागरूक करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि अधिक से अधिक जिले के सभी योग्य मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें, जिससे जिले के मतदान प्रतिशत को बढ़ाया जा सके। इसके अलावा स्वष्ट घोषणा के बाद से अब तक की गई कार्रवाईयों की भी जानकारी ली गई एवं एफ0एस0टी /एस0एस0टी/वीश्एसश्टीश्/वीश्वीश्टीश्ट टीम को सक्रिय होकर कार्य करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गये। ष्ट-1द्वद्वद्वद्य एप्प के माध्यम से प्राप्त शिकायत के निष्पादन की भी जानकारी ली गई। सभी कार्यालय प्रधान को 12डी फार्म से संबंधित प्रतिवेदन दो दिनों के अंदर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। वाहनों की पर्याप्त व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त की गई, इंटर स्टेट बॉर्डर निगरानी कार्य की समीक्षा की गई एवं जिला अंतर्गत 80त्न से ऊपर मतदान कराने पर जोर दिया गया। इस बैठक में मुख्य रूप से उप विकास आयुक्त पशुपति नाथ मिश्रा, अपर समाहर्ता मतियश विजय टोप्पो, अनुमंडल पदाधिकारी गढ़वा विजय कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी श्री बंशीधर नगर प्रभाकर मिर्धा, सिविल सर्जन डॉश्श अशोक कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी सुशील कुमार राय, गोपनीय प्रभारी-सह-भू अर्जन पदाधिकारी संजय प्रसाद, जिला परिवहन पदाधिकारी धीरज प्रकाश, जिला पंचायती राज पदाधिकारी-सह-स्वीप नोडल प्रमेश कुशवाहा, जिला योजना पदाधिकारी-सह-जिला जन संपर्क पदाधिकारी संजीव कुमार सिंह, जिला शिक्षा पदाधिकारी आकाश कुमार, जिला नियोजन पदाधिकारी नीरज कुमार समेत विभिन्न कोषांगों के नोडल पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी, कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

तीसरे दिन नमक सत्याग्रह गौरव यात्रा समिति का क्रमिक अन्न सत्याग्रह जारी

गढ़पुरा, एजेंसी। गढ़पुरा नमक सत्याग्रह स्थल पर पदयात्रियों के क्रमिक अन्न सत्याग्रह तीसरे दिन शुक्रवार को भी जारी रहा। निर्धारित समय के अनुसार कार्यक्रम में उपस्थित संस्था के संस्थापक सह राष्ट्रीय महासचिव राजीव कुमार ने बताया कि श्री बाबू की कर्मभूमि की उपेक्षा को लेकर प्रति वर्ष प्रखंड से लेकर जिला तक स्मारपत्र दिया जाता रहा है। बावजूद यह ऐतिहासिक धरोहर अपेक्षित पड़ा है। आज तक एक इंच जमीन अधिग्रहण नहीं किया जा सका है। ठेकेदार के द्वारा अवैध तरीके से दान में मिले जमीन के एक टुकडे पर ही त्रुटिपूर्ण भवन बना दिया गया। उन्होंने कहा कि बिहार केसरी की कर्मभूमि-गढ़पुरा के ऐतिहासिक नमक सत्याग्रह स्थल के विकास में हो रहे व्यवधान पर बेगूसराय जिले के जनप्रतिनिधियों व राजनीतिक दलों के नेताओं की चुप्पी आश्चर्यजनक और चिन्ता जनक है। आश्चर्यजनक तो यह है कि इतना होने के बाबजूद इस पावन व ऐतिहासिक महत्व के स्थान को उचित सम्मान और पहचान नहीं है। इस स्थल की उपेक्षा सामाजिक स्तर पर कुठाराघात है। आगे कहा कि बिहार के दांडी पर प्रस्तावित नमक सत्याग्रह स्मारक को मुख्यमंत्री के द्वारा किये गए शिलान्यास, नक्शा और डिजाइन के अनुसार फिर उससे और बेहतर रूप से निर्मित किया जाना चाहिए। मौके पर संस्था के उपाध्यक्ष अर्जुन प्रसाद सिंह, विनोद यादव, राजेश यादव, सुरेश पासवान, संगीता देवी, विभा देवी आदि उपस्थित थे।

सुल्तानगंज स्टेशन का एडीआरएम ने लिया जायजा

भागलपुर/सुल्तानगंज, एजेंसी। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत सुल्तानगंज रेलवे स्टेशन पर चल रहे कार्यों का निरीक्षण शुक्रवार को मालदा मंडल के एडीआरएम शिव कुमार सहित साथ चल रहे डीईएन गति शक्ति यूनिट, पंकज कुमार सहित डिविजनल स्तर के कई अधिकारी ने किया। इस दौरान स्टेशन अधिक्षक गिरिश प्रसाद सिंह मौजूद थे। इन अधिकारियों ने अमृत सुल्तानगंज स्टेशन के सौदर्यीकरण व यात्री सुविधा को लेकर स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। कहा गया कि हर हाल में श्रावणी मेला के पूर्व कार्य पूरा कर लिया जाये। वहीं बढ़ती गर्मी को लेकर स्टेशन पर चार वाटर कूलर लगाने का भी निर्देश दिया गया। इस दौरान प्लेटफार्म संख्या 1 से 4 तक जाने के लिए 12 मीटर चौड़ा फुट ओवर ब्रिज भी बनकर तैयार हो जाएगा।

डिप्टी सीएम का हेलीकॉप्टर उतरा सुल्तानगंज

भागलपुर/सुल्तानगंज, एजेंसी। उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का हेलीकॉप्टर शुक्रवार सुबह कृष्णानंद स्टेडियम सुल्तानगंज में उतरा। यहां से अधिकारी उन्हें कड़ी सुरक्षा के बीच लखनपुर स्थित मतदान केंद्र ले गए। जहां डिप्टी सीएम ने अपना मतदान किया तथा वापस सुल्तानगंज पहुंच हेलीकॉप्टर से गंतव्य की ओर प्रस्थान कर गए। मौके पर उपस्थित नगर परिषद के मुख्य पार्षद बांका लोकसभा कोर कमेटी के सदस्य राजकुमार गुड्डू, नगर अध्यक्ष नवीन कुमार बन्नी, मंडल अध्यक्ष संजय कुमार चौधरी, वरीय भाजपा नेता अरुण कुमार चौधरी, विकास कर्ण इत्यादि ने उनका स्वागत बुके और अंगवस्त्र देकर किया। सभापति ने बताया कि हेलीपैड स्थल पर उपस्थित कार्यकर्ता से मिलने के दौरान उन्होंने कहा कि 40 में से 40 सीट लाकर बिहार की जनता मोदीजी का हाथ मजबूत करेंगी। मतदाताओं पर मुझे पूर्ण भरोसा है। चुनाव के बाद सुल्तानगंज आने का आश्वासन दिया।

दहेज देने जा रहे पिता को अपराधियों ने मारी गोली

सीतामढ़ी, एजेंसी। सीतामढ़ी में दहेज का रुपया देने जा रहे पिता को अपराधियों ने गोली मार कर एक लाख रुपए लूट लिया। घटना मेजरगंज थाना क्षेत्र के सोनौल महादेव पावर सब स्टेशन के पास की बताई जा रही है। घायल की पहचान नेपाल के सरलाही जिला निवासी प्रमोद महतो के रूप में किया गया है। फिलहाल घायल का इलाज शहर के निजी अस्पताल में चल रहा है। है।

भोजपुर में सड़क हादसे में जीजा-साले की मौत, 2 गंभीर एक बाइक से तिलक में जा रहे थे चारों; गाड़ी ने रौंदा

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर में शुक्रवार की देर रात सड़क हादसे में जीजा-साले की मौत हो गई। एक बाइक पर इन दोनों के साथ-साथ गांव के ही दो और युवक तिलक में जा रहे थे। इसी दौरान आरा-छपरा फोरलेन में अज्ञात गाड़ी ने रौंद दिया। हादसे में चचेरे जीजा-साले की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दो बुरी तरह से जख्मी हो गए। दोनों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल ले जाया गया। जहां से पटना रेफर कर दिया गया। घटना आरा-छपरा फोरलेन कोईलवर थाना क्षेत्र के दौलतपुर बोरिंग के पास की है।

जीजा की उम्र 21 साल, 19 का था साला

मृतकों में पटना के मनेर थाना क्षेत्र पूर्वी सुअर मरवा गांव निवासी विजय महतो के बेटे देवचंद महतो (21) और कोईलवर थाना क्षेत्र के पचरुखिया कला गांव निवासी छोटाई बिन के बेटे रवि कुमार (19) हैं। दोनों आपस में चचेरे जीजा-साले हैं। जबकि जख्मियों में पचरुखियां कला गांव निवासी स्व. सकल दीप महतो का बेटा विकास कुमार (20) और पटना के हाजीपुर गांव निवासी मोतीलाल महतो का बेटा बबलू कुमार (18) है।

ग्रामीणों ने परिजनों को सूचना दी

हादसे में देवचंद महतो और रवि कुमार की मौके पर मौत हो गई। जबकि दो लोग बुरी तरह जख्मी हैं। घटना के बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना परिजनों को दी। परिजन मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने शवों को अपने कब्जे में लेकर आरा सदर अस्पताल में पोस्टमॉर्टम करवाया। देवचंद की पत्नी पूनम देवी और एक बेटी शिवानी कुमारी है।

तिलक में शामिल होने के लिए ससुराल आया था

मृतक रवि के परिजन उपेंद्र ने बताया कि पचरुखिया कला गांव निवासी साहानंद की बेटी का तिलक बड़हरा थाना क्षेत्र के चितनी के बाग गया हुआ था। इसी तिलक समारोह में जाने के लिए देवचंद महतो अपने ससुराल पचरुखिया कला आया हुआ था। शुक्रवार की देर शाम एक बाइक पर देवचंद महतो, रवि कुमार, विकास कुमार और बबलू कुमार सवार होकर तिलक में शामिल होने के लिए जा रहे थे। इसी बीच दौलतपुर बोरिंग और हरंगी टोला के पास किसी अज्ञात वाहन ने रौंद दिया।

ट्रेन के चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत

भागलपुर/सुल्तानगंज, एजेंसी। सुल्तानगंज-भागलपुर रेलखंड पर महेशी रेलवे स्टेशन के पास पोल संख्या 323/7 के समीप डाउन लाइन पर मालगाड़ी की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान पुरानी मोतीचक निवासी 30 वर्षीय संजय कुमार मंडल के रूप में हुई है। शुक्रवार की दोपहर घटी घटना की जानकारी सुल्तानगंज थाना की पुलिस जीआरपी को सूचना दी। जीआरपी ने क्षत-विक्षत शव को कब्जे में लिया। घटना के संबंध में मृतक के भाई जलधर मंडल ने बताया कि भाई संजय मंडल महेशी से ट्रेन से भागलपुर जाने के लिए महेशी स्टेशन आया था। वो कम सुनता था। मालगाड़ी की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के संबंध में चर्चा का बाजार गर्म है।

केके पाठक की बड़ी कार्रवाई, समस्तीपुर समेत बिहार भर के 67 बीईओ की सैलरी बंद करने का दिया आदेश

पटना, एजेंसी। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक ने राज्य के 25 जिलों के 67 प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों (बीईओ) का वेतन भुगतान बंद करने का आदेश दिया है। इसको लेकर विभाग ने संबंधित जिला शिक्षा पदाधिकारियों को शुक्रवार को पत्र भेजा है। विभाग ने कहा है तत्काल इनका वेतन बंद करते हुए स्पष्टीकरण पूछिए की कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का फोन ये क्यों नहीं रिसीव करते हैं। इन्हें बार-बार फोन करने पर भी ये पदाधिकारी बात नहीं करते हैं।

शिक्षा विभाग ने कहा है कि कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में आई शिकायतों के संबंध में फोन कर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों से जानकारी ली जाती है। इसी क्रम में कई पदाधिकारी फोन ही नहीं उठाते हैं। यह खेदजनक है।

विभाग ने कहा है कि अगर पहले से इनका वेतन बंद है तो इनके विरुद्ध आरोप पत्र गठित करें। अगर पहले से कोई निलंबित है या आरोप पत्र गठित है तो पूरक आरोप पत्र गठित करते हुए कठोर कार्रवाई की अनुशंसा करें। जिन जिलों के ये बीईओ हैं, उनमें अररिया, औरंगबाद, बांका, बेगूसराय, भागलपुर, भोजपुर, बक्सर, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, किशनगंज, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, नालंदा, पटना, पूर्णिया, रोहतास, सहरसा, समस्तीपुर, सारण, सीतामढ़ी, सीवान, शेखपुरा, सुपौल, वैशाली और पश्चिम चंपारण शामिल हैं।

आजसू ने कार्यालय कक्ष में किया ईद मिलन समारोह का आयोजन

प्रतिनिधि,पाकुड़। शहर के गांधी चौक स्थित आजसू पार्टी कार्यालय में ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया जहां सभी ने एक दूसरे को ईद की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर आने वाले लोक सभा चुनाव पर भी चर्चा की गई और आजसू पार्टी को मजबूत करने के लिए बूथ कमिटी बनाने पर जोर दिया गया एवं निर्णय लिया गया कि एनडीए की जीत के लिए गठबंधन यथा संभव मदद करेगी।मौके पर युवा नेता आफीफ अमसल, प्रधान सचिव मिथिलेश ठाकुर, प्रखंड अध्यक्ष रफीक अहमद, केंद्रीय समिति सदस्य अल्फ्रेड सोरेन, मनीष चौबे, मंजूर आलम, कमरूजमल, कमरूद्दीन, अब्दुल रसीद मोदासीर अली, प्रिंस, बादशाह शेख सहित दर्जनों व्यक्ति उपस्थित रहे।

गर्मी और लू के प्रकोप को देखते हुए जिले के सभी विद्यालयों का संचालन सुबह 7:00 से 11:30 बजे तक होगा - उपायुक्त

प्रतिनिधि,पाकुड़। सरकार के सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड सरकार राँची के पत्रांक 2378 दिनांक 30.05.2023 द्वारा सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के कक्षा संचालन हेतु आदर्श दिनचर्या लागू है। उक्त के आलोक में वर्तमान में विद्यालय का संचालन प्रातः 07ः00 बजे से अपराह?न 01ः00 बजे तक हो रहा है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने वर्तमान में भीषण गर्मी एवं लू के प्रकोप को देखते हुए छात्र हित में विद्यालय का संचालन के समय में बदलाव किया है। जिले के सभी सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त मदरसा, मान्यता प्राप्त / गैर मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों का संचालन पूर्वाहन 7ः00 बजे से 11.30 बजे तक होगा। इस श्रेणी के विद्यालय प्रबंधन समिति, विद्यालय प्रारंभ करने के समय को निर्धारित करने के लिए स्वतंत्र होंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक के लिए लागू होगा।

नामांकन के आखिरी दिन 19 लोगों ने दाखिल किया पर्चा

13 निर्दलीय उम्मीदवार ने पेश की दावे दारी, जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने दी जानकारी

अररिया, एजेंसी। अररिया लोकसभा सीट के लिए अंतिम दिन तक कुल 19 प्रत्याशी ने नामांकन पर्चा दाखिल किया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी इनायत खान ने प्रेस रिलीज जारी कर बताया कि 19 अप्रैल को नाम निर्देशन व नामांकन का अंतिम दिन था। इस दौरान कुल 19 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है। इसमें बहुजन समाज पार्टी से मो गौसुल आजम, बहुजन मुक्ति पार्टी से साईस्ता परवीन, एनआरएमपी-आई से जावेद अख्तर, पीस पार्टी से सैयाद आलम, सर्व समाज जनता पार्टी से मोहम्मद मिनहाज आलम और जागरूक जनता पार्टी से आशीष कुमार भारद्वाज ने पर्चा दाखिल किया है। इसके साथ ही निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मोहम्मद शाहजहां शाद, मो परवेज आलम, शत्रुघ्न प्रसाद सुमन, राजेंद्र बेंगवानी, मो गफुर, शोएब आलम, प्रदीप कुमार कमल, फूलचंद पासवान, राम सहाय मेहता, दिनेश प्रसाद साह, मो मोबिनुल हक, समीर कुमार झा, इजहार आलम ने नामांकन दाखिल किया है। बता दे कि 20 अप्रैल को सभी दाखिल नामों की समीक्षा होगी और 22 अप्रैल तक उम्मीदवार अपना नामांकन वापस ले सकते है। इसके अलावा अररिया लोकसभा क्षेत्र से एक महिला उम्मीदवार ने पर्चा दाखिल किया है, वह बहुजन मुक्ति पार्टी से आती है।

नालंदा में 21-22 अप्रैल को होगा कुंडलपुर महोत्सव: बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अरलेकर करेंगे उद्घाटन

शाम में होगा सांस्कृतिक कार्यक्रम

नालंदा, एजेंसी। भगवान महावीर की जन्मस्थली कुंडलपुर में कुंडलपुर महोत्सव का आयोजन 21 और 22 अप्रैल को मनाया जाएगा। बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर इस महोत्सव के मुख्य अतिथि होंगे।

कुंडलपुर के मंत्री विजय कुमार जैन ने बताया कि भगवान महावीर की 2623वीं जन्म जयंती का समारोह मनाने के लिए हम सभी लोग यहां एकत्रित हुए हैं। हम सभी लोग 21 और 22 अप्रैल को यह महोत्सव मना रहे हैं। जिसमें हर बार की तरह सुबह झंडारोहण के साथ रथ यात्रा का आयोजन करते हैं।

जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से जैन श्रद्धालु पधारते हैं। मुख्य मंदिर में विराजमान भगवान महावीर की पंचामृत से महा मस्तीका अभिषेक करेंगे। 21 तारीख की शाम में बिहार के राज्यपाल दीप प्रज्ज्वलित कर कुंडलपुर महोत्सव का उद्घाटन करेंगे। महोत्सव में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन होगा। कलाकारों द्वारा भगवान महावीर के जन्म से लेकर मोक्ष तक के यात्रा को दिखाएंगे। दूसरे दिन 22 अप्रैल को नित्य अभिषेक पूजन, विश्व शांति महावीर मंडल विधान और संध्या में जैन भजन गायक नवीन पांडया की प्रस्तुति नालंदा संगीत कला विकास संस्थान की होगी। जिलाधिकारी ने कुंडलपुर महोत्सव के सफल आयोजन के लिए पदाधिकारी को साफ सफाई, विधि व्यवस्था, यातायात सुविधा, लाइटिंग, सांस्कृतिक कार्यक्रम, रंगोली, पेंटिंग प्रतियोगिता, पेय जल, शौचालय, प्रचार प्रसार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का स समय निर्देश दिया है। साथ ही उन्होंने कहा है कि आदर्श आचार संहिता के देखते हुए कोई भी कार्यक्रम राजनीतिक दलों और पार्टियों से संबंधित न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

संपत्ति के बंटवारे को लेकर मां-बेटे की पिटाई

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के चांदी थाना क्षेत्र के विशनपुर गांव में संपत्ति बंटवारे के विवाद को लेकर दो बेटों ने पिता के साथ मिलकर बुजुर्ग मां और भाई की लाठी डंडे से पिटाई कर दी। मारपीट की घटना में दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। चौथे बेटे की मदद से इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां दोनों का इलाज कराया जा रहा है। जख्मियों में चांदी थाना क्षेत्र के विशनपुर गांव निवासी शिवजी यादव की 58 वर्षीय पत्नी सेल देवी और उनका 23 वर्षीय से पुत्र प्रद्युमन कुमार शामिल है। इधर,जख्मी के भाई राम लखन ने बताया कि वह चार भाई हैं। जिसमें इंद्रजीत और अमर आजाद की शादी हो चुकी है। जबकि दो भाइयों की शादी अभी बाकी है। इंद्रजीत और अमर आजाद अपने पिता के साथ मिलकर करीब 6 महीना से संपत्ति बंटवारे को लेकर झगड़ा कर रहे हैं।

मामला शांत होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया :जब मेरी मां शैल देवी ने कहा कि अभी हमारे दो बेटों की शादी होनी बाकी है, तो पहले संपत्ति और जमीन क्यों बांट दे। इसी बात को लेकर गुस्से में जाकर उनके पति ने अपने दोनों बेटों के साथ मिलकर पहले सेल देवी की जमकर पिटाई की। इसके बाद प्रद्युमन की भी लातङ्घुसे और डंडे से पिटाई कर दी। मामला शांत होने के बाद मां और भाई को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लेकर आए।

संक्षिप्त समाचार

198 सर्विस मतदाता, पोस्टल बैलेट से हुआ मतदान

गाजियाबाद। जिले में अभी तक हुए मतदान में कुल 198 सर्विस मतदाता और पोस्ट बैलेट से वोट देने वाले मतदाताओं ने मतदान किया है। इसके अलावा घर-घर जाकर वोट कराने वालों में दो दिनों में कुल 285 लोगों ने मतदान किया है। बैलेट पेपर से वोट देने वालों में सबसे अधिक मोदीनगर में मतदान हुआ है।

पोस्टल बैलेट प्रभारी शैलेंद्र कुमार भाटिया ने बताया कि जिन अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी चुनाव में लगाई गई है, वह 21 अप्रैल तक वोट दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि मतदान में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों के अलावा पुलिसकर्मी, होमगार्ड, पीएसी, चुनाव में लगे वाहन के ड्राइवर, कंडक्टर, क्लीनर, चुनाव ड्यूटी में लगे हैं और वह मतदानकर्मी जिनकी ड्यूटी गाजियाबाद लोकसभा क्षेत्र के बाहर लगी हुई है, वह बैलेट पेपर के जरिये मतदान कर सकते हैं। इसके अलावा ऐसे मतदान कर्मी जिनकी ड्यूटी गाजियाबाद लोकसभा में लगी है और वह यहीं के मतदाता हैं, उनके लिए चुनाव ड्यूटी प्रमाणपत्र (ईडीसी) जारी किए जा रहे हैं। वह इसके जरिये जिस मतदान बूथ पर ड्यूटी लगी होगी, वहीं अपना वोट दे सकेंगे।

यहां करें मतदान- आईटीएस कॉलेज मोहननगर और कलक्ट्रेट में स्थापित फेसिलिटेशन सेंटर पोस्टल बैलेट से मतदान कर सकते हैं। कर्मियों के लिए यहीं पर ईडीसी जारी करने की सुविधा दी गई है। यहां भी रेलवे, डाक विभाग, स्वास्थ्य, यातायात, मेट्रो, बिजली विभाग, मीडियाकर्मी 12-डी फार्म भरकर संबंधित विभाग के नोडल अधिकारी को प्रस्तुत करें। उनके प्रमाणीकरण के बाद यहां पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान कर सकेंगे।

दोस्त ने 2.11 लाख रुपये उधार लेकर हड़पे

गाजियाबाद। नंदग्राम के सुभाषनगर के रहने वाले महेश सिसौदिया ने अपने दोस्त प्रशांत तोमर पर 2.11 लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाया है। आरोप है कि प्रशांत ने उनसे 2.20 लाख रुपये उधार लिए जिसमें से नौ हजार रुपये लौटा दिए। अब बाकी रकम नहीं लौटा रहा है। मामले में महेश ने नंदग्राम थाने में प्रशांत और वर्षा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। महेश का कहना है कि प्रशांत ने बाकी रकम को जल्द लौटाने का वादा किया इसके बाद उसने चेक भी दिया। उन्होंने चेक बैंक खाते में लगाया और वह पर्याप्त रकम खाते में नहीं होने कारण वापस हो गया। एसीपी नंदग्राम का कहना है कि मामले में जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

फंदे से लटका मिला महिला का शव

लोनी। ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र के दौलतनगर कॉलोनी में बृहस्पतिवार दोपहर एक महिला का शव उसके कमरे में फंदे से लटका मिला। ससुराल पक्ष ने पुलिस को मामले की जानकारी दी। सूचना पर पहुंचे मायके पक्ष ने ससुराल पक्ष पर घटना को अंजाम देने का आरोप लगाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। दोनों पक्षों में पूर्व से विवाद चल रहा है।

दौलतनगर कॉलोनी में शाहरुख परिवार के साथ रहते हैं। वह एक फैक्टरी में काम करते हैं। एसीपी सूर्य बली मौर्य ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली की शाहरुख की पत्नी नजराना (22) ने अपने कमरे में फंदा लगा लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पूछताछ की। ससुराल पक्ष ने बताया कि घर के नीचे वाली मंजिल में शाहरुख की मां और उसका भाई रहता है। ऊपर वाली मंजिल में शाहरुख और नजराना रहती थी। पूर्व में नजराना और शाहरुख के बीच विवाद हो गया था। शादी के कुछ समय बाद नजराना अपने मायके चली गई थी। इसके बाद दोनों पक्षों में समझौता हुआ और नजराना अपने ससुराल आकर रहने लगी। बृहस्पतिवार को शाहरुख की मां और उसका भाई फैक्टरी चला गया था। शाहरुख भी अपनी फैक्टरी चला गया था। शाम के समय जब वह घर पहुंचा तो ऊपर वाली मंजिल का कमरा अंदर से बंद था। शाहरुख किसी तरह कमरे में पहुंचा तो उसकी पत्नी नजराना का शव फंदे से लटका मिला। एसीपी ने बताया कि परिजनों ने ससुराल पक्ष पर घटना को अंजाम देने का आरोप लगाया है। तहरीर आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व मंत्री के नाती पर घोषित होगा इनाम...

दबिश दे रही पुलिस, युवती और उसके पिता पर चढ़ा दी थी कार

आगरा, एजेंसी। आगरा में जानलेवा हमले के मुकदमे में फरार पूर्व मंत्री चौधरी उदयभान सिंह का नाती दिव्यांश चौधरी पांच दिन बाद भी पुलिस की गिरफ्त से दूर है। इससे पीड़ित परिवार में आक्रोश है। उधर, मामला लखनऊ तक पहुंच गया है। पूरे मामले की जानकारी मांगी गई है। इस पर पुलिस ने दबिश तेज कर दी हैं। डीसीपी सिटी ने थाना शाहगंज से इनाम घोषित करने के लिए रिपोर्ट मांगी है। रिपोर्ट मिलते ही आरोपी पर 10 हजार का इनाम घोषित कर दिया जाएगा।

15 अप्रैल की रात को ऋषि मार्ग (शाहगंज) पर घटना हुई थी। जूता कारोबारी की बेटी लखनऊ से घर लौट रही थी। कारोबारी उसे स्टेशन से लेकर आए थे, तभी उन्हें कार से कुचलने का प्रयास हुआ था। इसका आरोप दिव्यांश चौधरी पर है। वह पूर्व मंत्री का नाती है। परिजनों ने आरोप लगाया था कि पुलिस पूर्व मंत्री के दबाव में है। फरवरी में भी उसने धमकी दी थी। तब मुकदमा दर्ज कराया, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इस बार भी कार्रवाई नहीं होगी। परिजन ने हंगामा किया था। जाम लगाया था। मामले में जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज हुआ।

पीड़ित जूता कारोबारी का कहना है कि घटना को 5 दिन बीत चुके हैं। मगर, आरोपी पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी है। बस यही कहा जा रहा है कि दबिश दे रहे हैं। आम मामलों में तत्परता दिखाते हुए कार्रवाई करने वाली पुलिस पूर्व मंत्री पर हाथ डालने से डर रही है। परिवार दहशत में है। उसे सुरक्षा तक नहीं दी गई है। इस कारण वह घर में कैद हो गए हैं। डर लग रहा है कि पूर्व मंत्री का नाती उनके साथ कोई वारदात न कर दे।

दोस्तों के मोबाइल बंद, परिचित फरार- पूरे मामले की गूंज लखनऊ तक है। इस कारण अधिकारियों से जानकारी मांगी गई है। पुलिस ने भी आरोपी के पश्चिमपुरी और लोहामंडी क्षेत्र स्थित घरों पर दबिश दी, लेकिन वो नहीं मिला। वहीं दोस्तों और परिचितों के बारे में जानकारी जुटाई। 4 दोस्तों ने अपने मोबाइल बंद कर लिए हैं। पुलिस परिचितों के घर भी पहुंची है। मगर, कई परिचित भी पुलिस के सामने नहीं आ रहे हैं। आरोपी दिव्यांश के बारे में कुछ पता नहीं चल सका है।

सीसीटीवी कैमरे में कैद है घटना- डीसीपी सिटी सूरज राय ने बताया कि पुलिस टीम को आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगाया गया है। घरवालों को नोटिस भी दिया गया है। थाना शाहगंज से इनाम घोषित करने को लेकर रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट मिलने पर इनाम घोषित कर दिया जाएगा। उधर, सीसीटीवी कैमरे में घटना कैद हुई थी। इससे आरोपी को राहत नहीं मिलने वाली। आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस जेल भेजेगी।

पूर्व मंत्री की पुत्रवधू पर दर्ज केस में लगाई थी फाइनल रिपोर्ट

पूर्व मंत्री के नाती दिव्यांश चौधरी के खिलाफ कार्रवाई करने में पुलिस पर लापरवाही के आरोप लगे हैं। मगर, यह पहला मामला नहीं है, जब पूर्व मंत्री के परिवार के व्यक्ति पर मुकदमा दर्ज हुआ। 4 साल पहले उनकी पुत्रवधू के खिलाफ आत्महत्या के लिए विवश करने की धारा में मुकदमा दर्ज हुआ था। मगर, पुलिस ने विवेचना के 12 महीने बाद फाइनल रिपोर्ट लगा दी थी।

मामला अप्रैल 2020 का है। तब कोरोना संक्रमण की वजह से लॉकडाउन लगा हुआ था। उस समय चौधरी उदयभान सिंह राज्य मंत्री थे। उनके दिवंगत पुत्र मंजीत की पत्नी सीमा चौधरी के सिकंदरा के कारगिल पेट्रोल पंप चौराहा स्थित शांति फूड कोर्ट रेस्टोरेंट में शिलांग निवासी एल्ड्रिन लिंगदोह नौकरी करता था। उसने रेस्टोरेंट में आत्महत्या कर ली थी।

सुसाइड नोट अपने रिश्तेदार को व्हाट्सएप पर भेजा था। अंग्रेजी में लिखा नोट रिश्तेदारों ने मेघालय की तत्कालीन एडीजी कानून व्यवस्था ईडा शीशा को भेजा था। उन्होंने तत्कालीन एडीजी अजय आनंद को जानकारी दी थी। इसके बाद पुलिस रेस्टोरेंट पहुंची थी। एल्ड्रिन का शव फंदे पर लटका मिला था। कर्मचारी ने सीमा को आत्महत्या के लिए जिम्मेदारी ठहराया था। वह थाना शाहगंज में दर्ज जानलेवा हमले के मामले में आरोपी दिव्यांश की मां हैं। वह पिता के घर में रह रहीं थीं।

उधर, सीमा चौधरी ने तर्क दिया था कि कर्मचारी को नौकरी से निकाल दिया था। इसके बावजूद यहां पर आया था। वह सीढ़ी लगाकर रेस्टोरेंट में घुस गया। मामले में आत्महत्या के लिए विवश करने की धारा में मुकदमा दर्ज हुआ। पुलिस ने एक साल तक विवेचना के बाद फाइनल रिपोर्ट लगा दी थी।

बाह में मिला युवक का शव...तीन घंटे तक नहीं पहुंची पुलिस; आक्रोशित भीड़ ने हाईवे किया जाम, आश्वासन पर मानें

आगरा , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के आगरा में शुक्रवार की सुबह हाईवे किनारे युवक का शव पड़ा मिला। लोगों ने देखा तो पुलिस को जानकारी दी। खबर मिली तो घर में चीख पुकार मच गई। रोते-बिलखते घरवाले भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने रंजिश में हत्या करने की बात कही। सूचना के करीब तीन घंटे बाद तक पुलिस के न पहुंचने से आक्रोशित लोगों ने हाईवे जाम कर दिया।

घटना बाह थाना क्षेत्र के आगरा-इटावा स्टेट हाईवे की है। थाना क्षेत्र के ही भाऊपुरा गांव निवासी राम प्रकाश के बेटे सुनील कुमार (28) का शव हाईवे किनारे पड़ी मिली। सुबह 6 बजे करीब उधर से गुजर रहे लोगों ने देखा तो आसपास के लोगों को बताया। खबर फैली तो मौके पर लोगों की भीड़ लग गई।

स्टेट हाईवे कर दिया जाम- सूचना पर परिजन और गांव के लोग पहुंच गए। घरवालों ने रंजिश में हत्या करने की बात कही। खबर देने के तीन घंटे तक पुलिस नहीं पहुंची। इससे लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने स्टेट हाईवे जाम कर दिया। इससे दोनों ओर वाहनों की कई किमी लंबी कतार लग गई। स्टेट हाईवे के जाम की खबर मिली तो पुलिस पहुंची। मामला संभलता न देख कई थानों की फोर्स को बुलाना पड़ा। करीब दो घंटे के जाम के बाद कार्रवाई के आश्वासन पर लोग मानें। इसके बाद पुलिस ने गाड़ियों को निकलवाया। तब यातायात सुचारू हो पाया।

रंजिश में की गई हत्या- परिजन ने बताया कि सुनील की शादी हो चुकी थी। पत्नी राखी और दो बेटे, एक बेटी हैं। लाश देखकर पत्नी बेसुध हो गई। उन्होंने बताया कि कुछ वर्ष पहले मारपीट की घटना हुई थी। उसी रंजिश में बेटे की हत्या की गई है। प्रभारी निरीक्षक श्याम सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

मैनपुरी में भीषण सड़क हादसा: ट्रक ने ट्रैक्टर-ट्रॉली में मारी टक्कर, चार महिलाओं की मौत, 24 लोग घायल

मैनपुरी, एजेंसी। मैनपुरी के भोगांव में शनिवार सुबह भीषण सड़क हादसे में चार महिलाओं की मौत हो गई, जबकि 24 लोगों के घायल होने की सूचना है। बताया गया है कि ट्रक ने सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर-ट्रॉली में टक्कर मार दी। ट्रॉली में महिलाएं और पुरुष सवार थे जो नामकरण संस्कार से शामिल होकर लौट रहे थे। रास्ते में ये हादसा हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा है।

नामकरण संस्कार से लौट रहे थे सभी- कन्नौज के थाना छिबरामऊ क्षेत्र में स्थित गांव कुंवरपुर निवासी वीरेंद्र सिंह की पुत्री की थाना बिछवां के गांव बेलधारा में शादी हुई है। उनकी पुत्री ने 10 दिन पहले पुत्र को जन्म दिया था। शुक्रवार को उसका नामकरण संस्कार था। वीरेंद्र सिंह अपने परिवारीजनों के साथ ट्रैक्टर ट्रॉली से गांव बेलधारा गए थे। शनिवार सुबह करीब साढ़े चार बजे सभी लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली में बैठकर वापस घर लौट रहे थे। भोगांव क्षेत्र में द्वारकापुर के पास ट्रैक्टर की लाइट खराब हो गई।

इस तरह हुआ हादसा- चालक ने ट्रैक्टर को सड़क किनारे खड़ा कर दिया और लाइट की मरम्मत करने लगा। तभी पीछे से आ रहे ट्रक ने ट्रॉली में टक्कर मार दी, जिससे ट्रॉली पलट गई। ट्रॉली में बैठी फूलमती पत्नी अवधेश, रमाकांति पत्नी दफेदार, संजय देवी पत्नी राजेश की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 25 लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां द्रोपदी देवी पत्नी विशुन दयाल ने भी दम तोड़ दिया। सभी मृतक और घायल गांव कुंवरपुर छिबरामऊ के निवासी हैं।

सुस्त कार्य संस्कृति से जिला अदालतें खो रहीं आमजन का भरोसा, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने की तल्ख टिप्पणी

प्रयागराज , एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जिला अदालतों की सुस्त कार्य संस्कृति पर तल्ख टिप्पणी की है। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर की एकल पीठ ने कहा, सुस्त कार्य संस्कृति से जिला अदालतों के प्रति आम लोगों का भरोसा कमजोर हो रहा है। कोर्ट ने कहा, लोग न्याय की तलाश में थाना-पुलिस और थकने के बाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा रहे, लेकिन सक्षम न्यायालय की शरण में जाने से कतरा रहे हैं। यह स्थिति खतरनाक है।

यह टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने कानपुर नगर की मायादेवी की जमीन पर कब्जा दिलाने की मांग वाली याचिका पोषणीयता के आधार पर खारिज कर दी। स्पष्ट किया, अनुच्छेद 226 के अंतर्गत हाईकोर्ट का काम जमीन का कब्जा दिलाना नहीं है, ऐसे विवादों के निपटारे का काम सिविल कोर्ट का है। सक्षम न्यायालय की उपेक्षा करने वाले पक्षकार की भावना कितनी भी मजबूत क्यों न हो, वह राहत का हकदार नहीं हो सकता। यह अदालत की अवमानना भी है।

हालांकि यह भी सच्चाई है कि जिला अदालतों की सुस्त कार्य संस्कृति ने लोगों के मन ने अदालतों के प्रति निराशा पैदा कर दी है। लोग चाहते हुए भी सक्षम अदालतों की शरण लेने से बच रहे हैं। यह हालात चिंताजनक होने के साथ विचारणीय भी है।

कोर्ट ने कहा, अक्सर देखा गया है कि एक पक्ष को राहत देने या राहत से इन्कार करने पर न्यायिक अधिकारियों को प्रशासनिक स्तर पर होने वाली शिकायतों का सामना करना पड़ता है। उन्हें यह डर भी सताता है कि कहीं उनका आदेश उच्च अदालत से पलट न दिया जाए। नतीजतन, न्यायाधीश के लिए अपने अधिकार क्षेत्र का स्वतंत्र रूप से प्रयोग करना मुश्किल हो गया है।

खरीदी गई भूमि पर कब्जे की मांग

कानपुर नगर के मामले में माया देवी के पति पीएसी लखनऊ में आरक्षी हैं। 15 फरवरी 2021 को घाटमपुर तहसील के गुच्चुपुर गांव में उन्होंने वीर बहादुर सिंह से 0.7460 हेक्टेयर जमीन का पंजीकृत बैनामा करवाया। बाद में दाखिल खारिज भी करा लिया।

याची का कहना था कि 21 मई 2022 को जब वह अपनी जमीन का कब्जा लेने पहुंचीं तो भूमि विक्रेता ने कब्जा न देकर,गाली गलौज और फिर मारपीट भी की। उन्होंने एफआईआर दर्ज कराते हुए न्याय पाने के लिए एसडीएम, डीएम और कमिश्नर के कार्यालय के चक्कर काटे। पति के कमांडेंट को भी पत्र लिखा, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। विवश होकर उन्होंने खरीदी गई जमीन पर पर कब्जा दिलाने और दोषियों के खिलाफ कारवाई की मांग करते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

सुस्ती के लिए वकील भी जिम्मेदार

कोर्ट ने अदालतों की सुस्त कार्य प्रणाली के लिए वकीलों को भी जिम्मेदार ठहराया। कहा, जिला अदालत में आए दिन होने वाली हड़ताल और सीट पर बैठ कर तारीख पर तारीख लेने की संस्कृति भी मुकदमों के त्वरित निस्तारण में बाधक है। इससे लोग विवादों के त्वरित निस्तारण के लिए सक्षम जिला अदालतों का विकल्प खोजते-खोजते, अधिकारियों और पुलिस थानों के चक्कर काटते हैं। फिर थककर हाईकोर्ट का रुख कर लेते हैं।

सत्ता का संग्राम: बेबाकी से बोले मतदाता, चेहरों को तरजीह नहीं, विकास पर होगी वोट की चोट

कानपुर, एजेंसी। चुनावी रथ सत्ता का संग्राम शनिवार सुबह कानपुर पहुंचा। यहां शास्त्री नगर काली मठिया पर चाय पर चर्चा के दौरान लोगों ने रोजगार और स्थानीय विकास के मुद्दों पर जोर दिया। 13 मई को लोकसभा चुनाव की लिए मतदान है। इसे लेकर राजनीतिक दल और नेता प्रचार में जुटे हुए हैं, लेकिन जनता के मन में क्या है।

युवा मतदाता राघवेंद्र ने बताया कि शहर का अहम मुद्दा विकास है। विकास के नाम पर ही वोट की चोट होगी। वात्सेय त्रिपाठी ने कहा कि पिछली कांग्रेस की सरकारों ने विकास के नाम पर कुछ नहीं किया। मोदी सरकार के आगे जाने की वजह यही है। रघुनाथ ओझा ने कहा कि सरकार की ओर से सब ठीक चल रहा। सिर्फ अधिकारियों की वजह से थोड़ी दिक्कत आ रही है। हर मोहन यादव ने कहा कि सरकार में सिर्फ राशन मिल रहा बाकी थाना पुलिस से लोग परेशान हैं। काली मठिया चौराहे पर 10 साल से कोई बदलाव नहीं हुआ। नीरज वाजपेई ने कहा कि भाजपा इस बार 400 पार जा रही है।

सीएम योगी का टीएमसी सरकार पर हमला, बोले- शोभायात्रा के दौरान हिंसा सनातन आस्था को आहत करने का प्रयास

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर हमला करते हुए कहा कि बंगाल में रामनवमी पर शोभायात्रा के दौरान हिंसा सनातन आस्था को आहत करने की कुचेष्टा है।

उन्होंने कहा कि ...अभी राम नवमी का आयोजन संपन्न हुआ है। भाजपा शासित सभी राज्यों में राम नवमी के उत्सव और शोभायात्राएं सकुशल संपन्न हुई लेकिन पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस की सरकार के कारण वहां राम नवमी की शोभायात्राओं पर हमले हुए हैं, यानी सनातन आस्था को आहत करने की किस हद तक की कुचेष्टाएं हो रही हैं, यह एक बार फिर से वहां देखने को मिला है।

उन्होंने कहा कि हमें नहीं भूलना चाहिए की सुशासन की पहली शर्त कानून का शासन है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने देश में और भाजपा की राज्य सरकारों ने भी सुरक्षा का बेहतर माहौल देने का काम किया है। लोकसभा के पहले चरण के चुनाव में पश्चिम बंगाल की तीन सीटों पर मतदान हुआ। इस दौरान हिंसा की छिटपुट घटनाएं भी हुईं।

दक्षिण के बाद अब यूपी का चुनावी रंग चटख करेंगे राहुल-प्रियंका, खत्म होगा रायबरेली-अमेठी पर सस्पेंस

लखनऊ, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी अब उत्तर प्रदेश में चुनावी रंग चटख करेंगे। इसकी शुरुआत 20 अप्रैल को अमरोहा से होगी। अमरोहा में राहुल गांधी व अखिलेश यादव की संयुक्त रैली है। इसके साथ ही दूसरे चरण के चुनाव में यह दोनों प्रमुख नेता प्रदेश में सभा व रोड शो करेंगे।

राहुल गांधी केरल की वायनाड सीट से प्रत्याशी हैं। इसे देखते हुए पहले चरण के चुनाव में उन्होंने अपना पूरा फोकस दक्षिण में कर रखा था। यही वजह रही कि प्रदेश में पहले चरण के चुनाव में उनकी एक भी सभा नहीं हुई। हालांकि पहले चरण के प्रचार के आखिरी दिन गाजियाबाद में उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ संयुक्त प्रेसवार्ता की थी। इसी दिन प्रियंका गांधी ने भी सहारनपुर में रोड शो किया था।

पार्टी नेताओं का कहना है कि पहले चरण में भी राहुल गांधी की सभाएं प्रस्तावित थीं लेकिन दक्षिण में उनकी व्यस्तता के कारण समय नहीं मिल सका। हालांकि अब वह प्रदेश में

नियमित अंतराल में रैली व सभाएं करेंगे। अमरोहा के बाद झांसी में राहुल गांधी व अखिलेश यादव की संयुक्त सभा प्रस्तावित की गई है। कुछ एक जगह उनका रोड शो भी प्रस्तावित किया गया है। इसी क्रम में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की भी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जल्द सभा होगी। कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय स्थित वार रूम के वरिष्ठ सदस्य संजय दीक्षित ने कहा कि राहुल के साथ ही गाजियाबाद व फतेहपुर सीकरी में प्रियंका गांधी का रोड शो प्रस्तावित है। जल्द ही इसके लिए समय मिलने की उम्मीद है। इसी के साथ अमरोहा में ही दीपेंद्र हुड्डा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश की अन्य सीटों पर कन्हैया कुमार व उदितराज आदि नेताओं के भी कार्यक्रम जल्द ही फाइनल होंगे। उन्होंने कहा कि दूसरे चरण में कई वरिष्ठ नेताओं व दूसरे प्रदेश के नेताओं की सभाएं होंगी।

अगले सप्ताह आ सकता है अमेठी-रायबरेली का टिकट- कांग्रेस और गांधी परिवार से जुड़ी प्रदेश की दो महत्वपूर्ण सीटों अमेठी और रायबरेली की सीट पर चल रहा प्रत्याशी का संशय भी जल्द समाप्त होगा। पार्टी सूत्रों के अनुसार अगले सप्ताह यहां का टिकट घोषित हो सकता है। पूरी उम्मीद है कि यहां पर गांधी परिवार से ही प्रत्याशी होगा। अगर यहां से गांधी परिवार का कोई भी सदस्य चुनावी मैदान में उतरता है तो कांग्रेस अपनी पूरी ताकत यूपी में झोंकेगी। इसका असर इन दो के साथ अन्य सीटों पर भी पड़ेगा।

बदलती जीवन शैली में समय पर सजगता जरूरी

संपादकीय

देश में कैंसर को लेकर जैसी जागरूकता होनी चाहिए, वह भी संतोषजनक नहीं है। इसका इलाज अब भी सामान्य आयवर्ग की क्षमता से बाहर है। बदलती जीवन-शैली, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, खाद्य पदार्थों में विषाक्तता आदि के चलते बीमारियों का विस्तार हो रहा है। नई-नई बीमारियां जन्म ले रही हैं। कैंसर भी इन्हीं स्थितियों के चलते लगातार अपने पांव पसार रहा है। हालांकि अब इस समस्या से पार पाने के लिए चिकित्सा विज्ञान ने कई आसान और कारगर उपाय तलाश लिए हैं, इसकी दवाओं की उपलब्धता बढ़ी है। मगर यह अब एक आम बीमारी बन गया है। 'लैंसेट' के ताजा अध्ययन में बताया गया है कि अगले पंद्रह-सोलह वर्षों तक हर वर्ष केवल स्तन कैंसर से दस लाख मौतें हो सकती हैं। स्तन कैंसर अब एक आम बीमारी बन चुका है। स्वाभाविक ही इसे लेकर दुनिया भर के स्वास्थ्य विशेषज्ञों की चिंता बढ़ गई है। बेशक इस रोग से पार पाना आसान हो गया है, पर असल समस्या हर किसी तक इसके इलाज की पहुंच संभव न हो पाना है। भारत जैसे समाजों में गरीबी, चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता कम होने तथा महिलाओं और पुरुषों के बीच भेदभावपूर्ण नजरिया व्याप्त होने की वजह से इस समस्या पर काबू पाना और कठिन हो जाता है। भारतीय समाज में महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी देखभाल में मुश्किलें इसलिए भी आती हैं कि महिलाएं खुद इसे लेकर बहुत सजग नहीं होती हैं। शहरी इलाकों में जरूर महिला स्वास्थ्य को लेकर सतर्कता देखी जाती है, मगर ग्रामीण और समाज के निचले कहे जाने वाले तबकों में इसका घोर अभाव नजर आता है। फिर, कैंसर को लेकर जैसी जागरूकता होनी चाहिए, वह भी संतोषजनक नहीं है। इसका इलाज अब भी सामान्य आयवर्ग की क्षमता से बाहर है। इसलिए बहुत सारी महिलाओं में स्तन कैंसर की समय पर पहचान नहीं हो पाती और जिनकी हो भी पाती है, उसमें बहुत देर हो चुकी होती है और उनके लिए इलाज कराना कठिन होता है। 'लैंसेट' के अध्ययन में सुझाव दिया गया है कि इसके लिए स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों को किसी न किसी रूप में संचार कौशल प्रशिक्षण देने की पहल करनी और रोगियों से संपर्क बनाना चाहिए। इस बीमारी को रोकने में सामूहिक प्रयास बहुत जरूरी हैं, जिनमें परिवार, समुदाय और चिकित्सा पेशेवरों का परस्पर जुड़ाव हो।

गधों के खून के प्यासे क्यों हुए चीनी?

(विवेक सिंह)

चीन में हर साल लाखों गधों की जान शौक की वजह से जा रही है। एक दवा की भारी मांग ने गधों की जिंदगी के लिए जीना मुश्किल बना दिया है। चीन की पारंपरिक दवा कभी लग्जरी लोगों का उत्पाद हुआ करती थी, लेकिन एक टीवी सीरीज में दिखाए जाने के बाद इसकी डिमांड तेजी से बढ़ी।

गधों का इंसानों के साथ रिश्ते की शुरुआत सभ्यता की शुरुआत के साथ ही होती है। मनुष्य कम से कम 5000 साल से काम में सहायता के लिए गधों का प्रयोग करता रहा है। आज भी दुनिया के गरीब इलाकों में करीब 50 करोड़ लोगों की आजीविका गधों पर आश्रित है। लेकिन चीन में इन गधों की जिंदगी पर शामत आ गई है। हर साल यहां लाखों गधों को मारा जा रहा है। देश में गधों की कमी पड़ गई तो दुनियाभर से चीन में गधे लाए जाने लगे। गधों की जिंदगी पर आई इस आफत के पीछे चीनियों की एक सनक है, जिसे पूरा करने के लिए वो इनके खून के प्यासे हो गए हैं।

चीन में ई-जियाओ नाम की एक दवा की भारी डिमांड को पूरा करने के लिए हर साल लाखों गधों की हत्या की जा रही है। ई-जियाओ एक पारंपरिक दवा है, जिसके बारे में दावा किया जाता है कि यह रक्त को शुद्ध करती है। इसके साथ ही स्किन की बीमारियों को ठीक करने, इम्यून सिस्टम को बढ़ाने के साथ ही सौंदर्य उत्पादों और प्रजनन क्षमता को भी बढ़ाने के दावे किए जाते हैं। हालांकि, इसके असर के बारे में वैज्ञानिक समर्थन बहुत कम है।

गधे की खाल से बनाई जाती है दवा

ई-जियाओ को गधे की खाल से निकाले गए कोलेजन का उपयोग करके बनाया जाता है। इसी खाल को पाने के लिए गधों को मारा जाता है। इसकी मांग इतनी ज्यादा है कि सिर्फ दो साल में चीन में गधों की आबादी 2022 में 90 लाख से घटकर 18 लाख पर पहुंच गई। हालत ये हो गई है कि अब चीन के कई इलाकों में गधों की आपूर्ति में दिक्कत हो रही है, जिसके चलते गधों को दूसरे देशों से मंगाया जा रहा है। इनमें अफ्रीका विशेष रूप से है, जहां से बड़ी मात्रा में गधे चीन सप्लाई किए जा रहे हैं।

गधों का इंसानों के साथ रिश्ते की शुरुआत सभ्यता की शुरुआत के साथ ही होती है। मनुष्य कम से कम 5000 साल से काम में सहायता के लिए गधों का प्रयोग करता रहा है। आज भी दुनिया के गरीब इलाकों में करीब 50 करोड़ लोगों की आजीविका गधों पर आश्रित है। लेकिन चीन में इन गधों की जिंदगी पर शामत आ गई है। हर साल यहां लाखों गधों को मारा जा रहा है। देश में गधों की कमी पड़ गई तो दुनियाभर से चीन में गधे लाए जाने लगे। गधों की जिंदगी पर आई इस आफत के पीछे चीनियों की एक सनक है, जिसे पूरा करने के लिए वो इनके खून के प्यासे हो गए हैं।

एक टीवी सीरीज से डिमांड में आई दवा

पारंपरिक रूप से ई-जियाओ एक लग्जरी उत्पाद था। 1644 से 1912 तक चीन पर शासन करने वाले किंग राजवंश के दौरान यह अभिजात वर्ग के इस्तेमाल की चीज थी। लेकिन 2011 में शुरू हुई एक लोकप्रिय चीनी टेलीविजन सीरीज एम्प्रेस इन द पैलेस में दिखाए जाने के बाद आम जनता में इसे लेकर आकर्षण शुरू हुआ। अब मध्यम और बुजुर्ग आयु के लोगों में इसकी डिमांड काफी बढ़ गई है। रॉयटर्स ने अपनी रिपोर्ट में चीन के सरकारी मीडिया के हवाले से बताया है कि पिछले एक दशक में इसकी कीमत 100 युआन प्रति 500 ग्राम से बढ़कर आज 2986 युआन (लगभग 35000 भारतीय रुपये) हो गई है। ब्रिटिश चैरिटी संस्था द डंकी सैंक्चुअरी की रिपोर्ट के अनुसार, ई-जियाओ इंडस्ट्री को हर साल 59 लाख गधों की खाल की आवश्यकता होती हैं।

आखिर यूपी में क्या सियासी गुल खिलाएगी राहुल-अखिलेश की जोड़ी?

उत्तरप्रदेश में पहले चरण के मतदान से दो दिन पहले यानी गत बुद्धवार को दिल्ली से सटे गाजियाबाद महानगर के कौशांबी स्थित फाइव स्टार होटल रेडिसन ब्लू सभागार में, गाजियाबाद लोकसभा क्षेत्र की इंडिया गठबंधन की कांग्रेस प्रत्याशी डॉली शर्मा के समर्थन में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जो संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित किया, उसके सियासी मायने स्पष्ट हैं। यहां के शानदार मंच से दोनों नेताओं ने भाजपा की मोदी सरकार के प्रति जो तल्खी दिखाई, उससे यह सवाल उभरकर सामने आया कि आखिर यूपी में क्या सियासी गुल खिलाएगी राहुल-अखिलेश की जोड़ी?

(कमलेश पांडे)

राहुल गांधी से पहले संवाददाता सम्मेलन की शुरुआत करते हुए अखिलेश यादव का यह कहना कि मुझे खुशी है आज हम मिलकर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं, बेहद अहम है। उन्होंने तो साफ कहा कि यूपी में गाजियाबाद से लेकर गाजीपुर तक भाजपा का सफाया होने जा रहा है।

उत्तरप्रदेश में पहले चरण के मतदान से दो दिन पहले यानी गत बुद्धवार को दिल्ली से सटे गाजियाबाद महानगर के कौशांबी स्थित फाइव स्टार होटल रेडिसन ब्लू सभागार में, गाजियाबाद लोकसभा क्षेत्र की इंडिया गठबंधन की कांग्रेस प्रत्याशी डॉली शर्मा के समर्थन में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जो संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित किया, उसके सियासी मायने स्पष्ट हैं। यहां के शानदार मंच से दोनों नेताओं ने भाजपा की मोदी सरकार के प्रति जो तल्खी दिखाई, उससे यह सवाल उभरकर सामने आया कि आखिर यूपी में क्या सियासी गुल खिलाएगी राहुल-अखिलेश की जोड़ी?

यूपी में कांग्रेस-सपा गठबंधन होने के बाद पहली बार दोनों नेता एक साथ, एक मंच पर दिखाई दिए और पत्रकारों के लाख कुरेदने के बावजूद भी संतुलित और सधे हुए अंदाज में जो बातें कहीं, उसके राजनीतिक मायने स्पष्ट हैं।

पहला यही कि कांग्रेस-सपा की यह युगलबंदी लंबी चलेगी। क्योंकि पीएम पैदा करने वाले इस प्रदेश से यदि भाजपा और एनडीए गठबंधन को खदेड़ना है, तो पीएम के हवा-हवाई मुद्दों की बजाए राहुल गांधी-अखिलेश यादव के जमीनी मुद्दों यानी कांग्रेस की गारंटी (जिसमें इंडिया गठबंधन के मुद्दों को समाविष्ट किया गया है) की बात पर जोर देना होगा। कांग्रेस की गारंटी का मतलब समाज के समस्त दबे-कुचले लोगों के परवरिश और उत्थान की बात, जैसा कि उसमें समाविष्ट किया हुआ है। साफ शब्दों में कहें तो किसान-मजदूर-कारीगर, युवा, महिलाएं, कुटीर-लघु कारोबारी आदि के हित।

दूसरा, रामनवमी के दिन ही इंडिया गठबंधन के पहले संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन होने और इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा नेता अखिलेश यादव द्वारा देशवासियों और पत्रकारों को रामनवमी की बधाई देने का स्पष्ट मकसद है कि इंडिया गठबंधन सनातन मर्यादाओं की उपेक्षा अब नहीं करेगा। क्योंकि 2014 और 2019 का नजीर उसके सामने है। लिहाजा, 2024 में पुरानी गलतियों से सबक लेने की कोशिश की गई है। शुरुआत भी अच्छी है।

तीसरा, वार्ता में राहुल गांधी का यह कहना कि ये चुनाव विचारधारा का चुनाव है, काफी अहम है। उनके शब्दों में, एक तरफ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा लोकतंत्र और संविधान को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन देश में लोकतंत्र और संविधान को बचाने की लड़ाई लड़ रही है। इससे साफ है कि कांग्रेस अपने पुराने मुद्दे पर अडिग है और सावधानी पूर्वक नए मुद्दों से खुद को जोड़ रही है, जो अच्छी बात है।

चतुर्थ, बकौल राहुल गांधी, इस चुनाव में 2-3 बड़े मुद्दे हैं। वह है महंगाई, बेरोजगारी और

भागीदारी। लेकिन इसके बारे में ना तो प्रधानमंत्री बात कर रहे हैं और ना ही बीजेपी बात कर रही है। यही वजह है कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर सीधे हमला बोलते हुए कहा कि हमारे प्रधानमंत्री कभी मुद्दों पर बात नहीं करते। मुद्दों पर बात करने की बजाय कभी वह समुद्र की गहराईयों में चले जाते हैं, तो कभी वह आसमान में सी प्लेन पर चले जाते हैं। संभवतया जनता भी इस बात को समझने लगी है, जिससे यूपी में राहुल-अखिलेश का ग्राफ ऊंचा उठने के संकेत मिलने लगे हैं।

पांचवां, राहुल गांधी ने कहा कि पीएम ने एक साक्षात्कार में इलेक्टोरल बॉन्ड को सही बताया और चुनाव में पारदर्शिता लाने के लिए इसे जरूरी बताया। यदि यह सच है तो इस सिस्टम को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द क्यों किया? उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों ने भाजपा को चुनाव के नाम पर करोड़ों की रकम दी, भाजपा उनका नाम क्यों नहीं उजागर कर रही है। उन्होंने पीएम मोदी पर तंज कसते हुए यहां तक कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड अपने आपमें दुनिया का सबसे बड़ा संगठित घोटाला है। इसमें सरकारी एजेंसी और बीजेपी नेतृत्व की दोनों भूमिका संदेहास्पद है। इस प्रकार इलेक्टोरल बांड सबसे बड़ा एक्सटॉर्शन है। पीएम मोदी भ्रष्टाचार के चैंपियन हैं। विपक्ष के नेता का ऐसा तेवर तभी दिखता है, जब सत्तारूढ़ सरकार का अवसान सुनिश्चित होने का फीडबैक कार्यकर्ता देते हैं।

छठा, राहुल गांधी से पहले संवाददाता सम्मेलन की शुरुआत करते हुए अखिलेश यादव का यह कहना कि मुझे खुशी है आज हम मिलकर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं, बेहद अहम है। उन्होंने तो साफ कहा कि यूपी में गाजियाबाद से लेकर गाजीपुर तक भाजपा का सफाया होने जा रहा है। भाजपा की हर बात झूठी निकली। न किसान की आय दोगुनी हुई, न युवाओं को रोजगार मिला, विकास के वादे भी अधूरे हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड ने इनकी पोल खोल दी है। भाजपा भ्रष्टाचारियों का गोदाम बन गई है। लूट और झूठ भाजपा की पहचान बन गई है। इसलिए मोदी-योगी सरकार से मुक्ति के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे। कार्यकर्ताओं को तालमेल बिठाकर चलना होगा।

सप्तम, अखिलेश यादव का यह कहना कि गाजियाबाद यानी पश्चिम उत्तरप्रदेश से चल रही हवा पूर्वी यूपी में गाजीपुर तक जाएगी और पूरे देश में बदलाव लाएगी। हमारा इंडिया गठबंधन गाजियाबाद से गाजीपुर तक क्लीन स्वीप करेगा। हमें पूरी उम्मीद है कि इस बार केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी, काफी अहम है। उनका यह कहना कि इस बार पश्चिम से बदलाव की हवा चली है। जनता भाजपा के झूठ और वादा खिलाफी से तंग आ चुकी है। इलेक्टोरल बॉन्ड ने भाजपा की बैंड बजा दी है। भाजपा भ्रष्टाचारियों का गोदाम बनकर रह गई है। उनकी इन बातों से साफ संकेत मिलता है कि उनके द्वारा शुरू किया हुआ पीडीए अभियान अपनी जमीनी पकड़ बना चुका है, जिसका आत्मविश्वास उनके शब्दों से झलक रहा है। कांग्रेस को भी इसका फायदा मिलेगा।

अष्टम, आगामी चुनाव में सीटों की संख्या को लेकर पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए राहुल गांधी का यह कहना कि पहले उन्हें लगता था कि बीजेपी 180 सीट जीत जाएगी, लेकिन अब उन्हें लग रहा है कि बीजेपी 150 सीटों पर सिमट जाएगी। इससे साफ जाहिर है कि मीडिया रिपोर्ट के उलट भी उनका जमीनी तंत्र सक्रिय है और उन्हें लगातार फीडबैक मिल रहे हैं। तभी तो उन्होंने कहा कि हर राज्य से रिपोर्ट मिल रही है कि हम अच्छा कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में हमारा गठबंधन बहुत मजबूत है और हम अच्छा करेंगे।

नवम, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने साफ कहा है कि गठबंधन तीन प्रमुख मुद्दों पर चुनाव लड़ रही है। इसमें पहला बेरोजगारी, दूसरा महंगाई और तीसरा भागीदारी है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में हर बार परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होता है जिससे लाखों युवा आहत होते हैं। इसलिए, जब गठबंधन की सरकार आएगी तो वह युवाओं को रोजगार देगी। वहीं, प्रत्येक परिवार की एक महिला को सालाना एक लाख रुपये देगी। वहीं, जातीय जनगणना कराकर पिछड़े लोगों को आगे ले जाने का काम करेगी।

दशम, इंडिया गठबंधन की कांग्रेस प्रत्याशी डॉली शर्मा के पक्ष में वोट करने की अपील के लिए आहूत इस संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में बागपत से सपा प्रत्याशी अमरपाल शर्मा के अलावा अन्य दो गठबंधन प्रत्याशियों को साथ खड़ा करके पत्रकारों को सामूहिक फोटो दिए। इस दौरान उन्होंने अपने गठबंधन के सभी प्रत्याशियों के लिए मतदान करने की अपील की। वहीं, मंच पर राष्ट्रीय महासचिव व उत्तरप्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय, उत्तरप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय, एआईसीसी के संचार प्रमुख जयराम रमेश, सोशल मीडिया प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत, पूर्व सपा मंत्री शाहिद मंजूर व अन्य राजनेतागण की उपस्थिति से साफ संकेत मिलता है कि रणनीतिक स्तर पर पार्टी और गठबंधन कोई चूक करना नहीं चाहते हैं। वहीं, डॉली शर्मा द्वारा आयोजित किये गए इस शानदार व बेमिसाल प्रेस कॉन्फ्रेंस ने अन्य प्रत्याशियों में भी होड़ पैदा करने का कार्य कर चुकी है, जो सबके बस की बात नहीं है।

खास बात यह कि पत्रकारों ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव की कमजोरी और मजबूती को लेकर, इंडिया गठबंधन और एनडीए को लेकर जितने भी तल्ख सवाल किए, उसका बेलाग जवाब देकर दोनों नेताओं ने यह साबित कर दिया कि यूपी में कोई नया सियासी गुल खिलाएगी राहुल-अखिलेश की जोड़ी। तैयारी पूरी है, बस जनादेश की जरूरत है, जिसके लिए तमाम सधी हुई पहल की जा रही है। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार व स्तम्भकार हैं)

तमिलनाडु की राजनीति जो करवट ले रही है वह राष्ट्रीय परिदृश्य पर डालेगी असर

(नीरज कुमार दुबे)

तमिलनाडु में इस समय देखने को मिल रहा है कि सभी राजनीतिक दलों ने सोशल इंजीनियरिंग पर खास ध्यान दिया । राज्य में द्रमुक और अन्नाद्रमुक के पास अपना-अपना परम्परागत वोट बैंक थे। अब भाजपा की ओर से भी दावेदारी जताने से बाकी सबके समीकरण थोड़े-बहुत बिगड़ते दिख रहे थे।

तमिलनाडु में लोकसभा की 39 सीटें हैं। यहां सत्तारुढ़ द्रमुक ने कांग्रेस और वामदलों के साथ गठबंधन किया है तो विपक्षी अन्नाद्रमुक ने एआईएमआईएम के साथ गठजोड़ किया है तो दूसरी तरफ भाजपा ने कुछ क्षेत्रीय दलों को एनडीए में शामिल करवा कर चुनावी लड़ाई को त्रिकोणीय बनाने का प्रयास किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह इस बार तमिलनाडु में सघन प्रचार किया था उससे प्रदर्शित होता है कि उन्हें इस बार तमिलनाडु से काफी अपेक्षाएं हैं। यह अपेक्षाएं कितनी पूरी होती हैं यह तो आने वाला समय ही बतायेगा लेकिन इतना तो दिख ही रहा है कि भाजपा पिछले लोकसभा चुनावों की तरह इस बार तमिलनाडु में खाली हाथ नहीं रहेगी।

तमिलनाडु में इस समय देखने को मिल रहा है कि सभी राजनीतिक दलों ने सोशल इंजीनियरिंग पर खास ध्यान दिया। राज्य में द्रमुक और अन्नाद्रमुक के पास अपना-अपना परम्परागत वोट बैंक है। अब भाजपा की ओर से भी दावेदारी जताने से बाकी सबके समीकरण थोड़े-बहुत बिगड़ते दिख रहे हैं। राज्य में कन्याकुमारी और तिरुनेलवेली ऐसे क्षेत्र हैं जहां भाजपा और कांग्रेस का जनाधार स्थानीय दलों के मुकाबले अच्छा है। पिछले चुनावों में द्रमुक ने राज्य में बाकी सभी दलों का सूपड़ा साफ कर दिया था और इस बार भी वह पिछला प्रदर्शन दोहराने के लिए एड़ी चोटी का

तमिलनाडु में लोकसभा की 39 सीटें हैं। यहां सत्तारुढ़ द्रमुक ने कांग्रेस और वामदलों के साथ गठबंधन किया है तो विपक्षी अन्नाद्रमुक ने एआईएमआईएम के साथ गठजोड़ किया है तो दूसरी तरफ भाजपा ने कुछ क्षेत्रीय दलों को एनडीए में शामिल करवा कर चुनावी लड़ाई को त्रिकोणीय बनाने का प्रयास किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह इस बार तमिलनाडु में सघन प्रचार किया था उससे प्रदर्शित होता है कि उन्हें इस बार तमिलनाडु से काफी अपेक्षाएं हैं। यह अपेक्षाएं कितनी पूरी होती हैं यह तो आने वाला समय ही बतायेगा लेकिन इतना तो दिख ही रहा है कि भाजपा पिछले लोकसभा चुनावों की तरह इस बार तमिलनाडु में खाली हाथ नहीं रहेगी।

जोर लगा रही थी। वहीं दूसरी ओर विपक्षी अन्नाद्रमुक भी द्रमुक को परास्त करने के लिए प्रयासरत थे। इस बार अन्नाद्रमुक यह सुनिश्चित करने के लिए पसीना बहा रही है कि सभी जातियों के मतदाता पार्टी के साथ रहें और विद्रोही नेताओं- टीटीवी दिनाकरन और ओ पन्नीरसेल्वम की ओर ना जाएं।

दूसरी ओर, मारवाड़ और पिल्लई जोकि अगड़ी जाति है, उनके अलावा, भाजपा सभी दलित समुदायों तक पहुंचने के लिए हर संभव प्रयास कर रही थी, वहीं द्रमुक को अपने गठबंधन की अंकगणितीय ताकत और तीन साल की सामाजिक कल्याण योजनाओं के अलावा, सभी समुदायों और अल्पसंख्यक वोट बैंक के समर्थन पर भरोसा जताया। हम आपको बता दें कि क्षेत्र के कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में युवा तमिल राष्ट्रवादी संगठन नाम तमिझार काची का प्रभाव भी देखने को मिल रहा है जिसे 18-25 आयु वर्ग के वोटों का एक बड़ा हिस्सा मिलने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। देखने में आ रहा है कि डिंडीगुल, मदुरै, विरुधुनगर और शिवगंगा में लड़ाई द्रमुक और अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधनों के बीच ,जबकि रामनाथपुरम और थेनी में त्रिकोणीय मुकाबला,जिसमें ओपीएस और टीटीवी खुद मैदान में उतरे हुए थे। इसके अलावा थूथुकुडी, जहां कनिमोझी करुणानिधि उम्मीदवार हैं उसके अलावा तेनकासी (एससी) में तस्वीर सत्तारुढ़ द्रमुक के लिए अच्छी दिख रही है। वहीं तिरुनेलवेली में मुख्य लड़ाई रॉबर्ट ब्रूस (कांग्रेस) और नैनार नागेंद्रन (भाजपा) के बीच होती दिख रही । जबकि कन्याकुमारी में चुनावी लड़ाई स्पष्ट रूप से धर्म पर विभाजित दिख रही थी।

हम आपको बता दें कि भाजपा तमिलनाडु में लंबे समय से हिंदू नादर और मरावारों का समर्थन हासिल करने की दिशा में काम कर रही थी। रिपोर्टें हैं कि नादर और मारवारों का बड़ा वर्ग भाजपा की ओर मुड़ रहा ऐसा लग रहा है। इसके अलावा गठबंधन के कारण दलित वोटों का बड़ा हिस्सा डीएमके को मिलने की संभावना है। इसके अलावा तिरुनेलवेली, थूथुकुडी और कन्याकुमारी में बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारी हैं और इन लोगों का झुकाव सामान्य तौर पर डीएमके की ओर अधिक है। डिंडीगुल में लड़ाई सीपीआई (एम) के सचिदानंदम और सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के 'नेल्लई' मुबारक के बीच है, जो एआईएडीएमके के दो पत्तों वाले चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ रहे ,जबकि बीजेपी गठबंधन के पीएमके उम्मीदवार थिलागाबामा तीसरे स्थान पर नजर आ रहे हैं, वहीं मदुरै में अन्नाद्रमुक के उम्मीदवार पी. सरवनन सीपीआई (एम) के उम्मीदवार सु वेंकटेशन को कड़ी टक्कर दे रहे हैं और उन्हें नॉन परफॉर्मर बता रहे हैं, जबकि विरुधुनगर में चुनावी मुकाबला मनिकम के बीच सिमटने की संभावना है। वहीं शिवगंगा में कार्ति पी. चिदम्बरम अन्नाद्रमुक के ए जेवियरडोस और भाजपा के चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ रहे देवनाथन यादव से लड़ रहे हैं। तिरुनेलवेली में भाजपा उम्मीद कर रही है कि अन्नाद्रमुक की आंतरिक खींचतान से उसे फायदा होगा।

कुल मिलाकर देखें तो ऐसा लगता है कि राज्य में सत्तारुढ़ द्रमुक 17 सीटों पर जीत हासिल कर सकता है। वहीं भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए 6 सीटों पर जीत हासिल कर सकता है जिसमें से चार पर भाजपा को जीत मिल सकती है। कांग्रेस को तमिलनाडु में आठ सीटों पर जीत मिल सकती है जबकि विपक्षी अन्नाद्रमुक के खाते में चार सीटें जाती दिख रही हैं। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

वीसा इंटरव्यू में दें सही जानकारी

वीसा इंटरव्यू में आपको हमेशा ईमानदारी बरतनी चाहिए। अपने परिवार वालों से मिलने जाना अमेरिका जाने का पूरी तरह वैध कारण बनता है। यूएस वीसा के लिए बड़ी संख्या में लोग आवेदन करते हैं और इतनी बड़ी संख्या से निपटने के लिए आम तौर पर वीसा इंटरव्यू संक्षिप्त ही होते हैं। अक्सर ये महज 2 से 3 मिनट के ही होते हैं। चूंकि इंटरव्यू तेज गति से चलेगा, इसलिए बेहतर है कि आप ईमानदारी से और सीधे-सीधे जवाब दें।

इंटरव्यूइंग ऑफिसर कम समय में यह तय करने की कोशिश कर रहा होता है कि आप प्रामाणिक आवेदक हैं या नहीं। यदि ऐसा प्रतीत हुआ कि आप कोई जानकारी छुपा रहे हैं या प्रश्नों को टाल रहे हैं, तो ऑफिसर को आपकी प्रामाणिकता पर शक हो सकता है। इंटरव्यूइंग ऑफिसर यह भी पूछ सकता है कि आप क्या काम करते हैं, सो अपनी जॉब/ बिजनेस और जीवन में आपकी वर्तमान स्थिति के बारे में बताने के लिए भी तैयार रहें। चूंकि इंटरव्यू तेजी से चलता है, सो यह जरूरी है कि आप प्रश्नों के त्वरित उत्तर दें और त्वरित उत्तर देने का सबसे आसान तरीका यही है कि आप सच बोलें। वीसा इंटरव्यू में आम तौर पर दस्तावेज नहीं देखे जाते। मगर आप चाहें, तो ऐसे दस्तावेज ले जा सकते हैं, जो जीवन में आपकी वर्तमान स्थिति और आपकी यात्रा के उद्देश्य से जुड़े हों। मसलन, यदि आपकी बेटी एच1बी वर्कर वीसा पर अमेरिका में है, तो आप उसके पासपोर्ट व वीसा की कॉपी ला सकते हैं, जिससे आप ऑफिसर को बता सकें कि आपका उससे क्या रिश्ता है और यह कि वह वैध रूप से अमेरिका में काम कर रही है।

भारत समेत दुनिया भर में बढ़ रही है होम्योपैथिक डॉक्टरों की मांग

होम्योपैथिक इलाज में दवाओं का कोई दुष्प्रभाव नहीं होता है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में लोग होम्योपैथिक उपचार पर भरोसा करते हैं। अगर आप भी होम्योपैथिक डॉक्टर बनने की चाहत रखते हैं। तो आप इस क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं।

अंग्रेजी दवाओं के अलावा कई लोग होम्योपैथिक दवाओं पर भी भरोसा जताते हैं। किसी भी बीमारी व समस्या को ठीक करने के लिए होम्योपैथिक डॉक्टर प्राकृतिक जड़ी बूटियों का इस्तेमाल करते हैं। बता दें कि भारत समेत दुनिया भर में होम्योपैथिक डॉक्टरों की भी मांग बढ़ती जा रही है। वहीं छात्रों में भी होम्योपैथिक डॉक्टर बनने का इंट्रेस्ट बढ़ रहा है। खासतौर पर कोरोना महामारी के दौरान पूरी दुनिया ने डॉक्टरों की सेवाभाव को देखा है। ऐसे में जो छात्र होम्योपैथिक डॉक्टर बनने का सपना देख रहे हैं। यह आर्टिकल उन्हीं के लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको होम्योपैथिक डॉक्टर बनने की सारी पात्रताओं के बारे में जानकारी देने के अलावा यह भी बताने जा रहे हैं कि इस कोर्स को करने के बाद आप इस क्षेत्र में किस तरह अपना करियर बना सकते हैं।

क्वालिफिकेशन

- होम्योपैथी कोर्स में प्रवेश पाने की चाहत रखने वाले छात्रों को साइंस साइड से 12वीं पास होना अनिवार्य है।
- 12वीं कक्षा में छात्रों के कम से कम अंक 50 फीसदी होने चाहिए। वहीं आरक्षित श्रेणियों के कैंडिडेट के 45% अंक होना जरूरी है।
- छात्र की कम से कम उम्र 17 साल होनी चाहिए।
- छात्र का नीट क्वालिफाई होना जरूरी है।

होम्योपैथी पाठ्यक्रमों में एडमिशन के लिए तमाम संस्थान परीक्षाओं का आयोजन करते हैं।

प्रवेश परीक्षाएं

इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट
केरल इंजीनियरिंग, कृषि और चिकित्सा
भारती विद्यापीठ कॉमन एंट्रेंस टेस्ट
पंजाब यूनिवर्सिटी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट
राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा
इंजीनियरिंग, कृषि और मेडिकल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (तेलंगाना और आंध्र प्रदेश)

नौकरी

होम्योपैथिक कोर्स पूरा होने के बाद छात्र सरकारी या प्राइवेट स्तर पर अपनी नौकरी की शुरूआत कर सकते हैं। इसके अलावा वह अपना क्लीनिक भी खोल सकते हैं। होम्योपैथिक क्षेत्र में आप यह नौकरी भी कर सकते हैं।

शिक्षण कार्य

- फार्मेसिस्ट
- बीमा अधिकारी
- होम्योपैथिक चिकित्सक
- अनुसंधान पेशेवर
- होम्योपैथिक सलाहकार
- विपणन विशेषज्ञ

सैलरी

- जॉब प्रोफाइल- औसत वेतन
- फार्मासिस्ट- 3.5 लाख
- निजी चिकित्सक- 5.5 लाख
- निजी स्वास्थ्य विशेषज्ञ - 6 लाख
- सामान्य चिकित्सक - 6 लाख
- डॉक्टर- 7 लाख

यह कोर्स कर सकते हैं आप

सर्टिफिकेट कोर्स
बता दें कि होम्योपैथिक कोर्स करने के लिए तमाम तरह के सर्टिफिकेट कोर्स करवाए जाते हैं। इस सर्टिफिकेट कोर्सेज की अवधि 3 से 6 महीने की होती है।

डिप्लोमा कोर्स
होम्योपैथी में कई प्रकार के अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स भी कराए जाते हैं। इन कोर्स में आप डिप्लोमा इन इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिसिन और डिप्लोमा इन होम्योपैथी एंड मेडिसिन आदि कोर्स कर सकते हैं। इन कोर्सेज की अवधि 1-2 वर्ष की होती है।

UG कोर्स
स्नातक स्तर पर होम्योपैथिक कोर्स करने के लिए छात्र क्ा।स्र् और क्ष्स्र् आदि पाठ्यक्रम चुन सकते हैं। इस कोर्स की अवधि 3 से 5 साल की होती है।

PG कोर्स
स्नातकोत्तर स्तर पर छात्र M.D. (होम-फार्मेसी), M.D. (होम-प्रैक्टिस ऑफ मेडिसिन), M.D. (होम्योपैथिक) (मटेरिया मेडिका) आदि कोर्स कर सकते हैं। यह कोर्स 3 साल की अवधि के होते हैं।

BHMS कोर्स सिलेबस
BHMS यानी की बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी कोर्स में बायोलॉजी, शरीर विज्ञान और चिकित्सा की तमाम शाखाओम पर बुनियादी और उन्नत ज्ञान और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने वाले कई विषय पढ़ाए जाते हैं। वहीं डिग्री प्राप्त करने से पहले छात्र को 1 साल की इंटर्नशिप पूरी करनी होती है।

सिलेबस

- होम्योपैथिक मटेरिया मेडिका और चिकित्सीय
- बायोकैमिस्ट्री सहित फिजियोलॉजी
- पैथोलॉजी और माइक्रोबायोलॉजी
- फोरेंसिक मेडिसिन और विष विज्ञान
- प्रसूति एवं स्त्री रोग
- शरीर रचना
- होम्योपैथिक फार्मेसी
- केस टेकिंग और रिपर्टरी
- सामुदायिक चिकित्सा
- ऑर्गन ऑफ मेडिसिन, प्रिंसिपल्स ऑफ होम्योपैथिक फिलॉसफी एंड साइकोलॉजी
- ऑपरेशन
- चिकित्सा का अभ्यास

बता दें कि भारत में केवल 2 कॉलेज ऐसे हैं, जो एमडी होम्योपैथी सिलेबस प्रदान करते हैं। इस सिलेबस में 7 विशेषज्ञताएं शामिल हैं।

- बच्चों की दवा करने की विद्या
- होम्योपैथिक मटेरिया मेडिका
- प्रदर्शनों की सूची
- होम्योपैथिक दर्शन के साथ ऑर्गन ऑफ मेडिसिन
- होम्योपैथिक फार्मेसी
- मनश्चिकित्सा
- चिकित्सा का अभ्यास

करियर

होम्योपैथी के क्षेत्र में करियर की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। क्योंकि होम्योपैथिक दवाइयों का कोई दुष्प्रभाव नहीं होता है। इसलिए बहुत सारे लोग होम्योपैथिक इलाज में भरोसा जताते हैं। बच्चों से लेकर बड़ों तक पर होम्योपैथिक दवाएं समान रूप से असर करती हैं। होम्योपैथिक दवाइयों का इस्तेमाल कई तरह की बीमारियों में किया जाता है। जिनमें से माइग्रेन, अवसाद, क्रोनिक थकान सिंड्रोम, रूमेटोइड गठिया, एलर्जी, खांसी और सर्दी, चिड़चिड़ा आंत्र सिंड्रोम और प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम आदि का इलाज शामिल है। छात्र इस कोर्स की डिग्री व डिप्लोमा प्राप्त करने के बाद सरकारी व प्राइवेट अस्पतालों में काम कर अपने करियर को शुरू कर सकते हैं। नीचे दिए गए क्षेत्रों की लिस्ट में आप होम्योपैथिक पेशेवर के तौर पर काम कर सकते हैं।

- केंद्रीय, राज्य व स्थानीय सरकारी व प्राइवेट अस्पताल
- नर्सिंग होम, क्लीनिक और स्वास्थ्य विभाग
- दवा निर्माण इकाइयां (सरकारी, निजी, स्वायत्त, सहकारी क्षेत्र)
- औषधि नियंत्रण संगठन (राज्य और केंद्र सरकार)
- होम्योपैथिक दवा कंपनियां
- प्रबंधन और प्रशासन (सरकारी और निजी)
- चिकित्सा पर्यटन
- होम्योपैथिक विशेषता केंद्र
- नैदानिक परीक्षण (फार्मास्यूटिकल्स)
- स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में तृतीय-पक्ष प्रशासक
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम)
- राष्ट्रीय आयुष मिशन आदि में आप बतौर होम्योपैथिक पेशेवर के रूप में काम कर सकते हैं।
- वहीं जो छात्र पढ़ाने में इंट्रेस्ट रखते हैं, वह मेडिकल कॉलेजों में प्रोफेसर के रूप में सेवा दे सकते हैं।

इंजीनियरिंग- मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हजारों बच्चों की कामयाबी को लेकर नकारात्मक सुर्खियां विद्यार्थियों से लेकर अभिभावकों और शिक्षकों हर किसी को गंभीर चिंतन के लिए विवश कर रही हैं। विद्यार्थी जिस तरह पढ़ाई और परिणाम में बेहतर प्रदर्शन न कर पाने के कारण आत्महत्या कर रहे हैं, वह हर किसी को मर्माहत करने वाला है। इस तरह की घटनाओं के पीछे कई सवाल हैं, जिनका समाधान खोजना बेहद जरूरी लगता है। आखिर क्या कारण है कि इंजीनियर या डॉक्टर बनने की तैयारी में लगे ये विद्यार्थी अचानक आत्मघाती कदम उठा बैठते हैं? क्यों वे असमय ही अपने सुनहरे सपनों का गला घोंट देते हैं?

असफलता के बाद इस तरह बना सकते हैं राहें आसान

ऐसी घटनाओं के पीछे जो सबसे बड़ा कारण नजर आता है, वह है माता-पिता की अपनी संतान से अव्यवहारिक अपेक्षाएं। दरअसल, बच्चे के बड़े होने के साथ-साथ पैरेंट्स के सपने भी पलने और बड़े होने लगते हैं। कई बार माता-पिता के अपने सपने अधूरे होते हैं, जिन्हें वे अपनी संतान के जरिए पूरा करने की कोशिश करते हैं। इसके अलावा, वे अपने मित्रों, रिश्तेदारों, पास-पड़ोस, शहर या गांव के सफल लोगों से भी प्रभावित होकर अपनी संतान को उनके जैसा बनाना चाहते हैं। विद्यार्थियों का इंजीनियरिंग या मेडिकल की पढ़ाई की ओर भागना भी इसी बात का सूचक है। ज्यादातर माता-पिता को यही लगता है कि इंजीनियर या डॉक्टर बनकर ही उनका बच्चा सफल करियर की ओर कदम बढ़ा सकता है। इस सपने को पूरा करने के लिए वे अपने बच्चे की रुचि/ पसंद को अनदेखा कर देते हैं और उस पर दबाव डालते हैं कि वह उनकी पसंद के अनुसार ही करियर की राह पर चले।इससे विद्यार्थियों पर दबाव बढ़ जाता है।

उत्साह में कमी तो नहीं

हो सकता है कि आप इंजीनियरिंग या मेडिकल के लिए बिल्कुल फिट हों और उसमें आपका मन भी लग रहा हो लेकिन अगर ऐसा नहीं है, तो आप अपने भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। अगर आपने अपनी इच्छानुसार भी कोई फील्ड चुन ली है और उसमें एडमिशन ले लिया है मगर आप खुद को अनमना महसूस कर रहे हैं, किसी काम को ठीक से नहीं कर पा रहे हैं या अपने में उत्साह की कमी पा रहे हैं, तो इसका मतलब यह है कि आप जिस राह पर चल रहे हैं, उसमें आपको कोई परेशानी है। ऐसे में आपको बेहिचक अपने माता-पिता से बात कर लेनी चाहिए।

खुली हैं तरक्की की राहें

आज के समय में सिर्फ इंजीनियर या डॉक्टर बनना ही कामयाबी नहीं है। अब दर्जनों ऐसे क्षेत्र सामने आ गए हैं, जिनमें पहचान, पैसा और प्रसिद्धि पाई जा सकती है। यह बात विद्यार्थियों को समझनी भी होगी और अपने अभिभावकों को समझानी भी होगी। विद्यार्थी अगर अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़े, तो ही उसका भविष्य सुखद बन सकता है और इसी में अभिभावकों की खुशी भी छुपी है।

पैरेंट्स को करें राजी

आपमें से बहुत-से विद्यार्थियों ने इस साल 12वीं की परीक्षा दी होगी। अगर आप अपनी पसंद को समझते हैं, तो अपनी पसंद से अपने माता-पिता को अवगत कराएं। उन्हें कनविंस करें। हो सकता है कि पैरेंट्स आपको कम समझदार या परिपक्व समझकर आपकी बातों को तवज्जो न दें, लेकिन अगर आपको अच्छी तरह पता है कि आप किस फील्ड में जोरदार प्रदर्शन कर सकेंगे, तो इस बारे में डांट या नाराजगी की परवाह किए बिना पैरेंट्स के सामने अपनी बात रखने का प्रयास करें। उन्हें यह भरोसा दिलाएं कि अगर वे आपको आपकी रुचि के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद करते हैं, तो आप उन्हें कतई निराश नहीं करें।

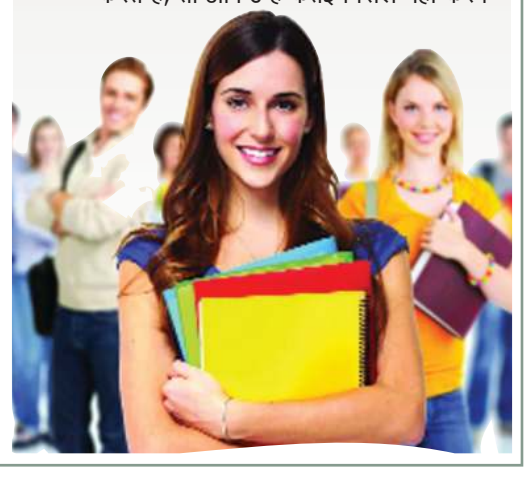

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में बारिश का कहर, 87 लोगों की मौत, 80 से ज्यादा घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने बताया कि पिछले सप्ताह पाकिस्तान में बारिश के कारण हुई अलग-अलग घटनाओं में कम से कम 87 लोग मारे गए और 82 अन्य घायल हुए हैं। जबकि देश के कुछ हिस्सों में भारी बारिश का कहर जारी है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, एनडीएमए ने बताया कि बारिश ने देश भर में 2,715 घरों को आंशिक या पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया है। ज्यादातर लोगों की मौत इमारत या घरों के ढांचे ढहने, बिजली गिरने और बाढ़ से संबंधित घटनाओं में हुई है। एनडीएमए के अनुसार, देश के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सबसे अधिक नुकसान और हताहत हुए हैं। यहां मूसलाधार बारिश के कारण 36 लोगों की जान चली गई और 53 अन्य घायल हो गए। इसके बाद पूर्वी पंजाब प्रांत में 25 लोगों की मौत और आठ लोगों के घायल होने की सूचना है। एनडीएमए ने कहा कि दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में कुल 15 लोगों की मौत हुई है और 10 अन्य घायल हुए हैं। जबकि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भारी बारिश के कारण 11 लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हाल की भारी बारिश के कारण कीमती जान-माल के नुकसान पर गहरा दुख व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने संबंधित विभागों को प्रभावित क्षेत्रों में राहत गतिविधियों में तेजी लाने और बारिश तथा भूस्खलन के कारण बंद हुई सड़कों को खोलने के काम में तेजी लाने को कहा।

बगदाद के पास दो इराकी सैन्य ठिकानों पर बमबारी

बगदाद, एजेंसी। बगदाद के दक्षिण में बाबिल प्रांत में शनिवार आधी रात के बाद अज्ञात विमान से दो इराकी सैन्य ठिकानों पर बमबारी की गई। गृह मंत्रालय के एक सूत्र ने मीडिया को बताया, हवाई हमले ड्रोन से किए गए। बाबिल प्रांत के उत्तरी हिस्से में महाविल क्षेत्र में इराकी अर्धसैनिक हशद शाबी बलों से संबंधित दो ठिकानों को निशाना बनाया गया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने एक सूत्र के हवाले से बताया कि दो लक्षित ठिकानों में से एक अर्धसैनिक बलों का गोला-बारूद का गोदाम था और दूसरा उनका टैंक मुख्यालय था। सूत्र ने यह भी कहा कि बगदाद से लगभग 30 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित मडेन इलाके में विस्फोटों की आवाज सुनी गई, लेकिन विस्फोटों के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं है।

रूस पर नये प्रतिबंध लगाने की तैयारी में यूरोपीय संघ

ब्रूसेल्स, एजेंसी। यूरोपीय संघ यूक्रेन के खिलाफ पूर्ण युद्ध छेड़ने के लिए रूस के खिलाफ 14वें दौर के प्रतिबंधों की तैयारी कर रहा है। संगठन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यूरोपीय संघ के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि नए प्रतिबंध पैकेज में उन व्यक्तियों और संगठनों पर दंडात्मक उपाय शामिल हैं जो रूस पर मौजूदा यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों को रोकने के प्रयासों में सहायता करते हैं। यूरोपीय संघ के एक राजनयिक ने कहा कि दंडात्मक उपायों में तेल टैंकरों या अंधेरे बेड़े पर विचार किया जाना चाहिए जो इसमें बाधा डालने के लिए मौजूदा प्रतिबंधों के बावजूद रूसी तेल का परिवहन करते हैं। राजनयिकों के अनुसार, नए व्यक्तियों और संगठनों पर ब्लॉक में उनकी संपत्तियों पर रोक लगाई जाएगी। यूरोपीय आयोग को आने वाले सप्ताह में प्रतिबंधों के लिए प्रस्ताव पेश करना है। रूस पर प्रतिबंधों का 13वां पैकेज फरवरी में यूक्रेन के खिलाफ युद्ध की दूसरी वर्षगांठ पर अपनाया गया था और इसमें 106 व्यक्तियों और 88 संगठनों को निशाना बनाया गया था।इसमें उत्तर कोरिया द्वारा रूस को हथियारों की आपूर्ति में शामिल व्यक्ति और उत्तर कोरियाई रक्षा मंत्री शामिल थे।यूक्रेन के खिलाफ रूसी युद्ध में योगदान देने वाले अर्थव्यवस्था के विभिन्न वर्गों को लक्षित करते हुए रूस पर यूरोपीय संघ के कई दौर के प्रतिबंध लगाए गए हैं।इनमें कच्चे तेल, कोयला, इस्पात, सोना और विलासिता की वस्तुओं पर आयात प्रतिबंध के साथ-साथ बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों के खिलाफ दंडात्मक उपाय भी शामिल हैं।

कोर्ट के अंदर ट्रंप की चल रही थी सुनवाई, बाहर शख्स ने खुद को लगा ली आग

वॉशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका के मैनहट्टन अदालत के बाहर उस समय अफरा- तफरी मच गई, जब एक शख्स ने तेल छिड़ककर खुद को आग लगा ली। जिस समय शख्स ने खुद को आग लगाई, उसी समय अदालत के अंदर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मुकदमे पर सुनवाई चल रही थी। हालांकि, सवाल उठता है कि आखिर खुद को आग लगाने वाला शख्स कौन हैं और उसने इस भयावह घटना को क्यों अंजाम दिया

न्यूयॉर्क के पुलिस विभाग (एनवाईपीडी) के प्रमुख जेफरी मैड्रे ने बताया कि मैक्सवेल अजारेलो नाम का शख्स पहले पार्क गया। वहां उसने कुछ पर्चे बांटे और बाद में खुद को आग लगा ली। फिलहाल वह कॉर्नेल विश्वविद्यालय की बर्न यूनिट में गंभीर स्थिति में है।

फ्लोरिडा के सेंट ऑगस्टीन में रहने वाला अजारेलो खुद को एक खोजी शोधकर्ता बताता है। एक रिपोर्ट में पुलिस का हवाला देते हुए बताया कि शख्स की उम्र करीब 20 साल है और दिखने में बेघर लग रहा था।

एनवाईपीडी के जासूसों के प्रमुख जो केनी ने बताया कि अजारेलो सप्ताह की शुरुआत में न्यूयॉर्क शहर आया और उसने घटना के बारे में प्रचार किया। यहां तक कि खुद को आग लगाने से पहले वो शांत था। केनी ने बताया कि शख्स के

परिवार को घटना के बारे में जानकारी दे दी है। जेफरी मैड्रे ने चिंता जताते हुए कहा कि शख्स ने किसी सुरक्षा का कोई उल्लंघन नहीं किया। लेकिन हम बहुत चिंतित है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए योजनाएं मौजूद हैं। एनवाईपीडी के जन सूचना उपायुक्त तारिक शेपर्ड ने कहा कि किसी को नहीं पता था कि यह व्यक्ति खुद को आग लगाने जा रहा है। फिलहाल शख्स के खुद को आग लगाने की वजह साफ नहीं हो पाई है। कानून प्रवर्तन सूत्रों से पता चला है कि वह एक प्रदर्शनकारी समूह का हिस्सा है। यहां तक कि उसके विरोध के पीछे का मकसद भी अभी नहीं पता है। यह रहस्य बना हुआ है।

जब शख्स ने खुद को आग लगाई थी तो उसने कुछ पर्चों को हवा में उछाला था। उनमें से एक का शीर्षक था- दुनिया का सच्चा इतिहास। वहीं एक अन्य पर्चे में लिखा था कि एनवाईयू एक भीड़ का मोर्चा है। इसके अलावा, सड़क पर पड़े एक पर्चे में लिखा था- मैंने ट्रंप के ट्रायल के दौरान बाहर खुद को आग लगा ली है। न्यूयॉर्क सिटी अग्निशमन विभाग ने पुष्टि की कि व्यक्ति को दोपहर एक बजकर 41 मिनट पर गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। इस घटना के दौरान मीडिया कर्मियों के सामने समस्या खड़ी हो गई, क्योंकि कैमरे के सामने व्यक्ति ने आग लगाई थी और यह गंभीर मसला था, लेकिन नैतिकता के आधार पर जलते हुए व्यक्ति का वीडियो फुटेज नहीं दिखाया जा सकता था। पत्रकारों ने लाइव प्रसारण के दौरान कहा हमारे पास एक आदमी है जिसने खुद को आग लगा ली है, हमारे कैमरे अभी घूम रहे हैं और एक आदमी ने अब अदालत के बाहर खुद को आग लगा ली है। आप जलते हुए मांस की गंध महसूस कर सकते हैं।

फुटेज में देखा जा सकता है कि व्यक्ति के खुद को आग लगाते ही आसपास खड़े लोग अग्निशामक यंत्रों से आग बुझाने की कोशिश कर रहे। वहीं, एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि शख्स ने पहले ट्रंप समर्थक प्रदर्शनकारियों से संपर्क किया था। इसके अलावा, एक वीडियो फुटेज में आग की लपटों में घिरा हुआ दिखाया गया। कई प्रत्यक्षदर्शियों ने घटना को बताया कि कैसे चमकीले नारंगी रंग की लपटों में जलते हुए व्यक्ति को देखकर आसपास खड़े लोग चिल्लाने लगे। एक ने कहा, मैं जले हुए मांस की गंध महसूस कर सकता हूं और आग देख सकता हूं। बता दें, घटना मैनहट्टन कोर्टहाउस से सटे कलेक्ट पॉन्ड पार्क के पास की है। अदालत में ट्रप के आपराधिक मुकदमे के लिए जूरी का चयन चल रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आत्मदाह की घटना के बाद ट्रंप समर्थकों ने इलाके को तुरंत खाली कर दिया। आग बुझने के बाद भी धुआं उठता रहा। राख और मलबे के अवशेष सड़क पर फैले रहे।

हमले के पीछे इस्राइल के होने के सबूत नहीं, ईरानी विदेश मंत्री बोले- जांच में कुछ मिला तो छोड़ेंगे नहीं

तेहरान, एजेंसी।
ईरान के विदेश मंत्री ने शुक्रवार को कहा कि ईरान पर हुए हमले की जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि अभी तक इस हमले के पीछे इस्राइल का हाथ होने के सबूत नहीं मिले हैं। ईरानी विदेश मंत्री ने धमकी देते हुए कहा कि अगर इस्राइल ने ईरान पर हमले की कोशिश की तो ईरान तुरंत और मुंहतोड़ जवाब देगा। वहीं इस्राइल की तरफ से इस बारे में कोई बयान नहीं दिया गया है। ईरान में शुक्रवार को सुनी गई धमाकों की आवाज बता दें कि शुक्रवार को ईरान के शहर इस्फहान में हमले की खबरें मीडिया में छाई रहीं थी। अब इसे लेकर ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीराब्दोल्लाहियन ने बयान जारी किया है। उन्होंने बताया कि ईरान के भीतर से ही कुछ ड्रोन्स उड़े थे, जिन्हें कुछ मीटर उड़ान भरने के बाद ही मार गिराया गया था। अमीराब्दोल्लाहियन ने कहा कि वो ड्रोन्स बच्चों के खिलौनों जैसे थे, जिनसे हमारे बच्चे खेलते हैं।

ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि यह अभी तक साबित नहीं हुआ है कि इस हमले के पीछे इस्राइल का हाथ था। अभी मामले की जांच चल रही है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स में जो कहा जा रहा है, वह सही नहीं है। ईरान में शुक्रवार को धमाकों की आवाज सुनी गई थी। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि हवाई सुरक्षा सिस्टम ने तीन ड्रोन्स को निशाना बनाया था, जिससे धमाके की आवाज सुनी गई। ईरान अधिकारियों का कहना है कि कुछ उग्रवादियों ने ये ड्रोन्स उड़ाए हो सकते हैं।

ईरान की इस्राइल को धमकी

ईरान के विदेश मंत्री ने इस्राइल को धमकी देते हुए कहा कि अगर इस्राइल फिर से कोई गड़बड़ी करता है या कुछ ऐसा करता है, जो ईरान के हित में नहीं है तो हम उसका मुंहतोड़ जवाब देंगे। शुक्रवार को ईरान के किसी रणनीतिक ठिकाने पर हमले की कोई जानकारी नहीं है और न ही ईरान को कोई नुकसान हुआ है। इस्राइल की तरफ से अभी तक कोई बयान नहीं दिया गया है। वहीं अमेरिका ने भी किसी हमले में शामिल होने से इनकार किया है।

अमेरिका में भारतीय छात्र की मौत, ब्लू व्हेल गेम से जुड़ी होने की संभावना

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका में प्रथम वर्ष के एक छात्र ने एक गेम खेलते-खेलते अपनी जान दे दी। घटना मार्च की बताई जा रही है। ऐसी आशंका है कि मौत के इस मामले के पीछे ब्लू व्हेल चैलेंज ऑनलाइन गेम था, जिसे सुसाइड गेम भी कहा जाता है।

20 वर्षीय मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय में प्रथम वर्ष का छात्र 8 मार्च को मृत मिला था। ब्रिस्टल काउंटी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के प्रवक्ता ग्रेग मिलियोट का कहना है कि मामले की जांच आत्महत्या के एंगल से की जा रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, शुरू में कहा जा रहा था कि छात्र की हत्या की गई है। छात्र को लूटा गया और फिर हत्या कर उसके शव को जंगल में फेंक दिया गया। छात्र का शव जंगल में कार में मिला था। बोस्टन ग्लोब अखबार ने बाद में छात्र की पहचान उसके नाम से की।

हालांकि, परिवार की इच्छा को देखते हुए आईएएनएस नाम नहीं बता रहा है। लेकिन दुनिया भर में नाबालिगों और युवाओं को शिकार बनाने के लिए जाने जाने वाले इस खतरनाक गेम को खेलते समय, भारत और विदेश में भारतीय छात्रों और नाबालिगों और अभिभावकों के लिए एक सतर्क घटना के रूप में रिपोर्ट किए जाने की जरूरत है।

ब्लू व्हेल चैलेंज एक ऑनलाइन गेम है, जिसमें प्रतिभागियों (पार्टिसिपेंट) को एक चैलेंज दिया जाता है। इस गेम में 50 स्टेप्स हैं, जो धीरे-धीरे कठिन होते जाते हैं।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, चैलेंज के तौर पर छात्र ने दो मिनट तक सांसें रोक कर रखीं। भारत के लिए ब्लू व्हेल चुनौती से मौत की यह पहली घटना हो सकती है।

भारत सरकार कई साल पहले ब्लू व्हेल चैलेंज पर प्रतिबंध लगाना चाहती थी, लेकिन इसके बजाय एक एडवाइजरी जारी कर छोड़ दिया गया।

भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने गेम के शुरू होने के एक साल बाद 2017 में जारी एक एडवाइजरी में कहा, ब्लू व्हेल गेम (सुसाइड गेम) आत्महत्या के लिए उकसाने वाला है। इसलिए इससे दूर रहें।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह गेम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खेला जाता है। इसमें एक एडमिनिस्ट्रेटर और पार्टिसिपेंट शामिल होता है। एडमिनिस्ट्रेटर 50 दिन की अवधि के दौरान प्रतिदिन एक कार्य सौंपता है। शुरुआत में ये कार्य सरल होते हैं, लेकिन अंतिम चरण में खुद को नुकसान पहुंचाने के साथ वे काफी कठिन होते जाते हैं। गौरतलब है कि 2015 से 2017 के बीच रूस में ब्लू व्हेल चैलेंज से कई मौतें हुई थीं।

विश्व में अपने दुष्प्रचार अभियान को तेज करेगा चीन, गठित की इन्फार्मेशन फोर्स: चिनफिंग

बीजिंग , एजेंसी।
चीन में राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने शुक्रवार को इन्फार्मेशन सपोर्ट फोर्स (आइएसएफ) के गठन की घोषणा की। यह फोर्स चीन की सेना-पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की एक शाखा होगी। चिनफिंग ने कहा है कि यह फोर्स पीएलए की रणनीतिक शाखा होगी और यह विश्व की सबसे बड़ी सेना के एक स्तम्भ की तरह कार्य करेगी।

जाहिर है कि इस फोर्स के जरिये चीन विश्व में अपने दुष्प्रचार अभियान को तेज करेगा और यह फोर्स उसके प्रचार युद्ध में मुख्य भूमिका अदा करेगी। राष्ट्रपति चिनफिंग के पास चीन के केंद्रीय सैन्य आयोग के प्रमुख का पद भी है। इसके चलते वह चीनी सेना के सर्वोच्च कमांडर हैं। इस नई फोर्स का गठन सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के एक निर्णय के तहत हुआ है। पार्टी के महासचिव का पद भी चिनफिंग के पास है। इस लिहाज से चीन की सत्ता के तीनों सर्वोच्च पद चिनफिंग के पास हैं। आइएसएफ

के जरिये चीनी सेना अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए माहौल तैयार करेगी और इसके बाद जरूरत के अनुसार कार्रवाई करेगी। उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए यह नई फोर्स स्ट्रैटेजिक सपोर्ट फोर्स (एसएसएफ) के नए संस्करण के रूप में कार्य करेगी। पीएलए की शाखा के रूप में एसएसएफ को 2015 में गठित किया गया था। चिनफिंग ने आइएसएफ के गठन की घोषणा करते हुए उसके प्रतीक वाला ध्वज फोर्स के कमांडर को सौंपा। इस मौके पर राष्ट्रपति चिनफिंग ने उम्मीद जाहिर की कि आइएसएफ पीएलए की शाखा के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को उत्कृष्ट तरीके से निभाएगी। विदित हो कि चीन में पीएलए सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के निर्देश पर कार्य करती है और पार्टी द्वारा निर्धारित उद्देश्यों की पूर्ति करती है। कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति निष्ठावान रहने के लिए सैनिक शपथ भी लेते हैं।

राष्ट्रपति जरदारी के अभिभाषण पर हंगामा, संसद में लगे गो जरदारी गो के नारे; दो सांसद निलंबित

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में नई सरकार तो बन गई है, लेकिन विपक्ष लगातार इसका विरोध कर रहा है। गुरुवार को भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। यहां राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान सदन में जमकर हंगामा हुआ। हालांकि, अगले दिन यानी शुक्रवार को हंगामा करने के लिए दो सांसदों को निलंबित कर दिया। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को गुरुवार को उस समय जोरदार विरोध और नारेबाजी का सामना करना पड़ा, जब वह संसद के दोनों सदनों सीनेट और नेशनल असेंबली की संयुक्त बैठक को संबोधित कर रहे थे।अधिकारियों ने नए संसदीय वर्ष की शुरुआत के मौके पर संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान संसद में हंगामा करने के लिए दो सांसदों को निलंबित कर दिया। बता दें, प्रदर्शन किसी और ने नहीं बल्कि जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के सांसदों और सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) ने किया था। राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान कथित तौर पर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने के लिए नेशनल असेंबली के अध्यक्ष सरदार अयाज सादिक ने सांसद जमशेद दस्ती और मुहम्मद इकबाल खान के खिलाफ कार्रवाई की। बताया जा रहा कि हंगामा करने वालों में दर्जनों लोग शामिल थे। यह लोग राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान लगातार गो जरदारी गो का नारा लगाते रहे। हालांकि, राष्ट्रपति ने कुछ भी नहीं कहा और मुस्कुराते रहे।

नेशनल असेंबली ने शुक्रवार के सत्र में दो सांसदों के निलंबन का प्रस्ताव अध्यक्ष सादिक के सामने रखा, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। प्रस्ताव में कहा गया था कि जमशेद दस्ती और मोहम्मद इकबाल ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और धमकी भरे अंदाज में अध्यक्ष के मंच पर पहुंचे, जो अस्वीकार्य है। इस पर नेशनल असेंबली के अध्यक्ष ने विधानसभा के मौजूदा सत्र से दोनों सांसदों की सदस्यता वापस लेने का आदेश दिया।

पाकिस्तान को बैलिस्टिक मिसाइल बनाने में मदद करने का आरोप, अमेरिका ने चार कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

वॉशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका ने चीन की तीन और बेलारूस की एक कंपनी पर प्रतिबंध लगा दिया है। इन कंपनियों पर यह प्रतिबंध पाकिस्तान को बैलिस्टिक मिसाइल के पुर्जे मुहैया कराने के लिए लगाया गया है। अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने यह जानकारी दी। अमेरिका ने चीन की जिन तीन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया है, उनमें लॉन्गडे टेक्नोलॉजी डेवलेपमेंट की शी, तियानजिन क्रिएटिव सोर्स इंटरनेशनल ट्रेड और ग्रानपेक्ट कंपनी लिमिटेड का नाम शामिल है। वहीं बेलारूस की मिंस्क व्हील ट्रैक्टर प्लांट कंपनी पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। इन चारों कंपनियों पर पाकिस्तान के

बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम में मदद करने का आरोप है। मैथ्यू मिलर ने कहा कि ये कंपनियां भारी तबाही वाले हथियारों के प्रसार में शामिल पाई गई हैं। जिसके चलते इनके खिलाफ कार्रवाई की गई है। अमेरिका के विदेश विभाग ने बताया कि बेलारूस की कंपनी मिंस्क व्हील ट्रैक्टर प्लांट कंपनी पाकिस्तान के लंबी दूरी के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम के लिए विशेष व्हीकल चेसिस मुहैया कर रही थी। ये चेसिस बैलिस्टिक मिसाइल में लॉन्च सपोर्ट में इस्तेमाल होता है। अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया कि चीन की कंपनी ग्रानपेक्ट कंपनी लिमिटेड, पाकिस्तान में लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल तैयार करने वाले निकाय नेशनल डेवलेपमेंट कॉम्पलैक्स (एनडीसी) को फिलामेंट विंडिंग मशीन मुहैया कर रही थी। यह मशीन रॉकेट मोटर में इस्तेमाल की जा रही थी। चीन की ही कंपनी तियानजिन क्रिएटिव सोर्स इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड पाकिस्तान को वेल्डिंग संबंधी औजार और एक्सीलेटर सिस्टम देने में संलिप्त पाई गई। तियानजिन कंपनी का संबंध चीन की सेना के साथ भी पाया गया है। प्रतिबंध के तहत इन कंपनियों की अमेरिका में मौजूद संपत्ति को जब्त किया जाएगा। कंपनी के मालिक और बड़े हिस्सेदारों पर भी प्रतिबंध लगाया जाएगा। इससे पहले भी अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम में मदद करने के आरोप में तीन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया था। ये तीनों कंपनियां जनरल टेक्नोलॉजी लिमिटेड, बीजिंग लुओ लुओ टेक्नोलॉजी डेवलेपमेंट लिमिटेड और चांगझो यूटेक कंपोजिट कंपनी लिमिटेड है। ये तीनों कंपनियां भी चीन की हैं।

टॉयलेट क्लीनर मिलाकर बुशरा बीबी को पाकिस्तान की जेल में दिया जा रहा खाना, इमरान खान ने लगाए आरोप

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान इन दिनों संकट में घिरे हुए हैं। हाल ही में उनकी पत्नी को भी गिरफ्तार कर लिया गया था। वह खुद पहले से ही जेल में बंद है। इमरान ने इस बीच पाकिस्तान की एक अदालत को बता है कि उनकी पत्नी बुशरा बीबी को टॉयलेट क्लीनर मिलाकर खाना दिया जा रहा है। उन्होंने दावा किया यही कारण है कि उनकी पत्नी के पेट में रोजाना जलन होती है।

पाकिस्तान में कई मामलों में दोषी ठहराए गए क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान ने रावलपिंडी की अदियाला जेल में 190 मिलियन पाउंड के भ्रष्टाचार मामले में सुनवाई के दौरान यह आरोप लगाया। इमरान खान ने न्यायाधीश नासिर जावेद राणा को बताया कि अदालत कक्ष में अतिरिक्त दीवारें खड़ी की गई हैं, जिससे यह एक बंद अदालत जैसा प्रतीत होता है। इमरान खान ने कहा कि शौकत खानम अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ असीम यूसुफ ने शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में बुशरा बीबी के स्वास्थ्य परीक्षण कराने का सुझाव दिया था। उन्होंने कहा, जेल प्रशासन पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीआईएमएस) अस्पताल में परीक्षण करने पर अड़ा हुआ था।

संक्षिप्त समाचार

वोडाफोन-आइडिया के एफपीओ ने पकड़ी रफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्ज में डूबी टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन-आइडिया के 18,000 करोड़ रुपये के एफपीओ (फॉलो ऑन पब्लिक ऑफर) ने शुक्रवार को रफ्तार पकड़ी। इस दौरान मुख्य रूप से संस्थागत निवेशकों के आगे आने से इश्यू को करीब आधा सब्सक्रिप्शन मिल गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक एफपीओ के दूसरे दिन के अंत तक एंकर निवेशकों के 5,400 करोड़ रुपये सहित कुल 12,000 करोड़ रुपये से अधिक जुटाए गए हैं। बीएसई पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक पेशकश के तहत जारी 1,260 करोड़ शेयरों में से 617.46 करोड़ शेयरों को शुक्रवार तक सब्क्रिप्शन मिल चुका था। योग्य संस्थागत खरीदारों ने उनके लिए आरक्षित 360 करोड़ शेयरों में से 93 प्रतिशत के लिए बोली लगाई। गैर-संस्थागत निवेशकों ने उनके लिए तय 270 करोड़ शेयरों में से 75 प्रतिशत के लिए बोली लगाई। इश्यू पर खुदरा निवेशकों की प्रतिक्रिया धीमी रही और उनके लिए तय 630 करोड़ शेयरों में से केवल 13 प्रतिशत के लिए ही बोलियां मिलीं। इश्यू के लिए कीमत का दायरा 10-11 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी का शेयर शुक्रवार को बीएसई पर 2.12 प्रतिशत टूटकर 12.92 रुपये के भाव पर बंद हुआ। एफपीओ 22 अप्रैल को बंद होगा। कंपनी इक्विटी शेयरों के नए इश्यू से प्राप्त आय का उपयोग अपने नेटवर्क बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए, दूरसंचार विभाग को स्पेक्ट्रम के लिए कुछ भुगतान करेगी। इसके अलावा जीएसटी के 2,175 करोड़ और शेष राशि सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए शामिल हैं।

सोलर पैनल बनाने वाली कंपनी के शेयर ने रचा इतिहास, एक साल में बदला माहौल

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में लिस्टेड एनर्जी सेक्टर से जुड़ी कंपनी वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के लिए शुक्रवार का दिन खास रहा। दरअसल, ट्रेडिंग के दौरान इस सोलर पैनल निर्माता कंपनी का शेयर बीएसई पर 5 प्रतिशत चढ़कर 2386.10 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। पिछले साल इसी तारीख को यानी 19 अप्रैल के दिन शेयर 181 रुपये के स्तर पर था। बता दें कि 23 मई, 2023 को यह शेयर 52-सप्ताह के निचले स्तर 157.02 रुपये पर फिसल गया था। यह शेयर एक साल में 1198 प्रतिशत रिटर्न दे चुका है तो सिर्फ इस साल 438 प्रतिशत बढ़ा है। बिजनेस टुडे से टिप्स2ट्रेड्स के अभिजीत ने कहा-वारी रिन्यूएबल्स 2400 रुपये पर मजबूत ब्रेकआउट के साथ डेली चार्ट पर मंदी और ओवरबॉट है। यह शेयर शॉर्ट टर्म में गिरकर 1720 रुपये के स्तर पर आ सकता है। मेहता इक्विटीज के एक्सपर्ट रियांक अरोड़ा ने कहा कि शेयर लगातार ऊपर जा रहा है।

152 करोड़ प्रॉफिट, अब आईपीओ लेकर आ रही टेक्सटाइल कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। टेक्सटाइल सेक्टर से जुड़ी कंपनी-सनाथन टेक्सटाइल्स प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) लॉन्च करने वाली है। इसके लिए कंपनी ने 800 करोड़ जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ प्रारंभिक कागजात दाखिल किए हैं।

ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के मुताबिक आईपीओ में 500 करोड़ तक के फ्रेश शेयर हैं। वहीं, आईपीओ में प्रमोटर 300 करोड़ तक की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) करेंगे। कंपनी

100 करोड़ तक के इक्विटी शेयरों के प्री-आईपीओ प्लेसमेंट पर विचार कर सकती है। यदि ऐसा प्लेसमेंट किया जाता है तो नए इश्यू का साइज कम हो जाएगा। डैम कैपिटल एडवाइजर्स लिमिटेड और आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड इस इश्यू के बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं। इक्विटी शेयरों को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

ड्राफ्ट पेपर के मुताबिक 210 करोड़ के शेयरों के फ्रेश इश्यू से प्राप्त आय का उपयोग कंपनी की सहायक कंपनी - सनाथन पॉलीकॉट प्राइवेट - में निवेश के लिए किया जाएगा ताकि इसकी लॉन्ग टर्म वर्किंग कैपिटल जरूरत को पूरा किया जा सके। वहीं, 175 करोड़ का इस्तेमाल री-पेमेंट के लिए किया जाएगा।

10 रुपये में अपने शेयर बेच रही है दिग्गज कंपनी, दांव लगाने का आखिरी मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। वोडाफोन आइडिया के शेयरों में इस समय तेजी है। इस उछाल के पीछे की वजह एफपीओ है। कंपनी एफपीओ के जरिए 18,000 करोड़ रुपये जुटाने का प्रयास कर रही है। वोडाफोन आइडिया एफपीओ 18 अप्रैल को खुला था। कंपनी के पास इस एफपीओ पर 22 अप्रैल तक दांव लगाने का मौका है। यानी अब निवेशकों के पास महज एक दिन का ही समय बचा है। कंपनी ने एफपीओ के लिए 10 रुपये से 11 रुपये प्राइस बैंड तय किया है। ग्रे मार्केट में भी कंपनी का प्रदर्शन अच्छा है। एक्सपर्ट्स के अनुसार वोडाफोन आइडिया एफपीओ 1.40 रुपये के प्रीमियम पर उपलब्ध है। जोकि 18 अप्रैल के मुकाबले 0.40 रुपये अधिक है। बता दें, शुक्रवार को कंपनी के शेयरों का भाव 12.85 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। 2 दिन की बोलियों के दौरान इस एफपीओ को 0.49 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। रिटेल कैटगरी में यह एफपीओ 0.13 गुना सब्सक्राइब किया गया था।

हिंदुस्तान जिंक को अलग इकाइयों में बांटने पर सरकार से वार्ता जारी रहेगी: सीईओ

नई दिल्ली, एजेंसी। वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने शुक्रवार को कहा कि वह कंपनी को कई अलग इकाइयों में बांटने से संबंधित प्रस्ताव पर केंद्र के साथ वार्ता जारी रखेगी। यह बयान खान मंत्रालय द्वारा हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड को अलग इकाइयों में बांटने का प्रस्ताव खारिज करने के बीच आया है। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड अपना बाजार पूंजीकरण बढ़ाने के लिए जिंक एवं चांदी समेत अपने कारोबारों को अलग इकाइयों में बांटने की योजना का ऐलान कर चुकी है। हिंदुस्तान जिंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अरुण मिश्रा ने कहा कि यह मामला शुक्रवार को निदेशक मंडल की बैठक में भी चर्चा के लिए आया। उन्होंने कहा, ''मैंने निदेशक मंडल को एक बार फिर स्थिति से अवगत कराया और सरकार के साथ वार्ता जारी रखने का वादा किया। मैं अपने तर्क को समझाने की कोशिश करूंगा कि हम ऐसा क्यों करना चाहते हैं। हिंदुस्तान जिंक में सरकार सबसे बड़ी अल्पांश शेयरधारक है। उसके पास कंपनी में 29.54 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

मिश्रा ने कहा, ''सरकार विभिन्न मार्गों से विनिवेश की प्रक्रिया में हैं और उसे लगता है कि इस समय कंपनी को अलग इकाइयों में बांटने से विनिवेश का अवसर खतरे में पड़ जाएगा। उन्होंने कहा कि कंपनी अभी भी प्रस्ताव पर खान मंत्रालय के साथ बातचीत कर रही है और कुछ मुद्दों का समाधान करने की कोशिश कर रही है।

सिप्ला को झटका, जीएसटी प्राधिकरण ने लगाया 1.83 करोड़ रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। दवा कंपनी सिप्ला लिमिटेड ने शुक्रवार को कहा कि उत्पाद शुल्क से जीएसटी व्यवस्था में जाने के दौरान शिक्षा उपकर पर अमान्य क्रेडिट (ट्रांजिशनल) का दावा करने के लिए जीएसटी प्राधिकरण ने उस पर 1.83 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। सिप्ला ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी को सीजीएसटी एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क, मुंबई, महाराष्ट्र के प्रधान आयुक्त से 1,83,17,388 रुपए का जुर्माना लगाने का आदेश मिला है। यह आदेश केंद्रीय माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 और महाराष्ट्र माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 के प्रावधानों के तहत जारी किया गया। यह आदेश जारी करते हुए जीएसटी प्राधिकरण ने कहा कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2017-18 में उत्पाद शुल्क व्यवस्था से जीएसटी व्यवस्था में जाने के दौरान शिक्षा उपकर पर संक्रमणकालीन यानी 'ट्रांजिशनल क्रेडिट का दावा किया है, जो मान्य नहीं था। प्राधिकरण ने जुर्माने के साथ इसकी वसूली का आदेश दिया। सिप्ला ने कहा कि तथ्यों के आकलन और प्रचलित कानून के आधार पर वह इस संबंध में अपीलीय प्राधिकार के पास अपील दायर करेगी। कंपनी ने यह भी कहा कि उक्त आदेश के कारण उसकी वित्तीय स्थिति या परिचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

जियो फाइनेंशियल तिमाही नतीजे

नेट प्रॉफिट 6 प्रतिशत बढ़कर 311 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने शुक्रवार को मार्च 2024 को समाप्त तिमाही के नतीजे घोषित किए। उसने 311 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट दर्ज किया है। इसमें 6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। दिसंबर तिमाही में यह आंकड़ा 294 करोड़ रुपये था। परिचालन से समेकित राजस्व पिछली तिमाही के 414 करोड़ रुपये के मुकाबले 418 करोड़ रुपये पर फ्लैट रहा। मार्च तिमाही में कुल खर्च 103 करोड़ रुपये रहा। जबकि सितंबर तिमाही में यह 98 करोड़ रुपये था।

मार्च 2024 को समाप्त पूरे वर्ष के लिए वित्तीय सेवा कंपनी

का शुद्ध लाभ कई गुना बढ़कर 1,604 करोड़ रुपये हो गया। जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में यह सिर्फ 31 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए रेवेन्यू भी कई गुना बढ़कर 1,854 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष में यह 42 करोड़ रुपये था। जियो फाइनेंशियल की समेकित आय में इसकी सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों की अनिंग शामिल है। इनमें जियो फाइनेंस, जियो पेमेंट सॉल्यूशंस, रिलायंस इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट्स एंड होल्डिंग्स, जियो इंश्योरेंस ब्रोकिंग, जियो इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट सर्विसेज, जियो इंफॉर्मेशन एग्रीगेटर सर्विसेज, रिलायंस सर्विसेज एंड होल्डिंग्स, पेट्रोलियम ट्रस्ट और जेवी फर्म जियो पेमेंट्स बैंक शामिल हैं। चौथी तिमाही में कंपनी की ब्याज आय बढ़कर 281 करोड़ रुपये हो गई। जबकि तीसरी तिमाही में यह 269 करोड़ रुपये थी। इस बीच फीस और कमीशन इनकम बढ़कर 41 करोड़ रुपये हो गई। इस सप्ताह की शुरुआत में जियो फाइनेंशियल ने घोषणा की थी कि उसने अपने धन प्रबंधन और ब्रोकिंग व्यवसाय के लॉन्च के लिए परिसंपत्ति प्रबंधन फर्म ब्लैकरॉक, इंक के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

भारत की अध्यक्षता में हुए जी20 सम्मेलन की आईएमएफ ने की तारीफ, विश्व बैंक ने भी सराहा

वॉशिंगटन एजेंसी। अमेरिका में आईएमएफ और विश्व बैंक की वार्षिक बसंत बैठक चल रही है। इस बैठक में शामिल होने के लिए भारत की तरफ से आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ भी अमेरिका दौरे पर हैं। अजय सेठ ने बताया कि इस बैठक के दौरान आईएमएफ और विश्व बैंक ने भारत की अध्यक्षता में हुए जी20 सम्मेलन की तारीफ की। बैठक में कहा गया कि भारत की अध्यक्षता में हुए जी20 सम्मेलन के दौरान वैश्विक मुद्दों पर

जिस तरह से आम सहमति बनाई गई, वह काबिले तारीफ है।

भारत में हुए जी20 सम्मेलन की इस बात को लेकर हुई तारीफ : भारत में 9-10 सितंबर को जी20 सम्मेलन की बैठक हुई थी। इस सम्मेलन में 37 पेज का एक आम सहमति घोषणा पत्र पारित हुआ था, जिसमें रूस-यूक्रेन युद्ध समेत वैश्विक अर्थव्यवस्था के कई मुद्दों पर आम सहमति से कदम उठाए गए थे। भारत की अध्यक्षता में हुए जी20 सम्मेलन में विभिन्न मुद्दों पर जिस तरह से सभी की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए बैठकें आयोजित की गईं, उसकी भी तारीफ हुई।

आईफोन मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में कंट्रोलिंग स्टेक खरीदने की तैयारी में टाटा समूह

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा समूह भारत में आईफोन का मैन्युफैक्चरिंग करने वाली पेगाट्रॉन कॉरपोरेशन में ऑपरेशंस का नियंत्रण हासिल करने की तैयारी में हैं। उसके लिए ग्रुप पेगाट्रॉन के साथ डील कर सकता है। जानकारी के मुताबिक ऐसा कहा जा रहा है कि ये डील मई महीने में फाइनल हो सकती है। अगर ये डील होती है तो माना जा रहा है कि एपल इंक और टाटा ग्रुप के बीच के संबंध और मजबूत होंगे। एपल का हैंडसेट एसेंबल करने वाली इस ताइवानी कंपनी में कंट्रोलिंग स्टेक खरीदने का प्रोसेस अंतिम चरण में हैं।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने अपनी 7वीं बैंकिंग वर्षगांठ पर लॉन्च किया इंटरनेशनल फंड ट्रांसफर, क्रॉस बॉर्डर ट्रेड फाइनेंस और फॉरेक्स सर्विसेज

एयू रेमिट अनिवासी भारतीय (एनआरआई) ग्राहकों को उनके एयू एन.आर.ई. बचत खाते से विदेशी मुद्रा में उनके विदेशी खातों में डिजिटल रूप से फंड ट्रांसफर करने में सक्षम बनाता है

मुंबई, एजेंसी। भारत का सबसे बड़ा स्मॉल फाइनेंस बैंक (एस.एफ.बी.) एयूएस.एफ.बी., लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम (उदारीकृत प्रेषण योजना ङ्क एल.आर.एस.) के तहत इंटरनेशनल फंड ट्रांसफर शुरू करने के लिए एक प्लेटफॉर्म एयू रेमिट पेश करके अपना 29वां स्थापना वर्ष और 7वीं बैंकिंग वर्षगांठ मना रहा है। इस प्लेटफॉर्म को अपने रिटेल ग्राहकों की अलग अलग तरह की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। बैंक ने अपने एम.एस.एम.ई. ग्राहकों के लिए एयू डिजिट्रेड प्लेटफॉर्म और निर्यातकों और आयातकों के लिए कई ट्रेड फाइनेंस और विदेशी मुद्रा सेवाएं भी लॉन्च की हैं। इन दोनों सेवाओं की शुरुआत ग्राहक-केंद्रित वित्तीय समाधानों को बढ़ाने की दिशा में एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

ज्ञात रहे, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने अप्रैल 2023 में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से अधिकृत डीलर श्रेणी 1 (अथॉराइज्ड डीलर कैटेगरी - एडी 1) लाइसेंस प्राप्त किया था, जिससे बैंक को विदेशी मुद्रा लेनदेन की एक बड़ी रेंज संचालित करने का अधिकार मिला। इसका लाभ उठाते हुए, एयू रेमिट रिटेल ग्राहकों के लिए इंटरनेशनल फंड ट्रांसफर में एक नया मानक स्थापित करता है, जबकि एयू डीजेट्रेड से एम.एस.एम.ई. निर्यातकों और आयातकों को लाभ होगा। एयू रेमिट अनिवासी भारतीय (एनआरआई) ग्राहकों को उनके एयू एनआरई बचत खाते से विदेशी मुद्रा में उनके विदेशी खातों में डिजिटल रूप से फंड ट्रांसफर करने में सक्षम बनाता है। इसके अलावा, यह रेजिडेंशियल व्यक्तियों और प्रोपराइटर फर्मों को भी अपनी सेवाएं प्रदान करता है, जिससे उन्हें वेब पोर्टल और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक की ब्रॉन्च के माध्यम से एल.आर.एस. योजना के तहत आरबीआई द्वारा लिस्ट किए गए उद्देश्यों के लिए विदेश में पैसा भेजने में मदद मिलती है। एयू रेमिट ट्रांसफर प्रक्रिया को व्यवस्थित करता है, लंबे व बोझिल डॉक्युमेंटेशन की आवश्यकताओं को समाप्त करता है और ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाता है।

इस लॉन्च पर एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के फाउंडर, एमडी और सीईओ, संजय अग्रवाल ने कहा कि मैं बैंक के 1.1 करोड़ ग्राहकों, 46,000से अधिक कर्मचारियों, 2 लाख घरेलू और इंटरनेशनल शेयरधारकों, रेगुलेटर्स और सरकार के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। हमारी बैंकिंग यात्रा के पहले 7 सालों के दौरान सरकार और अन्य सभी हितधारकों को उनके पूरे दिल से समर्थन के लिए धन्यवाद। आज, जब एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक अपना 29वां स्थापना वर्ष और 7वीं बैंकिंग वर्षगांठ मना रहा है, हम फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ एकीकरण पूरा होने के बाद दक्षिणी भारत में हालिया विस्तार के साथ एक नए युग की दहलीज पर खड़े हैं। यह मील का पत्थर न सिर्फ हमारी विकास और विस्तार की यात्रा का प्रतीक है, बल्कि इनोवेशन और ग्राहक पर फोकस करने के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को भी मजबूत करता है।

संजय अग्रवाल ने आगे कहा कि अधिकृत डीलर श्रेणी 1 (अथॉराइज्ड डीलर कैटेगरी - एडी 1)लाइसेंस हासिल करने के एक साल के अंदर उसके संचालन के साथ, बैंक ने अपने उत्पादों की पेशकश पूरी कर ली है और अब हमें हमारे प्रतिष्ठित निर्यातक-आयातक कम्युनिटी बेस के साथ काम करने का मौका मिलेगा। हमारी लेटेस्ट पेशकश- एयू रेमिट, एयू डिजीट्रेड, ट्रेड फाइनेंस और फॉरेक्स प्रोडक्ट्स एंड सर्विसेज हमारे एन.आर.आई. ग्राहकों और एक्जिम ग्राहकों को शुल्क भुगतान, चिकित्सा उपचार, परिवार के रखरखाव, ट्रेड पेमेंट जैसे कई तरह के इंटरनेशनल रेमिटेंस ट्रांजेक्शन को आसानी से पूरा करने में सक्षम बनाने के साथ ही बैंक से निर्यात और आयात क्रेडिट सुविधाओं के लिए सक्षम बनाएगा।

भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान 2024-25 के लिए खुले प्रवेश

भोपाल। भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) ने बीएस-एमएस (दोहरी डिग्री) और चार वर्षीय बीएस डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। आईआईएसईआर बेरहामपुर, आईआईएसईआर भोपाल, आईआईएसईआर कोलकाता, आईआईएसईआर मोहाली, आईआईएसईआर पुणे, आईआईएसईआर तिरुवनंतपुरम और आईआईएसईआर तिरूपति सहित आईआईएसईआर में प्रवेश चाहने वाले संभावित उम्मीदवारों को आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आईआईएसईआर एप्टीट्यूडटेस्ट (आईएटी 2024) के लिए पंजीकरण करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

ऑनलाइन आवेदन विंडो 13 मई 2024 तक खुली रहेगी और प्रवेश परीक्षा 9 जून 2024 (रविवार) को आयोजित होने

वाली है। भारतीय नागरिकता वाले आवेदक, भारतीय मूल के व्यक्ति (पीआईओ), भारत के विदेशी नागरिक (ओसीआई), और विदेशी नागरिक आईएटी 2024 के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। परीक्षा केंद्र और आईआईएसईआर एप्टीट्यूड टेस्ट से संबंधित अन्य विवरण वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। विशिष्ट क्षेत्रों में विशेषज्ञता को बढ़ावा देते हुए छात्रों को विज्ञान की व्यापक समझ प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए अंत:विषय पाठ्यक्रम के साथ, आईआईएसईआर छात्रों को उनके शैक्षणिक हितों का पूरी तरह से पता लगाने के लिए सशक्त बनाता है। कक्षा से परे, छात्रों के पास अत्याधुनिक अनुसंधान के अवसरों तक पहुंच है, वे अभूतपूर्व खोजों पर संकाय के साथ सहयोग करते हैं।

जब पहली ही फिल्म में मिला सलमान के साथ काम करने का मौका

ऐसा था जरीन का रिएक्शन

रीन खान ने साल 2010 सलमान की फिल्म वीर से बॉलीवुड में डेब्यू किया था. एक इंटरव्यू में उन्होंने इस बात का खुलासा किया है कि जब वो अपनी पहली ही फिल्म में सलमान जैसे मेगास्टार के साथ काम कर रही थीं, तो उनका रिएक्शन कैसा था. उस समय उनकी तुलना कटरीना कैफ से भी हुई थी.

जरीन खान ने सलमान खान की फिल्म 'वीर' से बॉलीवुड की दुनिया में कदम रखा था. डेब्यू के साथ ही एक्ट्रेस अपने लुक्स की वजह से चर्चा में रहीं. लोग उनकी तुलना कटरीना कैफ से करने लगे थे. फीवर डिजिटल से बात करते हुए जरीन ने अपने बीते दिनों को याद किया है और अपनी जिंदगी के बारे में खुलकर बात की है. जरीन के मुताबिक, उन्हें यकीन ही नहीं हो रहा था कि उन्हें सलमान खान जैसे मेगा स्टार के साथ काम करने का मौका मिला है.

बातचीत के दौरान जरीन खान बताती हैं कि वो हर वक्त सलमान को देखती रहती थीं, क्योंकि उन्हें यकीन ही नहीं होता था कि सच में उनके साथ ये सब हो रहा है. जरीन खान इस समय अपने परिवार के साथ मुंबई में रह रही हैं. जीवन से मिले कुछ सबक के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि वो कभी भी चीजों को हल्के में नहीं लेती हैं. उन्होंने बताया कि कई बार ऐसा भी होता है जब वो पूरी तरह उदास हो जाती हैं और काम नहीं करना चाहतीं, लेकिन फिर वो खुद को समझती हैं और आगे बढ़ती हैं.

भुवन बाम की वेब सीरीज 'ताजा खबर 2' की शूटिंग हुई पूरी

मशहूर यूट्यूबर और अभिनेता भुवन बाम की वेब सीरीज 'ताजा खबर सीजन 2' की शूटिंग पूरी हो चुकी है। शूटिंग पूरी होने पर अभिनेता ने सभी का आभार जताया है। बता दें कि भुवन बम की वेब सीरीज 'ताजा खबर' को हॉटस्टार पर स्ट्रीम किया गया था। इस सीरीज को फैंस और दर्शकों का काफी प्यार भी मिला था। अब अभिनेता इसकी दूसरी श्रृंखला लेकर प्रस्तुत हैं। उम्मीद की जा रही है कि इसका दूसरा सीजन जल्द ही हॉटस्टार पर प्रसारित होगा। कंटेंट निर्माता और अभिनेता भुवन बाम ने शूटिंग पूरी होने पर कहा, 'ताजा खबर सीजन 2' की शूटिंग घर वापसी जैसी थी। सेट पर हर दिन बहुत ही शानदार रहा। हमारी टीम एक परिवार की तरह है। मुझे विश्वास नहीं हो रहा की हम शूटिंग के आखिरी दिन पर पहुंच गए हैं। श्रिया, प्रथमेश, देवेन जी और सभी सीजन 2 की शूटिंग के लिए उत्साहित थे।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे याद है जब मैंने सीजन 1 लॉन्च किया था। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इसे इतना प्यार मिलेगा, खासकर मेरे किरदार 'वसंत' को। अब सीजन 2 आने के लिए तैयार है। मैं इसका इंतजार नहीं कर पा रहा हूं कि दर्शक इस पर कैसी प्रतिक्रिया देंगे। मुझे उम्मीद है कि दर्शक दूसरे सीजन का आनंद लेंगे। सीरीज की अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर ने कहा कि ताजा खबर सीजन 2 की शूटिंग बहुत मजेदार रही। मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि हम शूटिंग के आखिरी दिन पर पहुंच गए हैं। यह शानदार सफर रहा। मैं मधु का किरदार निभाने और सेट के अनुभव को याद करूंगी। मैं इंतजार में हूं कि नए सीजन पर दर्शक कैसी प्रतिक्रिया देंगे। अभिनेत्री आगे कहती हैं कि इस सीजन में 'मधु' का नया अवतार देखने को मिलेगा। बता दें कि यह सीरीज 'बीबी के वाइन्स प्रोडक्शंस' के बैनर तले रोहित राज और भुवन बाम द्वारा निर्मित है। इसका निर्देशन हिमांक गौड़ ने किया है। सीरीज में भुवन बाम के अलावा श्रिया पिलगांवकर, महेश मांजरेकर, देवेन भोजानी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

हर्षवर्धन कपूर ने ट्रोल करने वालों को दिया मुंहतोड़ जवाब

सोशल मीडिया पर अक्सर सितारे ट्रोल्स के निशाने पर रहते हैं। आए दिन बॉलिवुड अभिनेता-अभिनेत्रियों की ट्रोलिंग से जुड़ी खबरें सुर्खियां बटोरती हैं। ताजा मामले में ट्रोल्स ने हर्षवर्धन कपूर को शिकार बनाया है। उनके एक पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, एक अच्छी फिल्म करो, कब तक आप अपने पापा के पैसे से जूते खरीदोगे? इसके बाद हर्षवर्धन कपूर ने भी ट्रोल करने वालों को तगड़ा जवाब दिया । हर्षवर्धन अक्सर सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स को आड़े हाथ लेते रहते हैं । वह अन्य सितारों की तरह ट्रोलर्स को नजरअंदाज नहीं करते । हाल हीं में एक ट्रोल ने उनकी अभिनय क्षमता, फिल्मों के चयन को लेकर आलोचना करते हुए कहा कि वह अपने पिता अनिल कपूर के पैसे से जूते खरीदते हैं। दरअसल हर्षवर्धन कपूर ने मैनचेस्टर सिटी फुटबॉल टीम को लेकर एक आलोचनात्मक पोस्ट अपने एक्स अकांउट पर किया था। इस पर एक ट्रोल ने कमेंट किया, एक अच्छी फिल्म कर लो, कब तक पापा के पैसे से जूते खरीदोगे? इस पर हर्षवर्धन ने जवाब दिया, मैं तुम्हारी फिल्में कहां देख सकता हूं? तुमने कितनी फिल्में की हैं? मैनें तो रे,थार,भावेश जोशी, ए.के. वर्सेज ए.के. और मिर्जया की हैं, तुम कौन हो?.. एक हारा हुआ व्यक्ति! हर्षवर्धन कपूर एक प्रतिभावान अभिनेता हैं, जिन्हें मिर्जया और भावेश जोशी जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। हालांकि इन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर बहुत ज्यादा कामयाबी तो हासिल नहीं की, लेकिन दर्शकों से इन्हें प्यार जरूर मिला।

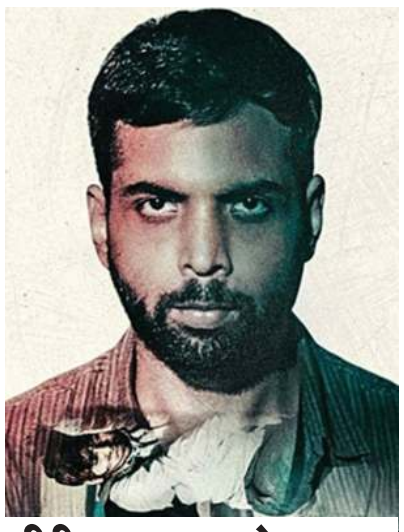

सीरीज पाताल लोक का अगला भाग नहीं लाना चाहते अभिषेक बनर्जी!

अमेजन प्राइम वीडियो की सुपरहिट वेब सीरीज 'पाताल लोक' के दूसरे सीजन की कहानी पर काम करीब करीब पूरा हो चुका है। सीरीज के लीड कलाकार जयदीप अहलावत अपने लोकप्रिय किरदार हाथीराम चौधरी के साथ फिर से वापसी की तैयारी शुरू कर चुके हैं। हालांकि, बता दें कि पाताल लोक 2 के बारे में सुनते ही सीरीज में हथौड़ा त्यागी उर्फ अभिषेक बनर्जी दुखी हो जाते हैं। आइए जानते हैं कि ऐसा क्यों है। हाल ही में, एक इंटरव्यू में हथौड़ा त्यागी की भूमिका निभाने वाले अभिषेक बनर्जी ने खुलासा किया है कि जब भी पाताल लोक 2 सीरीज के बारे में बात होती है तो उनका मन काफी दुखी हो जाता है। अभिनेता के इस बयान से फैंस काफी हैरान हो गए हैं। हालांकि, अभिषेक ने इसके पीछे की वजह का भी खुलासा किया है।

बॉलीवुड में सही प्रोजेक्ट नहीं मिलने पर बोलीं परिणीति

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा इस समय इम्तियाज अली की फिल्म अमर सिंह चमकीला में अपनी भूमिका के लिए प्रशंसा बटोर रही हैं। निजी जिंदगी को लेकर भी परिणीति खूब लाइमलाइट में रहती हैं। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने हिंदी फिल्म उद्योग में लॉबिंग प्रणाली के बारे में खुलकर बात की है। अपने हालिया साक्षात्कार में परिणीति ने कहा कि वह कभी भी उन पार्टियों में शामिल नहीं होती हैं, जहां कलाकारों के लिए प्रोजेक्ट बनाए जाते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें कोई पछतावा नहीं है। अभिनेत्री ने यह भी स्वीकार किया कि उनका पीआर गेम बाकी कलाकारों की तुलना में मजबूत नहीं है, लेकिन उन्हें खुद पर भरोसा है और वह चाहती हैं कि फिल्म निर्माता उनसे वही भूमिकाएं दें, जिन्हें वह करने में सक्षम हैं। परिणीति का कहना है कि उन्होंने अमर सिंह चमकीला जैसे मौके के लिए करीब 10 साल तक इंतजार किया। फिल्म में वह सिंगर अमरजोत यानी अमर सिंह चमकीला की पत्नी का किरदार निभाया है।

सामंथा ने जान्हवी की फिल्म उलझ की तारीफों के बांधे पुल

जान्हवी कपूर के पास कई बड़े प्रोजेक्स की फिल्में हैं। जिसमें उनकी तेलुगु डेब्यू फिल्म भी शामिल है। इस तेलुगु फिल्म में वह जूनियर एनटीआर और राम चरण के साथ नजर आएंगी। इसी के साथ उनकी फिल्म उलझ रिलीज के लिए तैयार है। निर्देशक सुधांशु सारिया की आने वाली सस्पेंस थ्रिलर फिल्म उलझ का टीजर 17 अप्रैल को रिलीज किया था। फिल्म का टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर लोगों की प्रतिक्रिया आनी शुरू हो गई थी। फिल्म उलझ को सोशल मीडिया पर पॉजिटिव रिस्पांस मिल रहे हैं। सबसे पहले जान्हवी कपूर की उलझ को लेकर उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया का प्रतिक्रिया आई थी और इसके बाद राजकुमार राव की प्रतिक्रिया आई थी। अब इसी लिस्ट में एक और नाम जुड़ गया है बॉलीवुड अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु का। अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर जान्हवी कपूर की फिल्म उलझ को लेकर एक स्टोरी शेयर की, जिसमें उन्होने कैप्शन दिया, असाधारण है आपका यह लुक। पहले से भी और अधिक मजबूत जान्हवी कपूर। इसके बाद जान्हवी ने समांथा के इस पोस्ट पर रिप्लाई किया। अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु जल्द ही हॉलीवुड स्पाई थ्रिलर वेब सीरीज सिटाडेल के हिंदी रुपांतरण को लेकर लंबे समय से चर्चाएं हो रही हैं।

साल 2024 में इन सितारों के घर गूंजेगी किलकारी

बॉलीवुड अभिनेत्रियों ने अब फिल्मों से ब्रेक लेने का सोच लिया है। क्योंकि यह सभी हसीनाएं मां बनने वाली हैं। दीपिका पादुकोण, ऋचा यामी गौतम और अमाला पॉल प्रेगनेंट हैं। इन सभी ने अपनी प्रेगनेंसी की खबर को सोशल मीडिया पर एक प्यारे नोट के साथ शेयर किया था। इसके साथ ही उन्होंने यह भी जानाकारी दी थी कि कब वह एक नन्हें बच्चे की मां बनेगी।

दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण और रणवीर की शादी 2018 में हुई थी, जिसके छह साल बाद दोनों पेरेंट्स बनने को लेकर बेहद एक्साइटेड हैं। कुछ हफ्ते पहले ही दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने अपने जीवन की सबसे बड़ी खबर को सोशल मीडिया पर शेयक किया। कपल ने बताया था की वह इस साल सितंबर में बच्चे का स्वागत करने वाले है। दीपिका के इस पोस्ट के बाद कई बॉलीवुड, टीवी जगत की तमाम हस्तियों ने दीपिका और रणवीर सिंह को बधाई दी।

ऋचा चड्ढा-अली फजल

ऋचा चड्ढा और अली फजल भी जल्द ही पेरेंट्स बनने वाले हैं। शादी के 4 साल बाद उनके घर में खुशखबरी आने वाली है। वो अपने पहले बच्चे का वेलकम जल्द ही करेंगे।
प्रेगनेंसी की खुशखबरी को उन्होंने 9 फरवरी को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। अली ने इंस्टाग्राम पर 2 तस्वीरें पोस्ट की थीं। एक तस्वीर में 1+1=3 लिखा था और दूसरी तस्वीर में ऋचा और अली साथ में पोज देते नजर आए थे। इस पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा था- एक छोटी सी दिल की धड़कन हमारी दुनिया की सबसे तेज आवाज है। ऋचा और अली ने मार्च 2020 में कोर्ट मैरिज की थी। इसके बाद दोनों ने रीति रिवाजों के साथ 2022 में अपनी फैमिली और फ्रेंड्स के साथ सभी रस्में निभाई थी।

यामी गौतम-आदित्य धर

आर्टिकल 370 अभिनेत्री यामी गौतम भी मां बनने वाली हैं। उनकी प्रेगनेंसी को पांच महीने से ऊपर हो गए हैं। उनके पति और फिल्ममेकर आदित्य धर ने फिल्म आर्टिकल 370 की शूटिंग के दौरान फैंस के साथ यामी की प्रेगनेंसी की खुशखबरी बताई थी। वो मई में बेबी को जन्म देंगी।

अमाला पॉल

फेमस साउथ इंडियन एक्ट्रेस अमाला पॉल अपने वर्क फ्रंट और फैमिली फ्रंट दोनों में खुशनुमा दिनों को इंजॉय कर रही हैं। शादी के दो महीने बाद ही फैंस को गुड न्यूज देने वाली आडुजीवितम द गोट लाइफ अभिनेत्री अमाला पॉल ने गोदभराई की तस्वीरें शेयर की हैं। इसी साल जनवरी में उन्होंने एक दिलचस्प पोस्ट के साथ अपनी प्रेग्नेंसी अनाउंस की थी.

प्रिंस-युविका

युविका और प्रिंस ने साल 2018 में बड़ी ही धूम-धाम से मुंबई में शादी रचाई थी। शादी के पांच साल बीत जाने के बाद एक्ट्रेस ने अपनी फैमिली प्लानिंग को लेकर कई बाते की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक युविका जल्द ही मां बनने वाली हैं।

- साभार एजेंसी

संजय मांजरेकर ने क्यों कही ये बात

उम्मीद है चयनकर्ता रिंकू को नहीं भूलेंगे

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में अब तक कोलकाता नाइट राइडर्स के शीर्ष क्रम ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इस बीच रिंकू सिंह को बल्लेबाजी का ज्यादा मौका नहीं मिल रहा है। रिंकू ने बतौर फिनिशर पिछले साल शानदार प्रदर्शन किया था। इसके बौदलत उन्हें भारतीय टीम में उन्हें जगह मिली थी। भारत के लिए भी उन्होंने कई मैच फिनिश किया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर को लगता है कि केकेआर के लिए बल्लेबाजी का ज्यादा मौका न मिलना रिंकू को भारत की टी20 विश्व कप टीम में जगह न देने का यह कोई कारण नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि रिंकू को ज्यादा मौका नहीं मिल रहा है और उम्मीद है चयनकर्ता उन्हें नहीं भूलेंगे। रिंकू ने इस सीजन 51 गेंद पर 83 रन बनाए हैं। 26 उनका सर्वोच्च स्कोर है। उनका स्ट्राइक रेट 162.75 का है।

मांजरेकर ने रिंकू सिंह को लेकर क्या कहा?

मांजरेकर ने रिंकू को लेकर फर्स्टपोस्ट से कहा, क्योंकि उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिल रहे हैं, मुझे उम्मीद है कि चयनकर्ता रिंकू सिंह को नहीं भूलेंगे। वह सीधे तौर पर भारतीय टीम में चयन होना चाहिए। जब भी उन्हें अवसर मिला है, आपने देखा है कि उन्होंने कितना अच्छा प्रदर्शन किया है। अपनी निरंतरता और रेज दिखाई है। भारतीय टीम के मुख्य खिलाड़ियों के अलावा, उन बड़े नामों के अलावा जिनके बारे में हम सोच रहे हैं, मैं उन्हें पसंद करता हूं।

रिंकू सिंह ने 15 टी20 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया

रिंकू सिंह ने 15 टी20 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इसमें उन्होंने 7 मैचों में नाबाद रहते हुए 176.23 के स्ट्राइक रेट से 356 रन बनाए हैं। उनका औसत 89 रन का है। ऐसे में बतौर फिनिशर उन्हें भारत की टी20 वर्ल्ड कप टीम में जगह मिलनी चाहिए। 1 जून से यह टूर्नामेंट अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में खेला जाएगा। भारतीय टीम का चयन 1 मई से पहले हो जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

पाक वर्सेस न्यूजीलैंड

बाबर और कोहली के इस संयुक्त रिकॉर्ड को एक साथ तोड़ने के करीब हैं रिजवान, इतने रन की है जरूरत

नईदिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का आयोजन किया जा रहा है और इस सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टीम पाकिस्तान आई हुई है। इन दोनों टीमों के बीच इस टी20आई सीरीज का दूसरा मुकाबला शनिवार को रावलपिंडी में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे मुकाबले में पाकिस्तान के विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान के पास एक बड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम करने का सुनहरा मौका है जो अभी बाबर आजम और विराट कोहली के नाम पर संयुक्त रूप से दर्ज है।

सबसे तेज 3000 रन बनाने के करीब रिजवान

न्यूजीलैंड के खिलाफ रिजवान के पास टी20आई में सबसे तेज 3000 रन बनाने का रिकॉर्ड अपने काम करने का अच्छा मौका है और इसके लिए उन्हें 19 रन की जरूरत है। कीवी टीम के खिलाफ 19 रन बनाते ही रिजवान टी20आई में सबसे कम पारियों में 3000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे और बाबर व कोहली को पीछे छोड़ देंगे। बाबर और कोहली ने टी20आई में 81-81 पारियों में 3000 रन पूरे किए थे। वहीं रिजवान की बात करें तो उन्होंने अब तक टी20आई में 91 मैचों की 78 पारियों में 2981 रन बनाए हैं। 19 रन बनाते ही वो 3000 रन 79 पारियों में पूरे कर लेंगे और बाबर साथ ही कोहली से आगे निकल जाएंगे।

टी20आई में सबसे कम पारियों में 3000 रन बनाने वाले बल्लेबाज

बाबर आजम – 81 पारी
विराट कोहली – 81 पारी
एरोन फिंच – 98 पारी
मार्टिन गप्टिल – 101 पारी
डेविड वॉर्नर – 102 पारी

टिम डेविड और पोलार्ड पर BCCI ने लगाया जुर्माना

मुंबई, एजेंसी । एमआई के बल्लेबाज टिम डेविड और बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड पर पंजाब किंग्स के खिलाफ उनकी टीम के मैच के दौरान आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

आईपीएल की तरफ से टिम डेविड और पोलार्ड पर जुर्माना लगाए जाने को लेकर दी गई जानकारी में बताया गया कि दोनों पर पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में जुर्माना लगाया गया है। डेविड और पोलार्ड ने आचार संहिता के अनुच्छेद 2.20 के लेवल 1 का अपराध किया है।

इसके चलते डेविड और पोलार्ड पर उनकी मैच फीस का 20 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। इस आचार संहित के उल्लंघन के मामले में मैच रेफरी का फैसला अंतिम माना जाता है। दोनों ने ही अपनी गलती स्वीकार कर ली है। डीआरएस का उपयोग करते समय खिलाड़ियों को मैदान के बाहर से किसी की मदद लेने की अनुमति नहीं है।

धोनी 5000 आईपीएल रन बनाने वाले पहले विकेटकीपर

लखनऊ, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स को तीसरी हार मिली। शुक्रवार को लखनऊ सुपरजायंट्स ने लखनऊ में सबसे बड़ा टारगेट चेज कर सीएसके को 8 विकेट से हरा दिया।

चेन्नई से एमएस धोनी ने 8 बॉल पर 28 रन बनाए, वह 40 की उम्र के बाद 500 आईपीएल रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने। धोनी ने बतौर विकेटकीपर 5 हजार आईपीएल रन भी पूरे कर लिए, वह ऐसा करने वाले पहले विकेटकीपर बने। स्स्त के कप्तान केएल राहुल बतौर विकेटकीपर सबसे ज्यादा 25 बार 50 प्लस स्कोर बनाने वाले प्लेयर बन गए।

1. 40 की उम्र के बाद धोनी के नाम सबसे ज्यादा रन

सीएसके के महेंद्र सिंह धोनी ने 8 बॉल पर 28 रन बनाए, इसी के साथ उनके 40 की उम्र के बाद आईपीएल में 500 रन पूरे हो गए। वह आईपीएल में 40 साल की उम्र के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर बन गए। धोनी फिलहाल 42 साल के हैं। उन्होंने क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 40 की उम्र के बाद 481 आईपीएल रन बनाए हैं।

2. धोनी का स्ट्राइक रेट पिछले 2 साल में सबसे बेस्ट

छ्स्य के एमएस धोनी ने पिछले साल आईपीएल में 182.46 की स्ट्राइक रेट से 104 रन बनाए। इस साल वह 255.88 की स्ट्राइक रेट से 87 रन बना चुके हैं। आईपीएल में पिछले 2 साल में 50 से ज्यादा गेंदें खेलने वाले प्लेयर्स में धोनी का स्ट्राइक रेट से सबसे बेहतर है। वह 209.89 की स्ट्राइक रेट से रन बना रहे हैं। उनके बाद स्र्श्च के अभिषेक शर्मा ने 205.26 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं।

3. धोनी 5 हजार आईपीएल रन बनाने वाले पहले विकेटकीपर

एमएस धोनी बतौर विकेटकीपर खेलते हुए आईपीएल में 5000 से ज्यादा रन पूरे कर चुके हैं। वह ऐसा करने वाले पहले ही विकेटकीपर बने। उन्होंने बतौर विकेटकीपर 251 मैच भी खेल लिए हैं। धोनी के बाद आरसीबी के दिनेश कार्तिक ने बतौर विकेटकीपर 228 मैचों में 4363 रन बनाए हैं।

सिर चढ़कर बोली चेन्नई सुपर किंग्स की दीवानगी

फैन ने सीएसके की थीम पर बनवाया शादी का कार्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स आईपीएल की वह टीम है, जिसे हर मैदान पर होम ग्राउंड जैसा ट्रीमेंट मिलता है. चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम के साथ-साथ फैंस सीएसके को सपोर्ट करने के लिए हर मैदान में पहुंचते हैं. चेन्नई का मैच कहीं भी किसी भी टीम के खिलाफ हो, क्राउड आपको पीली जर्सी में ही नज़र आएगा. चेन्नई को फैंस इतना ज़्यादा प्यार एमएस धोनी की वजह से करते हैं. अब मैदान के बाहर भी चेन्नई की दीवानगी फैन के सिर चढ़कर बोली और उसने अपनी शादी का कार्ड सीएके की थीम पर बनवा लिया.

चेन्नई सुपर किंग्स की थीम वाला शादी का कार्ड सोशल मीडिया पर तेज़ से वायरल हो रहा है. इस कार्ड को चेन्नई सुपर किंग्स के मैच टिकट की तरह डिजाइन किया गया. कार्ड में एंट्री फीस की जगह, आपका प्यार लिखा गया, टैक्स की जगह, आशीर्वाद और टोटल वैल्यू की जगह, आपकी उपस्थिति लिखी गई. इसके अलावा जैसे दो टीमों का नाम लिखा जाता हैं, वहां बीच में वेड्स लिखकर कपल का नाम लिखा गया. इसके आगे शादी का दिन और तारीख वेन्यू के साथ लिखी गई. इस कार्ड को बड़े ही क्रिएटिव तरीके के डिजाइन किया गया है.

लखनऊ में आईपीलएल कप्तानों पर बीसीसीआई ने ठोका जुर्माना

लखनऊ, एजेंसी। आईपीएल 2024 का 34वां मैच लखनऊ सुपरजायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच 19 अप्रैल को लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। यह मैच तो होम टीम जीत गई। लेकिन बीसीसीआई ने दोनों टीमों के कप्तानों पर स्लो ओवर रेट के चलते 12 लाख का जुर्माना भी ठोका है। बता दें कि लखनऊ के कप्तान केएल राहुल और चेन्नई के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर स्लो ओवर रेट की वजह से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने जुर्माना लगाया है।

आईपीएल की आचार संहिता के तहत दोनों कप्तानों की टीमों का सीजन का पहला अपराध था। इसलिए उनपर 12 लाख का जुर्माना लगाया गया है। केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत पर भी स्लो ओवर रेट के चलते इस सीजन फाइन लग चुका है।

केएल राहुल ने तोड़ा धोनी का रिकॉर्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2024 के इस सीजन में कई नए रिकॉर्ड बन रहे हैं तो कई पुराने रिकॉर्ड टूट भी रहे हैं. केएल राहुल ने आईपीएल 2024 के 34वें मैच में एक और रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. जो पहले धोनी के नाम था. केएल राहुल आईपीएल में सबसे ज्यादा पचास प्लस स्कोर बनाने वाले विकेटकीपर बन गए हैं. इस फेहरिस्त में कई दिग्गज विकेटकीपर भी शामिल हैं.

अगर हम 50 से ज्यादा का स्कोर बनाने वाले टॉप 5 विकेटकीपरों की बात करें तो इस फेहरिस्त में सबसे पहला नाम केएल राहुल का है. जो पहले एमएस धोनी के नाम पर था. केएल राहुल अब तक 25 बार 50 से ज्यादा का स्कोर बना चुके हैं. एमएस धोनी ने 24 बार 50 से अधिक का स्कोर बनाया है. तीसरे नंबर पर क्विंटन डी कॉक हैं. डी कॉक ने अब तक 23 बार 50 से ज्यादा का स्कोर बनाया है. तो चौथे नंबर पर हैं दिनेश कार्तिक. दिनेश ने अब तक 21 बार 50 से अधिक का स्कोर बनाया है. वहीं पांचवें नंबर पर रॉबिन उथप्पा का नाम है. उन्होंने 18 बार 50 से ज्यादा का स्कोर बनाया है.

आईपीएल 2024 के 34वें मैच में केएल राहुल ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ कप्तानी पारी खेली. जिसके चलते एलएसजी की टीम ने यह मैच आसानी से जीत लिया. केएल राहुल ने 53 गेंदों पर 154.72 की स्ट्राइक रेट से 82 रन बनाए. जिसमें 9 चौके और 3 छक्के शामिल थे. पहले विकेट के लिए क्विंटन डी कॉक और केएल राहुल के बीच 134 रन की साझेदारी हुई. 6 गेंद रहते ही एलएसजी ने 8 विकेट से मैच जीत लिया.

भारतीय फ्रीस्टाइल पहलवानों का निराशाजनक प्रर्दशन

पेरिस ओलंपिक का टिकट पक्का करने से चूके

बिश्केक, एजेंसी। अमन ने 57 किग्रा वर्ग में दबदबे वाला आगाज करते हुए अपने शुरुआती दो प्रतिद्वंद्वियों येरासिल मुख्तारुली और सुंगवॉन किम को तकनीकी श्रेष्ठता से हराया। वह हालांकि उज्बेकिस्तान के गुलोमजोन अब्दुल्लेव के खिलाफ इस लय को जारी रखने में विफल रहे और 10 अंकों से पिछड़ने के बाद हार गए। अमन सहरावत एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में शुक्रवार को अपना सेमीफाइनल हारने के बाद पेरिस खेलों के लिए कोटा हासिल करने से चूक गए, जबकि दीपक पूनिया और सुजीत कलकल को वजन करने के लिए समय पर नहीं पहुंच पाने के कारण टूर्नामेंट में हिस्सा लेने का मौका नहीं मिला।

लय बरकरार रखने में विफल रहे अमन

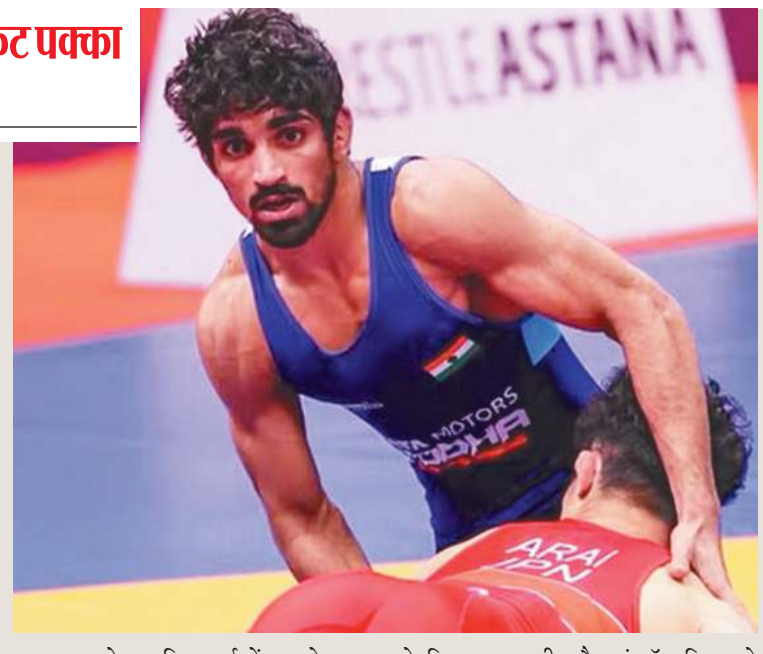

अमन ने 57 किग्रा वर्ग में दबदबे वाला आगाज करते हुए अपने शुरुआती दो प्रतिद्वंद्वियों येरासिल मुख्तारुली और सुंगवॉन किम को तकनीकी श्रेष्ठता से हराया। वह हालांकि उज्बेकिस्तान के गुलोमजोन अब्दुल्लेव के खिलाफ इस लय को जारी रखने में विफल रहे और 10 अंकों से पिछड़ने के बाद हार गए।

भारतीय कुश्ती जगत को अमन से काफी उम्मीदें थी क्योंकि उन्होंने अपने आयु वर्ग में मजबूत माने जाने वाले रवि दाहिया को शिकस्त देकर देश के प्रतिनिधित्व का मौका हासिल किया था।

अन्य पहलवान भी प्रभाव छोड़ने में रहे विफल

अमन के अलावा जयदीप ने भी 74 किग्रा वर्ग में शानदार शुरुआत की और तुर्कमेनिस्तान के अल अर्सलान बेगेनजोव को हराया। वह क्वार्टर फाइनल में किर्गिस्तान के ओरोजोबेक तोक्तोमाम्बेतोवबाद के खिलाफ मुकाबला 2-2 से बराबर होने के बाद हार गए।

सुमित मलिक (125 किग्रा) भी अपने पहले दौर में किर्गिस्तान के लखागवागेरेल मुनख्तूर से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार गए, जबकि दीपक (97 किग्रा) क्वालीफिकेशन दौर में अराश योशिदा से तकनीकी श्रेष्ठता से हार गए।

दीपक और सुजीत को नहीं मिली खेलने की अनुमति

दीपक और सुजीत कलकल को एशियन ओलंपिक क्वालीफायर्स में शामिल होने की मंजूरी नहीं मिली। यह दोनों पहलवान मंगलवार से दुबई एयरपोर्ट पर फंसे हुए थे और शुक्रवार को बिश्केक पहुंचे थे। जब तक यह दोनों भारतीय पहलवान वहां पहुंचे, उस समय तक अन्य पहलवानों के वजन की जांच शुरू हो चुकी थी जिसके बाद आयोजकों ने दीपक और सुजीत को मंजूरी देने से इनकार कर दिया। सूत्रों ने कहा कि भारतीय कोचों के अनुरोध के बावजूद आयोजकों ने उन्हें अनुमति नहीं दी। पूनिया (86 किग्रा) टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने के करीब पहुंचे थे। महिलाओं की स्पर्धा शनिवार को होगी जिसमें सबसे ज्यादा नजरें विनेश फोगाट (50 किग्रा) पर होंगी। एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर के बाद पहलवानों को मई में तुर्की में होने वाले विश्व ओलंपिक क्वालीफायर से एक और मौका मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

मनीष सिसोदिया ने वापस ली अंतरिम जमानत की याचिका, चुनाव के लिए चाहते थे राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। मनीष सिसोदिया की नियमित जमानत आवेदन पर स्पेशल जज कावेरी बवेजा की अदालत ने अपना ऑर्डर रिजर्व कर लिया है। वहीं सिसोदिया की तरफ से अदालत में पेश हुए अधिवक्ता विवेक जैन ने चुनाव प्रचार के लिए दाखिल की गई अंतरिम जमानत आवेदन को वापस ले लिया। अदालत सिसोदिया की नियमित जमानत आवेदन पर 30 अप्रैल को अपना फैसला सुनाएगी। स्पेशल जज कावेरी बवेजा की अदालत में सुनवाई हुई।

वर-वधु ने साथ में डाला वोट, दुल्हन ने विदाई को रोककर किया मतदान

नागौर , एजेंसी। राजस्थान में लोकसभा चुनाव को लेकर मतदाताओं में काफी उत्साह देखने को मिला। लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भागीदारी निभाने के लिए दुल्हन ने अपनी विदाई रुकवाकर पहले मतदान किया और फिर विदाई हुई। दरअसल, आमेर रोड निवासी दिव्या सेन ने विदा होने से पहले अपने मताधिकार का प्रयोग किया। दिव्या का विवाह 18 अप्रैल को हुआ और 19 अप्रैल को सुबह विदा होने से पहले नगर निगम कॉलोनी स्थित मतदान केंद्र पर पहुंचकर अपना वोट दिया। दिव्या ने बताया कि जिस तरह से अपने जीवनसाथी को चुना है। ठीक इसी तरह अच्छे सरकार का चुनाव करने के लिए देश हित में मतदान किया है। सभी को मतदान जरूर करना चाहिए। दूल्हे निशिन ने भी मतदान को प्राथमिकता दी और कहा कि हमारे वोट से अच्छा नेता बने। चैनार स्थित अटल सेवा केंद्र में कोमल टाक निवासी जगावता, चैनार ने विवाह संपन्न होने के तुरंत बाद ससुराल जाने से पहले अपने पति नितिन सोलंकी के साथ आकर मतदान किया। जयपुर के मोहनपुरा में दुल्हन ने ससुराल जाने से पहले लोकतंत्र में भागीदारी निभाई। दुल्हन ममता मोर्य की शादी 18 अप्रैल को हुई थी।

19 अप्रैल को मतदान के दिन विदाई होनी थी। विदाई से पहले दुल्हन ममता मोर्य मोहनपुरा स्थित मतदान केंद्र पर पहुंची। शादी के जोड़े में ही मतदान केंद्र पर पहुंचकर अपने मताधिकार का उपयोग किया. अपना फर्ज निभाने के बाद ससुराल के लिए विदाई हुई। नीमकाथाना में शादी के बाद ससुराल नहीं जाकर दुल्हन ने पहले मतदान केंद्र पहुंचकर वोट किया। दुल्हन दूल्हे को साथ लेकर नीमकाथाना के बूथ नंबर 188 में जाकर मतदान किया। मतदान करने पर निर्वाचन विभाग की ओर से नव विवाहित वर-वधू को प्रमाण पत्र दिया गया। इसके बाद दुल्हन विदा होकर अपने ससुराल गई।

आडवाणी के रथ को मैनेज कर चर्चित हुए थे नित्यानंद राय, तीसरी बार मैदान में

उजियारपुर, एजेंसी। भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी की रथ यात्रा को तत्कालीन बिहार सरकार के ऐलान के बावजूद हाजीपुर से सकुशल पार कराने के लिए सूबे की राजनीति में चर्चित हुए नित्यानंद राय की पहचान एक निर्भीक नेता की है। खेती-किसानी और गांव-देहात की राजनीति से शुरुआत करने वाले राय देश के गृह राज्यमंत्री हैं। वह 2014 और 2019 में लगातार दो बार जीतकर उजियारपुर से सांसद बन चुके हैं। राय के सामने इस बार उजियारपुर से जीत की हैट्रिक लगाने की चुनौती है। लोकसभा चुनाव 2024 में उजियारपुर सीट से तीसरी जीत के लिए किस्मत आजमा रहे हैं। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान नित्यानंद राय प्रदेश भाजपा अध्यक्ष थे। उनके नेतृत्व में ही बिहार में भाजपा ने चुनाव लड़ा था। जिसमें एनडीए ने 40 में से 39 सीटों पर जीत हासिल की थी। अब राय बदली भूमिका में हैं और प्रदेश के वरिष्ठ नेता हैं। अपनी जीत के साथ ही पार्टी और एनडीए गठबंधन को 2019 के समान जीत दिलाने का दारोमदार भी उन पर है। इसे लेकर अपने क्षेत्र में मेहनत करने के साथ घटक दलों के प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार करने में जुटे हैं। एडी-चोटी का जोर लगाया उजियारपुर से लगातार तीसरी बार जीत दर्ज करने के लिए नित्यानंद राय एड़ी-चोटी का जोर लगाए हैं। 1990 में बिहार सरकार को सीधी चुनौती देने वाले नित्यानंद राय का राजनीति में ग्राफ लगातार चढ़ता गया। तब बतौर मुख्यमंत्री लालू प्रसाद ने ऐलान किया था कि वह लालकृष्ण आडवाणी के रथ को गांधी सेतु पार नहीं करने देंगे। उस समय नित्यानंद मात्र 23 वर्ष के थे।

विश्व का सबसे ऊंचा पोलिंग स्टेशन, छह महीने बर्फ से रहता है ढका; वोटरों से मिली ईसी की टीम

शिमला, एजेंसी। चुनाव आयोग की टीम शुक्रवार को विश्व के सबसे ऊंचे पोलिंग स्टेशन टशीगंग पहुंची और यहां के मतदाताओं को मतदान करने के लिए जागरूक किया गया। टशीगंग समुद्र तल से 15,256 फीट की ऊंचाई पर स्थित विश्व का सबसे ऊंचा मतदान केंद्र है। टाशीगंग शीत मरुथल के नाम से विख्यात लाहुल स्पीति जिले की स्पीति घाटी में स्थित है। साल में छह माह बर्फ से ढका रहता हैं। यहां ऑक्सीजन की कमी होती है।

लाहौल स्पीति के सहायक निर्वाचन अधिकारी हर्ष नेगी ने यहां के स्थानीय मतदाताओं के साथ विशेष बैठक कर उनकी मांगो को सुना। उन्होंने लोगों को लोकसभा और विधानसभा उपचुनाव में मतदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन के पक्ष पर विचार करने का आश्वासन दिया है। बैठक में टाशीगंग गांव के लोक निर्माण विभाग के अस्थाई तौर पर काम करने वाले 13 पूर्व दैनिक वेतन भोगी मजदूर

और उनके परिजन विशेष तौर पर मौजूद रहे।

सहायक निर्वाचन अधिकारी हर्ष नेगी ने कहा कि स्थानीय लोगों के साथ-साथ पूर्व दिहाड़ीदार मजदूरों के साथ भी बैठक की गई। उन्होंने प्रशासन के पक्ष में विचार करने का आश्वासन दिया है। हमने लोगों को बताया कि पूरी दुनिया में टाशीगंग में 100 प्रतिशत मतदान के लिए जाना जाता है। इस परंपरा को जीवित रखते हुए है एक फिर इतिहास रचते हुए लोकतंत्र को मजबूत करेंगे। बता दें कि वर्ष 2019 से पहले विश्व का सबसे ऊंचा मतदान केंद्र लाहुल स?पीति जिले में स्थित हिक्किम था। लेकिन 2019 में टाशीगंग को मतदान केंद्र बना दिया गया। 2019 के लोकसभा चुनाव में यहां 45 मतदाता थे। इनमें 27 पुरुष और 18 महिला मतदाता थे। मंडी संसदीय क्षेत्र के उपचुनाव में 48 मतदाता थे, जिनमें 29 पुरुष और 22 महिलाएं शामिल थीं। 2022 के विधानसभा चुनावों में 52 मतदाता थे इनमें 30 पुरुष और 22 महिलाएं हैं। इस बार भी यहां पर 52 मतदाता है।

कांग्रेस नेता की बेटी का दिनदहाड़े मर्डर, कॉलेज में आशिक ने एकतरफा प्यार में चाकू घोंपकर मार डाला

नई दिल्ली, एजेंसी। हुबली (कर्नाटक)। कर्नाटक में हुबली कॉलेज कैंपस में एक छात्रा की हत्या के मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। हालांकि, पुलिस ने एक घंटे में ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, एबीवीपी इस घटना को लेकर प्रदर्शन कर रही है।

हुबली परिसर में एक कॉलेज छात्र की हत्या पर डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा, बीजेपी यह दिखाकर डराने की कोशिश कर रही है कि कर्नाटक में कोई कानून-व्यवस्था नहीं है। कर्नाटक में सबसे अच्छी कानून-व्यवस्था है। वे मतदाताओं को सिर्फ यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि वे राज्य में राज्यपाल शासन लगाने जा रहे हैं, वे ऐसा नहीं कर सकते। कानून हर किसी के लिए अपना काम करेगा। इधर, छात्रा की हत्या पर सीएम सिद्धारमैया ने कहा, जो हत्या हुई वह व्यक्तिगत कारणों से हुई। कर्नाटक में कानून व्यवस्था की स्थिति बहुत अच्छी है, कानून व्यवस्था बनाए रखना हमारा कर्तव्य है और हम इसके लिए काम कर रहे हैं। परिसर में एक कॉलेज छात्र की हत्या पर हुबली-धारवाड़ पुलिस आयुक्त रेणुका सुकुमार ने कहा, इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और एक घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। यह बहुत ही गंभीर मामला है और हम जांच कर रहे हैं, जांच के दौरान सब कुछ सामने आ जाएगा मृतक लड़की के पिता के अनुसार, एक मुस्लिम युवक जो कि उनकी बेटी का दोस्त था। वह छात्रा से एकतरफा प्यार करता था, लेकिन छात्रा ने उसे इनकार कर दिया था। इसकी खुन्नस में उसने उसकी चाकू घोंपकर हत्या कर दी।

गाजियाबाद में पीएम श्री योजना में 7 और स्कूल शामिल, संख्या बढ़कर हुई 11

नई दिल्ली, एजेंसी। गाजियाबाद जिले में पीएम श्री स्कूलों की संख्या बढ़कर अब 11 हो गई है। पिछले साल पीएम श्री के तहत चार स्कूलों का चयन किया गया था। अब इस योजना के दूसरे चरण में जिले के सात और स्कूलों को भी शामिल किया गया है। इससे सहूलियत मिल सकेगी। ऐसे में जिले के सरकारी स्कूलों की दशा सुधरने वाली है। उम्मीद है जिले के कुछ और सरकारी स्कूलों को भी ऐसी ही योजनाओं में शामिल किया जाएगा, जिससे इन स्कूलों की स्थिति सुधरेगी तो इनमें पढ़ने वाले छात्रों के शैक्षिक स्तर में भी सुधार आएगा।

पीएम श्री योजना केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना के तहत सरकारी स्कूलों का चुनाव कर उनकी दशा और दिशा सुधारने की कवायद की जा रही है। ये स्कूल 12वीं तक होंगे और इन स्कूलों में सभी सुविधाएं कॉन्वेंट स्कूलों वाली होंगी। यहां पढ़ाई के साथ-साथ खेल और अन्य गतिविधियों में भी छात्रों की प्रतिभा को निखारा जाएगा। कुल मिलाकर हाईटेक सुविधाओं के साथ छात्र यहां पढ़ाई करेंगे। इस योजना की शुरुआत पिछले साल हुई थी। बीते वर्ष इस योजना में जिले के चार स्कूलों का चुना गया था और अब सात और स्कूलों को भी शामिल किया गया है। इसमें एक माध्यमिक स्कूल भी है। ऐसे में पीएम श्री स्कूलों की संख्या बढ़कर अब 11 हो गई है।

अब भाजपा के लिए राज ठाकरे करेंगे प्रचार; पुणे में एमएनएस ने बनाई रणनीति

पुणे , एजेंसी। महाराष्ट्र की राजनीति में हाल के दिनों में उस समय बड़ा बदलाव देखने को मिला, जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का हर मोर्चे पर विरोध करने वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के मुखिया राज ठाकरे ने कहा था कि उनकी पार्टी लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ेगी। इस घोषणा के बाद पुणे लोकसभा सीट के शहरी हिस्सों में एमएनस की टीम भाजपा के पक्ष में प्रचार की योजना बना रही है। और यह सुनिश्चित करने में जुटी है कि नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनें।

2019 में एमएनएस ने पीएम मोदी और बीजेपी के खिलाफ अभियान चलाया था, लेकिन हाल ही में एमएनएस प्रमुख ने चुनाव में बीजेपी को बिना शर्त समर्थन देने का ऐलान किया है। मनसे नेता राजेंद्र वागस्कर ने स्थानीय भाजपा नेताओं के साथ बैठक के बाद कहा, मनसे पुणे सीट के लिए भाजपा के चुनाव अभियान में भाग लेगी और उम्मीदवार के समर्थन में शहर के कुछ हिस्सों में अलग-अलग रैलियां भी

भूखा मर रहा पाकिस्तान, भारत में 80 करोड़ लोगों को फ्री अनाज: योगी आदित्यनाथ

अमरोहा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पाकिस्तान का जिक्र करते हुए कहा कि वहां लगो भूख से लड़ रहे हैं, वहीं भारत में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अमरोहा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने यह भी कहा कि भगवा पार्टी का नारा फिर एक बार मोदी सरकार पूरे देश में गूंज रहा है। मौजूदा लोकसभा चुनाव में अमरोहा निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार कंवर सिंह तंवर के समर्थन में आयोजित रैली में योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने यह बात कही है।

उन्होंने कहा, पाकिस्तान की आबादी मुश्किल से 23-24 करोड़ है। 1947 में विभाजन के बाद बना था। आज भूख से पीड़ित है। मुफ्त राशन देने का वादा है। आपको बता दें कि भाजपा ने अपने लोकसभा चुनाव घोषणापत्र में अगले पांच वर्षों तक देश के 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन देना जारी रखने का वादा किया है।

दिल्ली में खराब ट्रैफिक सिग्नल ठीक कराएं एलजी, शाहपुर जट के ग्रामीणों की पीआईएल पर हाईकोर्ट का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। अपने गांव के खराब ट्रैफिक सिग्नल को ठीक कराने निकले एक गांव के लोग पूरी दिल्ली की मुहिम का हिस्सा बन गए हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने ग्रामीणों की जनहित याचिका पर उपराज्यपाल को निर्देश दिए हैं कि वह राजधानी की खराब लालबत्तियों को शीघ्र सुधरवाने के लिए कानून के हिसाब से विचार करें।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन एवं न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की बेंच ने कहा कि जनहित याचिका में एक वाजिब मसला उठाया गया है। हालांकि, शाहपुर जट गांव के लोगों ने अपने गांव के ट्रैफिक सिग्नल के एक महीने से ज्यादा समय तक खराब होने की बात सबसे पहले की थी। उसके बाद पूरी दिल्ली में खराब सिग्नल व सड़कों को ठीक करने की मांग गई। शाहपुर जट के सिग्नल के ठीक होने की रिपोर्ट बेंच के समक्ष पेश कर दी गई है। इसलिए गांववासियों की पहली मांग पूरी हो गई है। अब मुद्दा राजधानी के

ट्रैफिक सिग्नल व सड़कों की सुरक्षा को लेकर है। इसके लिए दिल्ली के उपराज्यपाल को इस तरह ध्यान देने उचित आदेश पारित करने को कहा जा रहा है। साथ ही, बेंच ने इस निर्देश के साथ याचिका का निपटारा कर दिया है।

शिकायतों पर ध्यान नहीं देने का आरोप = शाहपुर जट विलेज सोसाइटी की तरफ से दायर जनहित याचिका में कहा गया था कि उनके गांव के प्रवेश मार्ग का ट्रैफिक सिग्नल मार्च 2024 से खराब है। इस वजह से ग्रामीणों की जान का जोखिम बना रहता है। इसकी शिकायत उन्होंने 9 अप्रैल 2024 को दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के स्पेशल कमिश्नर से की, लेकिन कोई कदम नहीं उठाया गया। इसके बाद 14 अप्रैल 2024 को उपराज्यपाल से गुहार लगाई, परंतु नतीजा सिफर रहा।

जनहित याचिका में शाहपुर जट विलेज सोसाइटी की तरफ से पूरी दिल्ली के लिए दो मांग रखी गईं। पहली मांग, राज्य सरकार द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों की दो समितियां बनाने की थी। एक समिति राज्य स्तर पर व दूसरी समिति जिला स्तर पर बनाने की मांग रखी गई। इन समितियों में दिल्ली पुलिस, दिल्ली विकास प्राधिकरण व दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों को शामिल करने की बात रखी गई, ताकि ये दोनों समितियां अपने स्तर पर राजधानी के तमाम ट्रैफिक सिग्नल के रखरखाव व सड़कों की सुरक्षा पर निरंतर निगरानी रखें। साथ ही, सुनिश्चित करें कि आम आदमी को कोई असुविधा ना हो। दूसरी मांग यह रखी गई कि यदि दिल्ली का कोई ट्रैफिक सिग्नल 24 घंटे से ज्यादा समय खराब रहता है तो ट्रैफिक पुलिस का एक वरिष्ठ अधिकारी को वहां तैनात किया जाए। वह खराब बत्ती की ट्रैफिक व्यवस्था को तब तक संभालेगा जब तक सिग्नल ठीक ना हो जाए। वाहनों की आवाजाही को नियमों के अनुसार संभालेगा। साथ ही, पैदल यात्रियों का विशेष ध्यान रखेगा। वहीं, नोएडा-बदरपुर और जसोला-नोएडा मार्ग पर जाम तथा हादसों से निपटने के लिए यू-टर्न पर लालबत्ती लगाई गई है। अब दोनों जगहों पर यू-टर्न लेने के लिए लालबत्ती पर रुकना पड़ेगा। ट्रैफिक पुलिस ने दोनों जगहों को चिह्नित किया था।

हम सभी लोकसभा और करनाल विधानसभा चुनाव बड़े अंतराल से जीतेंगे: मनोहर लाल

चंडीगढ़/ जींद, एजेंसी। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि भाजपा की सरकार ने भ्रष्टाचार को रोकने की दिशा में अहम कदम उठाए हैं। कांग्रेस के राज में भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों को बढ़ावा दिया जाता था, जबकि आज भ्रष्टाचारी नए-नए तरीके खोजने की कोशिश करते हैं, लेकिन उनकी बात बन नहीं रही और उन्हें जेल की हवा खानी पड़ती है। वह आज यहां सोनीपत लोकसभा क्षेत्र के दौरे पर थे और कार्यकर्ताओं से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने ऑनलाइन सिस्टम से लोगों की समस्याओं को हल करने का काम किया है। अपने साढ़े 9 साल के शासनकाल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सीएम विंडो में 13 लाख शिकायत आई और इनमें से साढ़े 11 लाख शिकायतों का समाधान किया गया। उन्होंने कहा कि कुछ शिकायतें ऐसी थी जिसमें या तो पुलिस का केस था या फिर वह कोर्ट में विचाराधीन था। प्रदेश में भाजपा उम्मीदवारों के हो रहे विरोध का असर पूछे जाने पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कुछ दबंग किस्म के लोग पहले भी ऐसा करते रहे हैं और आज भी वह विरोध की राजनीतिक कर रहे हैं।? उन्होंने कहा कि उनके इस विरोध का भाजपा को लाभ हो रहा है, क्योंकि 10 लोग अगर विरोध करते हैं तो सौ नए लोग भाजपा के साथ जुड़ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि हरियाणा 10 की 10 लोकसभा सीटों पर कमल का फूल खिलाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथ मजबूत करने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि अभी तक कांग्रेस अपने उम्मीदवारों का भी फैसला नहीं कर पाई है, क्योंकि या तो कांग्रेस के पास उम्मीदवार नहीं है और जिन सीटों पर कांग्रेस के पास चुनाव लड़ने के इच्छुक लोग हैं,वहां इतनी मारामारी है कि कांग्रेस उम्मीदवार मैदान में उतार नहीं पा रही है।

दिल्ली सरकार के अधिकारी के खिलाफ कोर्ट पहुंचे वकील, एचसी में याचिका दायर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट में दिल्ली सरकार के प्रधान सचिव (गृह) अश्विनी कुमार को लेकर एक याचिका दायर की गई है। याचिका में कुमार को दिल्ली वक्फ बोर्ड के प्रशासक पद से हटाने का अनुरोध किया गया है। हाई कोर्ट में दायर याचिका में कुमार पर वक्फ संपत्तियों के हितों के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया गया है। दिल्ली हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पी एस अरोड़ा की पीठ ने याचिका को 30 अप्रैल को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है।

याचिका में कहा गया है कि वक्फ बोर्ड के प्रशासक उस धार्मिक समिति के अध्यक्ष भी हैं जिसने कई वक्फ संपत्तियों को हटाने और ढहाने की सिफारिश की है। सेक्युलर फ्रंट ऑफ लॉयर्स द्वारा दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि किसी संगठन में प्रशासक की नियुक्ति संगठन के कल्याण और बेहतरी के लिए की जाती है और ऐसे व्यक्ति को उस संगठन के हितों की रक्षा करनी होती है। हालांकि, वर्तमान मामले में, दिल्ली वक्फ बोर्ड के प्रशासक पूरी तरह से वक्फ संपत्तियों के खिलाफ काम कर रहे हैं। उनकी रक्षा करने के बजाय, वह वक्फ संपत्तियों को नष्ट करने के लिए बैठे हैं। इस मामले में वरिष्ठ वकील सलमान खुर्शीद और वकील इमरान अहमद के साथ रोहित शर्मा याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। याचिकाकर्ता ने कहा कि पिछले एक साल में, धार्मिक समिति ने दरगाह मामू भांजा, सुनेहरी बाग मस्जिद, मस्जिद मदरसा कंगाल शाह और अखुंदजी मस्जिद सहित कई वक्फ संपत्तियों को हटाने/ढहाने की सिफारिश की है। याचिका में कहा गया है कि धार्मिक समिति की गलत सिफारिश पर दरगाह मामू भांजा के एक बड़े हिस्से को ढहा दिया गया है।

कंगना के खिलाफ विक्रमादित्य का सनातन कार्ड, अचानक याद आया आरएसएस कनेक्शन

मंडी, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में मंडी लोकसभा सीट की लड़ाई दिलचस्प होती जा रही है। राज्य के लोक निर्माण मंत्री और कांग्रेस उम्मीदवार विक्रमादित्य सिंह को अचानक राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) की याद आई है। उन्होंने शुक्रवार को अपने परिवार के आरएसएस के साथ सदियों पुराने संबंध का जिक्र किया और अपने पिता एवं पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह द्वारा लाए गए धर्मांतरण विरोधी कानून का जिक्र किया। इसे भाजपा की लोकसभा उम्मीदवार कंगना रनौत के हिमाचल प्रदेश के सनातन धर्म और देव समाज संस्कृति पर हमला वाले बयान पर निशाना साधने के तौर पर देखा जा रहा है। विक्रमादित्य, जिन्हें कांग्रेस ने मंडी में रनौत के खिलाफ चुनावी मैदान में

उतारा है, ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से हस्तक्षेप करने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि राज्य की देव संस्कृति, देव लोक नीति और सनातन धर्म पर कोई और हमला नहीं हो। बता दें कि मंडी लोकसभा सीट से विक्रमादित्य की मां प्रतिभा सिंह मौजूदा सांसद हैं।

विक्रमादित्य ने अपने फेसबुक पेज पर एक वीडियो मैसेज जारी किया है। जिसमें उन्होंने कहा, आज हिमाचल प्रदेश में देव संस्कृति, देव लोक नीति और सनातन धर्म पर हमला हो रहा है। जिस तरह से इस पर बयानबाजी हो रही है कि क्या खाएं और क्या न खाएं, यह एक गंभीर मसला बनकर उभरा है... हम विकास और अपने किए गए काम के मुद्दे पर चुनाव लड़ना चाहते हैं। यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि हम अपनी देव संस्कृति और सनातन धर्म का सम्मान और संरक्षण करें।

विक्रमादित्य ने बेशक अपने मैसेज में रनौत का नाम नहीं लिया, लेकिन यह साफ है कि उनके निशाने पर बीजेपी प्रत्याशी हैं। विक्रमादित्य के एक करीबी सूत्र ने कहा कि वह रनौत की उन टिप्पणियों का जिक्र कर रहे थे, जिसमें उन्होंने गोमांस खाने से इनकार किया था और एक बयान में दावा किया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भगवान राम के अंश हैं। दरअसल, रनौत ने पिछले हफ्ते कहा था, यह कहा जा सकता है कि नरेंद्र मोदी भगवान राम और विष्णु के अंश हैं।

रमन सिंह के पूर्व प्रमुख सचिव को मिली राहत, छत्तीसगढ़ की अदालत ने बंद कर दिया केस

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ की एक अदालत ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह के प्रमुख सचिव रहे अमन सिंह के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला बंद कर दिया है। रायपुर की अदालत ने ईओडब्ल्यू-एसीबी की अंतिम रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया, जिसके मुताबिक अमन सिंह के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला नहीं बनता है।

राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) - भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की अंतिम रिपोर्ट में कहा था कि अमन सिंह और उनकी पत्नी यास्मीन सिंह के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का कोई मामला नहीं बनाया जा सकता है। राज्य में भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली पिछली कांग्रेस सरकार ने फरवरी 2020 में एक आरटीआई कार्यकर्ता के दावे के आधार पर इस संबंध में एफआईआर संख्या 09/2020 दर्ज की थी। अदालत के आदेश के अनुसार, राज्य ईओडब्ल्यू-एसीबी ने तीन साल तक जांच की और सिंह तथा उनकी पत्नी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के आरोपों को साबित करने में विफल रहा। वर्तमान भाजपा सरकार के सत्ता में आने से पहले पिछले साल दिसंबर में राज्य ईओडब्ल्यू ने अंतिम रिपोर्ट दायर की थी। निचली अदालत ने अब अंतिम रिपोर्ट को स्वीकार करते हुए एफआईआर रद्द कर दी है। भारतीय राजस्व सेवा के पूर्व अधिकारी अमन सिंह, छत्तीसगढ़ में रमन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में एक रसूखदार नौकरशाह और मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव थे।

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएएवआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,काठीटांड़,नियर टैंडर बगीचा,रातू,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं प्च. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादकः सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेलः purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निबटाये जाएंगे। (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)